शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 149 | गुवाहाटी | मंगलवार, 20 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नगांव में 980 बीघा सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर, मकानों व इमारतों को गिराया — पेज 3
भारत के आतंकवाद पर प्रहार से बिलबिला रहा पड़ोसी : अनुराग ठाकुर — पेज 4
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की भाभी नयनतारा देवी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन — पेज 5
नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं : राहुल गांधी — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अर्थ और धर्म, कर्म का आधार है।

– आचार्य चाणक्य

सीएम की डीसी, एसपी आदि के साथ बैठक

सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने का सख्त निर्देश

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिला उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य उच्च अधिकारियों के साथ सड़क सुरक्षा कानून के कार्यान्वयन, अरुणोदय 2.0 के तहत लाभार्थियों के चयन, अमृत सरोवर परियोजना के कार्यान्वयन और धान की खरीद के लिए किए गए उपायों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को बाइक स्टंट, गति और शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचने और राष्ट्रीय राजमार्गों पर गश्त तेज करने सहित सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं की नियमित समीक्षा के साथ-साथ उन्होंने उन स्थानों की भी पहचान की जहां नियमित रूप से दुर्घटनाएं होती हैं और जिला सड़क सुरक्षा समिति -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में छह हजार उग्रवादियों ने आत्म-समर्पण किया : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में आतंकवाद और उग्रवाद की कमी के आंकड़े पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि 2014 के बाद पूर्वोत्तर में शांति का युग शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद की घटनाओं में भारी कमी आई है। ठाकुर ने कहा पूर्वोत्तर में शांति का युग 2014 के बाद शुरू हुआ। उग्रवादी हिंसा में 80 प्रतिशत की कमी, नागरिक मौतों में 89 प्रतिशत की कमी और 2014 के बाद 6000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वामपंथी उग्रवाद में 265 प्रतिशत की कमी आई। केंद्रीय मंत्री ने कहा मोदी सरकार द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस का है। निर्णायक कार्रवाई ने हमें निश्चित परिणाम दिए हैं। उन्होंने आतंकवाद पर केंद्र के कदम पर कहा भारत की नीति हमेशा आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की रही है। चाहे वह यूएपीए कानून को मजबूत करना हो या एनआईए अधिनियम संशोधन विधेयक। भारत सरकार ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने सामाजिक कल्याण के बहाने कट्टरता को बढ़ावा देने वाले संगठन (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं किया, हमने संगठन के खिलाफ गहन जांच की और इसके सदस्यों को गिरफ्तार किया। कट्टरपंथी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-पाक युद्ध के हीरो भैरो सिंह का निधन

जोधपुर (हि.स.)। 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के हीरो भैरो सिंह का सोमवार को निधन हो गया। 81 साल के भैरो सिंह 14 दिसंबर से जोधपुर के एम्स हॉस्पिटल में एडमिट थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत परेशानी थी। इलाज के दौरान सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। ये वही भैरो सिंह हैं, जिनका बॉर्डर मूवी में सुनील शेट्टी ने किरदार निभाया था। भैरो सिंह मूलतः जोधपुर जिले के शेरगढ़ तहसील के सोलंकियातलां गांव के रहने -शेष पृष्ठ दो पर

इलाहाबाद विवि में छात्रों का हंगामा, बाइकें जलाईं

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परिसर में सोमवार दोपहर अचानक छात्र संघ का हुजूम उमड़ पड़ा। छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में एकत्रित होकर जमकर हंगामा किया। रोष जता रहे छात्रों ने जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय के गेट पर तैनात गार्ड ने गोली चलाई है। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया गया कि छात्र छुट्टी का दिन होने के बावजूद छात्रों ने छात्र संघ भवन पर बंद ताले को खोलने की कोशिश की। इस दौरान विश्वविद्यालय में तैनात -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पीएम से गूगल के सीईओ ने की मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय मूल के गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और भारत के जी-20 अध्यक्ष पद के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में *तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति* की भी सराहना की। बैठक के बाद, उन्होंने ट्विटर पर एक तस्वीर साझा की और लिखा आज एक महान बैठक के लिए धन्यवाद पीएम नरेंद्र मोदी। आपके नेतृत्व में तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति को देखने के लिए प्रेरक। हमारी मजबूत साझेदारी को जारी रखने और सभी के लिए काम करने वाले एक खुले, कनेक्टेड -शेष पृष्ठ दो पर

कृषि मंत्री आज सांसदों को देंगे भोज

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष पहल *मोटा अनाज वर्ष* को चिह्नित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए विशेष *केवल कदन्न* दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दोपहर के भोजन में सम्मिलित होंगे। इसमें ज्वार, बाजरा और रागी से बने भोजन परोसे जाएंगे। इसमें रागी से बनी रोटी, इडली, डोसा परोसे जाएंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री 24 को डिब्रूगढ़ में करोड़ों की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम अब विकास की राह पर है। जिस तरह असम के मुख्यमंत्री ने पिछले पंद्रह दिनों में विकास के लिए एक पखवाड़ा नामक कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न जिलों में विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, उसी तरह 24 दिसंबर को डिब्रूगढ़ जिला में भी लगभग 963.47 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश ने इस कदम के लिए मुख्यमंत्री को तहे दिल से धन्यवाद दिया है। भाजपा, डिब्रूगढ़ जिला कमेटी ने 24 दिसंबर को डिब्रूगढ़ जिला में होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए विभिन्न तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने डिब्रूगढ़ जिला कार्यालय में सोमवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपरोक्त बातों की घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम को भारत के शीर्ष पांच राज्यों में ले जाने के लिए लगातार सरकार के गठन के दिन से विभिन्न कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

चीन के प्रति भारत का रुख उदासीन नहीं : विदेशमंत्री

नई दिल्ली। चीन के प्रति भारत का रुख *उदासीन* होने के कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के परोक्ष संदर्भ में कहा कि राजनीतिक मतभेद और आलोचनाओं में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन किसी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपने जवानों की निंदा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिकों के लिए *पिटाई* शब्द का इस्तेमाल कर उनका अपमान नहीं किया जाना चाहिए। लोकसभा में *समुद्री जलदस्युता रोधी विधेयक, 2019* पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणियों पर जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि यदि चीन के प्रति भारत का रुख उदासीन होता तो सीमा पर सेना को किसने भेजा, हम चीन पर सैनिकों की वापसी के लिए दबाव क्यों बनाते और हम सार्वजनिक रूप से क्यों कहते कि हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के जवान यांगत्से में 13 हजार फुट की ऊंचाई पर डटे हैं और सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं। जयशंकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान की ओर परोक्ष इशारा करते हुए कहा कि जवानों के लिए पिटाई शब्द का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उनका अपमान नहीं होना चाहिए। जवानों का सम्मान, आदर होना चाहिए और उनकी सराहना होनी चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि राजनीतिक मतभेद और आलोचनाएं हो सकती हैं, उसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन हमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपने जवानों की निंदा नहीं करनी चाहिए। जयशंकर ने जी-20 की अध्यक्षता के संबंध में -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में दो करोड़ की नकदी जब्त

अगरतला। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने त्रिपुरा में ड्रग तस्करी के तीन अलग-अलग मामलों की जांच के लिए छापेमारी की है। इसके बाद एजेंसी ने धन शोधन रोधी कानून (पीएमएलए) के तहत दो करोड़ रुपए की बैंक में जमा राशि जब्त की है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि त्रिपुरा पुलिस ने आरोपी सुजीत सरकार, विजय पाल और परेश चंद्र राय के परिवार के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर और चार्जशीट दाखिल की है। उन पर गांजे के भंडारण, तस्करी और बिक्री में सक्रिय भागीदारी -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में टीचर ने ली बच्चे की जान

बेंगलुरु। कर्नाटक के गडग जिले में एक स्कूल के चौथी क्लास के छात्र की टीचर की पिटाई और उसे पहली मंजिल से नीचे धका देने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, टीचर ने 10 साल के छात्र की पहले बुरी तरह से पिटाई की, फिर उसे स्कूल की पहली मंजिल की बालकनी से धक्का दे दिया। गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बच्चे के परिवार की शिकायत पर आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी टीचर फरार है। गडक जिले के सीनियर एसपी शिवप्रकाश देवराजू ने मीडिया को बताया कि मामला राज्य के उत्तरी हिस्से में हगली गांव के आदर्श प्राथमिक विद्यालय का है। आरोप है कि स्कूल में कॉन्ट्रैक्ट टीचर मुथप्पा ने चौथी क्लास के छात्र भरत की फावड़े से पिटाई की। फिर उसे बालकनी से फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी टीचर ने छात्र भरत की मां की भी पिटाई की थी, जो स्कूल में एक शिक्षिका भी हैं। फिलहाल उनका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस पिटाई का कारण जानने का कोशिश कर रही है। इससे पहले दिल्ली में भी ऐसा मामला सामने आया -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूलों में हिंदी नहीं, अंग्रेजी चलेगी : राहुल

अलवर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी के नेता नहीं चाहते कि स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाई जाए, बल्कि उनके सभी बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में जाएं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा नेता नहीं चाहते कि स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाई जाए। लेकिन उनके सभी नेताओं के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में जाते हैं। दरअसल, वे नहीं चाहते कि गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे अंग्रेजी सीखें, बड़े सपने देखें और अपने जीवन से बाहर निकलें। राजस्थान के अलवर में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने अंग्रेजी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा अगर आप बाकी दुनिया के लोगों से बात करना चाहते हैं, तो हिंदी नहीं चलेगी, अंग्रेजी चलेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में 20 किलो ड्रग्स जब्त दो तस्कर गिरफ्तार

एजल (हि.स.)। मिजोरम में 60 करोड़ रुपए कीमत की 20 किलो ड्रग्स जब्त की गई है। इस संबंध में वाहन के चालक और दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। इन गोलियों को चीनी चाय पत्ती ब्रांडों के लेबल वाले 20 पैकेटों में छिपाया गया था। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि जोखोवाधार से एजल की ओर जा रहे एक वाहन की म्यांमार के सीमावर्ती चाम्पाई जिला के खानकाउन पुलिस चेक गेट पर तलाशी के दौरान कुल 20 -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : भाजपा ने 160 सीटों के लिए बनाई रणनीति

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में भाजपा ने केंद्र की सत्ता के लिए लगातार तीसरी बार जीत सुनिश्चित करने को लेकर नई रणनीति बनाई है। सत्तारूढ़ पार्टी ने खुद के लिए मुश्किल मानी जाने वाली लोकसभा सीटों का दायरा 144 से बढ़ाकर 160 कर दिया है। जेडीयू के एनडीए से अलग होने के बाद भाजपा बिहार में ज्यादातर लोकसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। इस मिशन में जुटे नेताओं ने सोमवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की और भविष्य के रणनीति पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि भाजपा का बिहार और तेलंगाना पर मुख्य जोर है। भाजपा अपने *विस्तारकों* की दो दिवसीय प्रशिक्षण बैठक भी आयोजित करेगी, जो पटना और हैदराबाद में होगी, जिसमें इन सीटों के प्रभारी शामिल होंगे। भाजपा साल 2019 के लोकसभा चुनाव में विभिन्न राज्यों की इन 160 सीटों में से ज्यादातर सीटें हार गई थी। लेकिन इस सूची में कुछ ऐसी लोकसभा सीटें भी शामिल हैं, जिस पर भाजपा ने ही जीत दर्ज की थी। पार्टी का -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद : एमईएस और एनसीपी के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

बेलगावी। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। धारा 144 लागू होने के बावजूद महाराष्ट्र एकीकरण समिति और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा के नजदीक कोगनोली टोल प्लाजा के पास विरोध प्रदर्शन किया। यहां सैकड़ों की भीड़ विरोध करने पहुंची थी। पुलिस का कहना है कि अधिकारी अलर्ट पर हैं। शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के 300 से अधिक कार्यकर्ताओं को सीमा पर रोकते हुए कर्नाटक पुलिस ने वापस भेजा है। कुछ कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र पुलिस ने भी हिरासत में लिया है। राकांपा के हसन मुश्रीफ और शिवसेना के कोल्हापुर जिला अध्यक्ष विजय देवाने को कर्नाटक के बेलगावी में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया गया है। महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यकर्ता पांच दशकों से अधिक समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। समिति के कार्यकर्ताओं ने कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

रूस ने ईरानी सुसाइड ड्रोन से किया कीव पर हमला

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव के लोगों की सोमवार की सुबह धमाकों की आवाज के साथ हुई। रूस ने ईरानी सुसाइड ड्रोन्स से कीव पर हमला किया था। रूस का मकसद कीव के पावर स्टेशनों और इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह तबाह करना था। हालांकि यूक्रेन के एयर डिफेंस ने 35 में से 30 ड्रोन को गिराकर रूसी हमले को असफल कर दिया। यह पिछले सात दिनों में रूस का कीव पर किया गया तीसरा एयर अटैक था। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों के जरिए रूस यूक्रेन को अंधेरे और ठंड में धकेलना चाहता है। हमले की वजह से इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत नुकसान पहुंचा है। हमारे इंजीनियर स्थिति को ठीक करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कीव के मेयर विटाली मलेट्स्की ने कहा है कि हमले में किसी भी नागरिक की जान नहीं गई है और ना ही कोई घायल हुआ है। कीव के आसपास के क्षेत्र के गवर्नर ओलेक्सी कुलेबा ने कहा कि कई रिहाइशी घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं दो लोग घायल हुए हैं। सुसाइड ड्रोन नष्ट हो जाने वाले मानव रहित एयरक्राफ्ट होते हैं। ये साइज में छोटे होते हैं और सस्ते भी पड़ते हैं। ये तेज गति से अपने टार्गेट तक जाते हैं और वहां जाकर फट जाते हैं। इन ड्रोनों के इंजन भिनभिनाहट वाली आवाज करते हैं। यूक्रेन के लोग इन्हें मोपेड कहते हैं। यूक्रेन की सेना एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल और फाइटर जेट के जरिए इन ड्रोनों का मुकाबला करती है। एक पावर ग्रिड के संचालक ने इस स्थिति को कठिन बताया और कहा कि देश के सेंट्रल और पूर्वी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कीव, शहर, खार्कोव, सुमी, पोलटावा और जैपसोरिजिया समेत कई इलाकों में आपातकालीन बिजली कटौती की गई है। हमले के गवाह रहे शख्स ने मीडिया आउटलेट रॉयटर्स को बताया कि उन्होंने एक ऊर्जा केंद्र में आग जलती हुई देखी। एक अस्पताल के गार्ड ने बताया कि पहले मैंने एक धमाका सुना। अगले 3 से 4 मिनट में मैंने दूसरे धमाके की आवाज सुनी। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर 70 से ज्यादा मिसाइलें दागी थीं। ये रूस के सबसे बड़े हमलों मे से एक था। इसके बाद यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर में बिजली गुल हो गई थी। देश भर में इमरजेंसी ब्लैकआउट घोषित कर दिया गया था।

अभातेमम ने कन्या सुरक्षा सर्किल का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में गुवाहाटी तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कन्या सुरक्षा योजना के तहत दिघलीपुखरी के निकट आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया तथा विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा अध्यक्ष अंगुरी लता डेका के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अंगुर लता डेका ने कहा कि कन्या सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत सारे संगठन काम कर रहे हैं। उनमें से तेरापंथ महिला मंडल ने आज कन्या सुरक्षा सर्कल का उद्घाटन कर एक सराहनीय कार्य किया है। मैं राजनीतिक संगठन से हूं फिर भी हमारा लक्ष्य एक है। अगर हम लोग मिलकर काम करें तो और ज्यादा लाभ लोगों को मिल सकेगा। हमें आत्मविश्वास के साथ परिकल्पना की भी जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया ने कहा कि आज की तारीख गुवाहाटी श्रावक समाज के लिए ऐतिहासिक तारीख है। जो हमेशा हमेशा के लिए अपनी स्मृति में दर्ज रहेगी।कन्या सुरक्षा सर्किल को देखकर मैं एक ही बात कह सकती हूं कि आपने स्वयं का नहीं बल्कि सभी का सम्मान करके तेरापंथ महिला मंडल का मान बढ़ाया है।आज तेरापंथ महिला को यह लक्ष्य लेना है कि इस सर्किल की चमक आने वाले दस सालों तक चमकती रहे। इस अवसर पर अभातेमम की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रंजू लुनिया, कार्यसमिति सदस्य सुमन नाहटा, मनीषा बोथरा व असम मेघालय प्रभारी सुचित्रा छाजेड़ उपस्थित थी। सभी स्थानीय संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्यगण ने भी उपस्थित होकर इस उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। इस सर्किल का निर्माण रणजीत - सुशीला देवी मालू ने अपनी मातुश्री स्वर्गीय बसंती देवी मालू की पुण्य स्मृति में करवाया। इस अवसर पर श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अचार्य तुलसी महाश्रमण रिसर्च फाउंडेशन, अनुव्रत समिति, तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी आदि के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्वेता सिंघी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के धर्मशाला पुलिस की छापेमारी में भारी मात्रा में ड्रग्स समेत तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान धुबड़ी के बरविला द्वितीय खंड गांव निवासी अब्दुल मन्नाफ के रूप में हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात धर्मशाला पुलिस ने बरबिला द्वितीय खंड गांव निवासी अब्दुल मन्नाफ नामक एक ड्रग्स तस्कर के घर पर छापा मारा। अभियान के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में संदिग्ध ब्राउन शुगर और प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर बरामद किए। पुलिस ने बाद में संदिग्ध ब्राउन शुगर के कंटेनर और एक मोबाइल फोन को जब्त कर लिया। उधर कछार जिला के गुमरा पुलिस की छापेमारी में दिगारखाल में बर्मा (म्यांमार) से तस्करी के जरिए लायी गई सुपारी को जब्त किया गया है। पुलिस की तरफ से सोमवार को मिली जानकारी के मुताबिक तलाशी अभियान चलाते हुए एक मिनी ट्रक (एएस-11डीसी-2313) से भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी जब्त की गई है। बीती रात पुलिस टीम ने कछार होकर पड़ोसी राज्य मेघालय जाते समय रास्ते में तलाशी के दौरान तस्करी कर लायी गई बर्मीज सुपारी को जब्त किया।

रंगाजान में विधायक विश्वजीत फुकन ने किया एफपीसी कार्यालय का उद्घाटन

गोलाघाट (निसं)। रंगाजान स्थित मोरंगी सामूहिक भवन में शनिवार को विधायक विश्वजीत फुकन ने एफपीसी-नामबर फेड बैंबू उत्पादक कंपनी लिमिटेड के कार्यालय का फीता काट कर उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक ने कंपनी द्वारा निष्पादित की जा रही विभिन्न कृषि विकास के कार्यक्रमों की समीक्षा की। विधायक ने संस्था की लेखपाल पूनम ग्वाला के साथ बातचीत की और उनके द्वारा चलाई जा रही कृषि उपक्रमों का जायजा लिया। इसके अलावा कंपनी की भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा करने के साथ ही कंपनी के अधिकारियों को उनके द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में विधिवत मासिक समीक्षा करने का सुझाव दिया। इसके अलावा उन्होंने नामबर फेड बैंबू प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे स्थानीय किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण और सहायता करें। इस समारोह के दौरान कृषि निदेशक अनंत लाल ज्ञानी ने एफपीसी-नामबर फेड बैंबू प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को एक प्रेरणादायक संदेश दिया। इससे पूर्व विधायक श्री फुकन ने कृषि विभाग के कृष्ण रंजन सैकिया (एसडीएओ गोलाघाट एच क्यू), अनुपम गोगोई डीएआईओ, शांतनु दत्ता (एस आर.एडीओ), संघमित्रा शर्मा (एडीओ मोरोंगी), राजू सैकिया (एएआई मोरोंगी सर्किल), पवन गोगोई (एईए) ,अभिषेक सिंघा एपार्ट परियोजना के रिसर्च टेक्नीशियन (आईआरआरआई) और उद्दीपना शांडिल्य (सीनियर रिसर्च फेलो - डीआरएमआरएपार्ट) से मुलाकत कर मुख्यमंत्री समग्र ग्राम योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई-रफ्तार), एपार्ट परियोजना और कृषि विभाग की विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं के संबंध में चर्चा की। इस उद्घाटन समारोह के दौरान कंपनी लिमिटेड के कार्यालय में किसानों के साथ एक बैठक का भी आयोजन किया गया। उक्त बैठक के दौरान किसानों को कृषि अधिकारी कृष्णा रंजन सैकिया ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-कृषि और संबद्ध क्षेत्र कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण (आरकेवीवाई-रफ्तार) योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आरकेवीवाई-रफ्तार का उद्देश्य खेती को आर्थिक विकास की मुख्य स्रोत के रूप में विकसित करना है। साथ ही उन्होंने बताया कि आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के माध्यम से किसानों की उत्पादन क्षमता को बढ़ा कर मूल्य श्रृंखला से जुड़े उत्पादन मॉडल को बढ़ावा देकर अपनी आय बढ़ाने में सहायता मिलती है। जिला कृषि सूचना अधिकारी अनुपम गोगोई ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के बारे में विस्तार से चर्चा की और किसानों से इस योजना का पूरा लाभ लेने की अपील की। कृषि विभाग द्वारा आधुनिक तकनीक अपनाने और कृषि के विविधीकरण आदि पर बल देने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में भी किसानों को अवगत कराया गया। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह जिला नोडल अधिकारी शांतनु दत्ता ने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में चिह्नित करने के लिए भारत द्वारा प्रायोजित संकल्प को अपनाने की जानकारी दी। वर्ष 2023 को बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किए जाने के साथ ही केंद्र ने इसे एक जन आंदोलन बनाने का फैसला किया है ताकि भारतीय बाजरा व्यंजनों और मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व स्तर पर स्वीकार किया जा सके। इस दौरान सान्तनु दत्त ने बाजरा के महत्व और बाजरा आधारित मूल्य उत्पादों को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वहीं धान खरीदी केंद्र के विषय पर मोरंगी अंचल के कृषि विकास अधिकारी संघमित्रा शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि असम सरकार ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत पिछले साल की तरह इस साल भी किसानों द्वारा उत्पादित धान को उचित मूल्य पर खरीदने के लिए विशेष उपाय किए हैं। किसानों को उनकी धान को धान खरीदी केंद्रों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बेचने का आहवान किया। साथ ही उन्होंने किसानों को उनकी धान बेचने में किसी भी कठिनाई होने पर सहायक कृषि निरीक्षक राजू सैकिया, कृषि विस्तार सहायक पबन गोगोई या जिला कृषि कार्यालय से संपर्क करने का सुझाव दिया। इस दौरान भाजपा गोलाघाट जिला उपाध्यक्ष हरप्रभा थेंगाल एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रभात शर्मा ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उद्घाटन समारोह के शुभारंभ में बोर्ड के सदस्य, सीईओ तथा एफपीसी-नामबर फेड बैंबू प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की लेखाकार पूनम ग्वाला ने सभी आमंत्रित अतिथियों को फूलाम गमछे से अभिवादन किया और स्वागत भाषण दिया। परियोजना समन्वयक ने एफपीसी- नंबोर फेड बैंबू प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के मिशन और विजन के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सौ से भी अधिक किसानों ने हिस्सा लिया।

सरगम बनीं मिसेज वर्ल्ड 2022 विजेता

नई दिल्ली। सरगम कौशल ने मिसेज वर्ल्ड 2022 का खिताब जीता है, जो 63 देशों की प्रतियोगियों के बीच विजेता बनी हैं। यह खिताब 21 साल बाद भारत लौटा है। अमेरिका की मिसेज वर्ल्ड 2021 शायलिन फोर्ड ने शनिवार शाम वेस्टगेट लास वेगास रिजॉर्ट एंड कसीनो में आयोजित एक कार्यक्रम में मुंबई की कौशल को ताज पहनाया। मिसेज पोलिनेशिया को फर्स्ट रनर-अप (प्रथम उपविजेता) और उसके बाद मिसेज कनाडा को सेकेंड रनर-अप (दूसरी उपविजेता) घोषित किया गया। मिसेज इंडिया पेजेंट ने रविवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर विजेता की घोषणा की। पोस्ट में कहा गया कि लंबा इंतजार खत्म हो गया है, 21 साल बाद हमारे पास खिताब वापस आ गया है। कार्यक्रम के बाद एक वीडियो में जम्मू-कश्मीर की रहने वालीं मिसेज वर्ल्ड ने कहा कि हमें 21-22 साल बाद ताज वापस मिला है। मैं बहुत उत्साहित हूं। लव यू इंडिया, लव यू वर्ल्ड। साल 2001 में मिसेज वर्ल्ड का खिताब जीतने वालीं अदाकारा-मॉडल अदिति गोवित्रिकर ने भी मिसेज वर्ल्ड प्रतियोगिता के असत्यापित पेज पर एक बधाई संदेश शेयर किया।

No.DMA.698/2023/8

Short Tender Notice

Sealed tenders affixing non refundable court stamp of Rs 8.25 is invited from experienced registered firms for the arrangements of the Seminar, Training and work shop "Care of Museum objects" by the office of the undersigned within 1400 hours, 29th December 2022. Details may be seen in the website www.museums.assam.gov.in.

Sd/-
Director of Museums,Assam
Guwahati-1

-- Janasanyog/C/16323/22

पृष्ठ एक का शेष

सड़क सुरक्षा उपायों ...

द्वारा दौरा करने और सुधारात्मक कार्रवाई के लिए कदम उठाए गये हैं। पिकनिक स्पॉट पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। आबकारी विभाग पिकनिक स्पॉट पर अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाएगा। इसका उद्देश्य *दुर्घटना मुक्त नए साल* के लिए अगले वर्ष इस अवधि के दौरान दुर्घटनाओं को न्यूनतम 20 प्रतिशत तक कम करना है। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को अरुणोदय 2.0 के तहत लाभार्थियों के चयन के लिए 10 अप्रैल की समय सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया। अमृत सरोवर के मामले में उन्होंने उपायुक्तों को 2,985 अमृत सरोवरों की खुदाई के समय सीमा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तेजी से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। धान खरीद के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बनाने के लिए अब तक कुल 209 केंद्रों को हस्तांतरित किया जा चुका है और 9,536 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। अभियान को तेज करने के लिए मुख्यमंत्री ने विभागीय मामलों को किसानों को संगठित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में अन्य विभागों के मंत्री भी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर में छह हजार...

संगठनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। अनुराग ने कहा कि बचाव अभियान तभी संभव था जब मोदी सरकार ने प्रत्येक नागरिक के जीवन को महत्वपूर्ण माना। ऑपरेशन गंगा के तहत रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान 22500 से अधिक को बचाया गया था। 2021 के ऑपरेशन- देवी शक्ति में लगभग 670 भारतीय नागरिकों को अफगानिस्तान से सुरक्षित बचाया गया था। उन्होंने कहा कि वुहान निकासी में 654, जिनमें से 647 भारतीय थे। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर, पीएम मोदी ने हमेशा राष्ट्रों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया है और कहा जब भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एक साथ ला रहा है, हमारे कुछ पड़ोसी देश आतंकवाद का समर्थन कर रहे हैं और इसके पक्ष में जोर-शोर से बोल रहे हैं। यह सच है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चेहरा सामने आ चुका है। उनका बयान अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हाल ही में हुए आमने-सामने के मद्देनजर आया है।

भारत-पाक युद्ध के...

वाले थे। बेटे सवाई सिंह ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक की वजह से वे सांस नहीं ले पा रहे थे। इसके बाद उनके शरीर में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा था। उन्हें एम्स के आईसीयू में एडमिट किया गया था। सोमवार दोपहर इलाज के दौरान उनका देहांत हो गया। भैरो सिंह के निधन की सूचना मिलने पर बीएसएफ डीआईजी संजय यादव भी एम्स पहुंचे। यहां से पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए मंडोर स्थित बीएसएफ के हेड क्वार्टर ले जाया गया है। यहां से मंगलवार सुबह पार्थिव देह गांव लाई जाएगी, जहां अंतिम संस्कार होगा। भारत-पाक युद्ध के 16 दिसंबर को 51 साल पूरे हुए थे। इस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने परिवार से बातचीत कर भैरो सिंह के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। 1971 के भारत-पाक युद्ध में दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाले भैरो सिंह को 1972 में सेना पदक मिला था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले साल दिसंबर में जैसलमेर में भैरो सिंह से मुलाकात की थी। उस समय वो बीएसएफ के स्थापना दिवस समारोह के लिए सीमावर्ती शहर गए थे। भैरो सिंह 1987 में बीएसएफ से रिटायर्ड हुए थे। भैरो सिंह को थार रेगिस्तान में लोंगेवाला चौकी पर तैनात किया गया था, जो बीएसएफ की एक छोटी टुकड़ी की कमान संभाल रहे थे। इसके साथ सेना की 23 पंजाब रेजिमेंट की एक कंपनी थी। इन टुकड़ियों ने 5 दिसंबर, 1971 को इसी जगह पाकिस्तानी ब्रिगेड और टैंक रेजिमेंट को ध्वस्त कर दिया था। बीएसएफ के रिकॉर्ड के अनुसार, 1971 के युद्ध में पंजाब रेजिमेंट के 23 जवानों में से एक मारा गया।

इलाहाबाद विवि में ...

सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तभी दोनों पक्षों में विवाद पनप गया। छात्रों में शामिल अभिषेक और हरेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि गार्डों ने गोलियां चलाई। इसके बाद सभी छात्र भड़क गए और जमकर हंगामा हुआ। सभी छात्रावासों से छात्र विश्वविद्यालय परिसर में उमड़ पड़े और पत्थरबाजी भी की। उधर, सूचना मिलने पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को संभालने में जुट गया। मामले को लेकर हुए तनाव की गंभीरता को देखते मौके पर पुलिस कमिश्नर रमेश शर्मा और अन्य अधिकारी पहुंच गए। विवि परिसर में फैला तनाव इतना बढ़ गया कि मौके पर डीएम भी पहुंचे। वहीं आकाश कुलहरि भी छात्रों को समझाने में जुटे रहे। पत्थरबाजी के दौरान छात्र नेता विवेकानंद के सिर में गंभीर चोट आई है, लेकिन वह छात्रों को समझाने में जुटे रहे उन्होंने छात्रों ने पत्थरबाजी के बजाय शांति मार्च निकालने की बात कही। छात्रों में पनपा रोष नियंत्रण के बाहर हो चुका था। रोष जता रहे छात्रों ने चीफ प्रॉक्टर के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान प्रॉक्टर कार्यालय पर हमला करने के प्रयास में छात्रों ने गमले और कुर्सियां तोड़ दी और पत्थर भी चलाए। इस दौरान दो बाइकों में आग लगा दी। छात्रों ने दर्जनों कारों के शीशे भी तोड़ दिए। हालांकि सभी छात्र बाद में छात्र संघ भवन की तरफ लौटे लेकिन इस दौरान भी उन्होंने पत्थरबाजी जारी रखी। देर शाम पांच बजे तक स्थिति सामान्य होने पर घायल छात्र नेता विवेकानंद डीएम और पुलिस अधिकारियों से मिले। उन्होंने पूरी घटना के बारे में उन्हें अवगत कराया। इस दौरान विवेकानंद ने कहा कि मामले में जब तक मुकदमा और गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक वह मरहम पट्टी नहीं कराएंगे और ना विश्वविद्यालय से जाएंगे।

मुख्यमंत्री 24 को ...

ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के समग्र विकास और राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास और राज्य के विभिन्न पहलुओं में नई पीढ़ी के लिए अवसर पैदा करने के लिए यह विकास कार्यक्रम शुरू किया है। भारत के अन्य राज्यों में इस तरह के कदम कम ही देखा जाता है। विशेष रूप से पिछले 15 दिनों में, वह उन आठ जिलों के माध्यम से देश भर में एक उदाहरण स्थापित करने में सक्षम रहे हैं, जिनमें मुख्यमंत्री ने विकास कार्यक्रम किए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, असम के सर्वांगीण विकास की गति तेज हो गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में *विकास के लिए एक पखवाड़ा* कार्यक्रम असम में विकास की एक अभूतपूर्व प्रवृत्ति को दर्शाता है। डिब्रूगढ़ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के इस तरह के कदम को देश में दुर्लभ बताया और उनको धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रवक्ता ने कहा कि जिस तरह से डॉ. शर्मा *विकास का एक पखवाड़ा* कार्यक्रम के आधार पर राज्य को विकास की ओर ले जा रहे हैं, वैसा भारत के इतिहास में नहीं देखा गया है। मुख्यमंत्री ने पिछले कुछ दिनों में कुल 8026.1048 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी है।

चीन के प्रति भारत ...

चौधरी के एक बयान पर जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक के दायरे से बाहर का विषय है, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि इस समय दुनिया भारतीय नेतृत्व की ओर निहार रही है। दुनिया भारत के नेतृत्व को महत्व देती है। कोई चीज बारी-बारी से मिल रही है, इसका अर्थ यह नहीं है कि उसका कोई महत्व नहीं है। इससे पहले चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा था कि जी-20 की भारत की अध्यक्षता का महिमामंडन किया जा रहा है और इसे लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है, जबकि इसके सदस्यों को बारी-बारी से अध्यक्षता मिलती है। जयशंकर ने यह भी कहा कि मैं सदन को सूचित करना चाहता हूं कि मैं न्यूयॉर्क में संयुक्त सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के लिए गया था। यह भारत के लिए गर्व की बात है। संरा सुरक्षा परिषद में सुधार और आतंकवाद निरोधक कार्रवाई दोनों ही महत्वपूर्ण विषय हैं।

त्रिपुरा में दो ...

का आरोप है, जो कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। इसी एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर ईडी ने राजधानी अगरतला और सिपाहीजला में छापेमारी की। एजेंसी ने कहा कि तीनों अलग-अलग ड्रग्स के मामलों में आरोपी हैं। ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि उनके बैंक खातों और उनके परिवार के बैंक खातों में भी बड़ी मात्रा में नकदी जमा की गई थी। तलाशी के दौरान बैंक खाते में उपलब्ध बैलेंस, सावधि जमा, बीमा पॉलिसियों और अचल संपत्तियों के दस्तावेजों के रूप में 2 करोड़ रुपए की राशि जब्त की गई है।

कर्नाटक में टीचर ...

था। दिल्ली नगर निगम के एक स्कूल में एक टीचर ने पांचवीं कक्षा की छात्रा पर कथित तौर पर कैंची से हमला किया और फिर उसे स्कूल भवन की पहली मंजिल से नीचे फेंका दिया, जिसके चलते उसके चेहरे की हड्डी टूट गई। पुलिस के अनुसार,टीचर ने छात्रों के साथ खुद को एक कक्षा के अंदर बंद कर लिया और छात्रा को पकड़ लेने तक *हिंसक* तरीके से उस पर पानी की बोतलें फेंकीं। इसके बाद उसने छात्रा के बाल काटे और उसे बालकनी से फेंक दिया। आरोपी शिक्षिका को शनिवार को 20 दिसंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्कूलों में हिंदी नहीं ...

हम गरीब किसानों के बच्चे चाहते हैं और मजदूरों को जाने और अमेरिकियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनकी भाषा का उपयोग करके उन्हें जीतने के लिए। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायक सहित सभी भाजपा नेताओं के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में जाते हैं। वो नहीं चाहते कि आप बड़ा सपना देखें। हालांकि, अपनी टिप्पणी को सही ठहराते हुए वायनाड के सांसद ने कहा मैं यह नहीं कह रहा हूं कि किसी को हिंदी या तमिल जैसी अन्य भाषाओं का अध्ययन नहीं करना चाहिए। लेकिन अगर आप दुनिया से जुड़ना चाहते हैं, तो आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिए। आगे अपने भाषण में राहुल गांधी ने यह भी कहा कि राजस्थान में करीब 1700 अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोले गए हैं।

मिजोरम में 20 ...

किग्रा क्रिस्टल मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की गईं हैं। इसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत 60 करोड़ रुपए आंकी गई है। इन गोलियों को चीनी चाय पत्ती ब्रांडों के लेबल वाले 20 पैकेटों में छिपाया गया था। वाहन के चालक संघलेइथांगा को प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। संघलेइथांगा के कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने लालथलामुना और वानलांलगुरा नामक दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

लोस चुनाव : भाजपा ...

मानना है कि ये सीटें स्थानीय सामाजिक और राजनीतिक कारकों के कारण चुनौती बनी हुई हैं। इन सीटों में रोहतक (हरियाणा) और बागपत (उत्तर प्रदेश) जैसी सीटें भी शामिल हैं, जहां से वर्तमान में भाजपा के सांसद हैं। सूत्रों ने कहा कि बिहार के नेताओं और प्रभारियों की बैठक 21 और 22 दिसंबर को पटना में हो सकती है, जबकि हैदराबाद में 28 और 29 दिसंबर को बैठक होने की संभावना है। जेपी नड्डा के वीडियो-कांफ्रेंस के जरिए बैठक को संबोधित करने की उम्मीद है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में, भाजपा और नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने बिहार में 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने सभी 17 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि जेडीयू ने 16 सीटें जीती थी। वहीं, छह सीटों पर एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी ने जीत हासिल की थी। सूत्रों ने बताया कि पटना में होने वाली भाजपा की बैठक में 90 सीटों पर मंथन किया जाएगा, जबकि हैदराबाद की बैठक के एजेंडे में शेष 70 सीटें शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि बैठक में भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और सुनील बंसल सहित प्रमुख संगठनात्मक नेता, इन मिशनों की निगरानी करने वाले पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे। महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि भाजपा इन 160 सीटों पर अपने संगठन का विस्तार करने और मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने पर काम कर रही है। इस प्रशिक्षण बैठक में बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्रियों का भी मसौदा तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के शीर्ष अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा अभ्यास करते हैं। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भी चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली सीटों की सूची तैयार की थी और इनमें से बड़ी संख्या में जीत हासिल की थी। पार्टी को 2019 में कुल 543 लोकसभा सीटों में से 303 पर जीत मिली थी, जबकि 2014 में 282 सीटें जीती थी।

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा ...

योजना बनाई है जिसे देखते हुए कर्नाटक पुलिस ने महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) को महामेला आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। शीतकालीन सत्र के पहले दिन एमईएस हर बार महामेले का आयोजन करती है। इस बार अधिकारियों ने कार्यक्रम के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भारत को *विभाजित* करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के कारण सीमा का मुद्दा हो रहा है। पीएम मोदी महाराष्ट्र को विभाजित करना चाहते हैं। दोनों मुख्यमंत्रियों और गृह मंत्री अमित शाह के बीच बैठक के बावजूद नेताओं को वहां जाने की अनुमति क्यों नहीं है? इससे पता चलता है कि केंद्र सरकार इसके पीछे है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले हफ्ते दोनों नेताओं के साथ बैठक के बाद कहा था कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री दशकों पुराने राज्य सीमा विवाद में अपने दावों को तब तक खत्म करने के लिए सहमत नहीं हुए जब तक कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर फैसला नहीं करता। बता दें कि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सीएम एकनाथ शिंदे ने संमवार को कहा कि ये मुद्दा *महाराष्ट्र के गौरव* का है और राज्य ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने खुद इस मुद्दे के बारे में मीडिया को सूचित किया। महाराष्ट्र एकीकरण समिति आज विरोध कर रही है, इस मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। कई अन्य मुद्दे हैं जिन पर हम राजनीति कर सकते हैं। शिंदे ने कहा कि उनके पास पुलिस से जानकारी है कि कर्नाटक में शामिल होने वाले कौन हैं, और उनके पीछे कौन हैं।

पीएम से गूगल ...

इंटरनेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत की जी-20 अध्यक्षता का समर्थन करने के लिए हम तत्पर हैं। इससे पहले गूगल के सीईओ ने गूगल फॉर इंडिया इवेंट में बात की और कहा कि भारत एक खुले और कनेक्टेड इंटरनेट इकोसिस्टम से लाभान्वित होगा और यह संतुलन सही होना भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसमें (भारत) के पैमाने और प्रौद्योगिकी नेतृत्व को देखते हुए, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आप संतुलन बना रहे हैं, लोगों के लिए सुरक्षा उपाय कर रहे हैं। आप एक अभिनव ढांचा तैयार कर रहे हैं, ताकि कंपनियां कानूनी रूप से निश्चितता के शीर्ष पर नवाचार कर सकें। ढांचा। मुझे लगता है कि यह समय का एक महत्वपूर्ण क्षण है।

कृषि मंत्री आज ...

इसके लिए कर्नाटक से एक विशेष शेफ को बुलाया गया है। रागी और ज्वार और बाजरा खाने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संसद सदस्यों को इनसे बना भोजन परोसा जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत की ओर से पेश इससे जुड़े प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया था। इस प्रस्ताव का 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था। इसका उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ और इसकी खेती के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। मोटे अनाज या कदन्न में ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कुटकी, कोदो और सावां आदि शामिल हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल | **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

सुत कलत्र वर कामिनी, महल बने कमनीय।
मोहित जीव अज्ञान में, जरत दुसह दुख हीय॥ 13॥

शब्दार्थ : (सुत) पुत्र (कलत्र) पत्नी (कामिनी) कामासक्ता युवती (हीय) हृदय।

भाष्य : स्त्री, पुत्र, सुंदर कामिनी एवं शोभनीय महल बना है, जिसमें अज्ञान से जीव मोहित हो कर हृदय में असह्य दु:ख को सह रहा है।

जग सम्बन्ध पथ नाव का, मेघ वायु संयोग।
जहँ के तह सब चल भये, अन्त में होय वियोग॥ 14॥

शब्दार्थ : (मेघ) बादल (वायु) हवा (संयोग) संबंध (वियोग) विच्छेद।

भाष्य : संसार का संबंध नाव-पथिक के समान है। जिस प्रकार नाव पर बैठे हुए यात्री घाट पर नाव लगने पर अपने-अपने स्थान को उतर कर चले जाते हैं, उस नहीं और नाव से यात्रियों का कोई संबंध नहीं रहता, जैसे- मेघ, वायु के संबंध से कहां-से-कहां जाकर छिन्न-भिन्न हो जातें, उसी प्रकार ये कर्मवश फल पाकर जहां-के-तहां सब चले जाते हैं। अंत में सब जीवों का संबंध-विच्छेद हो जाता है।

नगांव में 980 बीघा सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर

मकानों व इमारतों को गिराया

नगांव (विभास)। हिमंत सरकार राज्य के एक बड़े हिस्से में अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रही है। नागांव जिले में स्थानीय प्रशासन ने सोमवार की सुबह करीब 1000 बीघा सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर कब्जा मुक्त करा रही है। लोगों के विरोध को देखते हुए बटद्रबा में 800 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इलाके में सरकारी जमीनों पर अवैध मकान बनाकर बड़े पैमाने पर कब्जा जमा लिया गया है। इन अवैध कब्जों को हटाने के लिए यह अभियान चलाया गया है। इसके लिए 15वीं सदी के वैष्णव संत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रबा के हिडुबी इलाके में सीआरपीएफ और असम पुलिस के करीब हजार जवानों को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि नागांव जिला प्रशासन द्वारा भुमुरगुरी ग्राजिंग रिजर्व, जमाई बस्ती, रामपुर, कदमोनी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया गया है। अभी भी करीब 400 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया जाना है। अधिकारियों के अनुसार, बेदखली अभियान से पहले अवैध अतिक्रमणों की पहचान करने के लिए क्षेत्र में एक सर्वेक्षण किया गया था। इस साल अक्टूबर में लगभग 1,000 परिवारों को नोटिस भेजकर अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। नागांव जिले की पुलिस अधीक्षक लीना डोले (स्द्धद्धठ्ठु ष्ठश्चद्ग4) ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से अतिक्रमण करने वालों को पहले ही नोटिस जारी किया गया था, क्योंकि ये सरकारी जमीन पर बने प्लॉट हैं। 13 दिसंबर से यहां सुरक्षाकर्मी डेरा डाले हुए हैं और फ्लैग मार्च कर रहे हैं। नोटिस के बाद कई अतिक्रमणकारी पहले ही इस इलाके को छोड़ चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि हमारी रिपोर्ट के अनुसार सरकारी जमीन पर 302 अवैध मकान बनाए गए थे, जिनमें अब 72 बचे हैं। हमें इस अभियान में स्थानीय लोगों का पूरा सहयोग मिला है। अब बेदखली का अभियान शांतिपूर्वक चल रहा है। उम्मीद है कि हम 1000 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कर पाएंगे। हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के कारण अवैध मकान बनाने वाले सैकड़ों परिवार ये जगह छोड़कर चले गए हैं। उनमें से कई लोग अपने घरों को खुद ही तोड़कर यहां से चले गए। इस साल सितंबर में मुख्यमंत्री सरमा ने असम विधानसभा को बताया था कि राज्य भर में कुल 4,449 परिवारों को बेदखल किया गया है, क्योंकि उन्होंने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था।

तीन वाहनों में भिड़ंत, 31 घायल

बरपेटा (हि.स.)। बरगांग इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में 31 व्यक्ति घायल हो गये। हादसा तीन वाहनों में भिड़ंत के चलते घटी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि सड़क दुर्घटना बीती रात एक बस, ट्रक और बोलेरो पिकअप की आमने-सामने की टक्कर के चलते हुई। हादसे में 31 व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बिहपुरिया से बरपेटा सत्र की ओर तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस ने रात एक बजे अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक को टक्कर मारने के बाद बोलेरो पिकअप से टकरा गई। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोटें नहीं आई हैं। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

रामकृष्णनगर में पांच करोड़ की हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हि.स.)। असम के करीमगंज जिले के रामकृष्णनगर इलाके की पुलिस को नशा विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक बोलेरो पिकअप (एएस-10एसी-6374) से 55 साबुनदानी के डिब्बों से 739 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि बरामद हेरोइन की बाजार कीमत कम से कम पांच करोड़ रुपए के आसपास होगी। करीमगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पार्थप्रतिम और रामकृष्णनगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) निलोवज्योति नाथ ने रामकृष्णनगर के कदमतला इलाके में अभियान चलाया। इसी क्रम में करीमगंज के खगाइल गांव के अब्दुल हसीद (35), जुबेर अहमद (38) और जमीर उद्दीन (45) को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली बोलेरो पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन के हैंडसेट को भी जब्त कर लिए हैं। पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ 1,90,000 रुपए नकद बरामद किये हैं। नाथ ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों से पूछताछ की जा रही है। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

नई पैसेंजर ट्रेन के ठहराव की मांग को लेकर प्रदर्शन

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के चापर में विभिन्न पार्टी, संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा चापर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की मांग करते हुए सोमवार को प्रदर्शन किया गया। चापर में चापर रेलवे स्टेशन पर नई यात्री ट्रेनों की अनुपलब्धता को लेकर स्थानीय लोगों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। न्यू मोइनागुड़ी से जोगीघोपा के लिए पैसेंजर ट्रेन का परिचालन शुरू होने वाला है। हालांकि, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा जारी एक हालिया सूची में चापर रेलवे स्टेशन के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, जिसको लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उक्त सूची में चापर के विभिन्न पार्टी, दल-संगठनों और स्थानीय लोग यह मांग कर रहे हैं कि रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों को रोका जाए, अन्यथा चापर रेलवे स्टेशन बनाने का कोई अर्थ नहीं होगा। हालांकि, रेलवे प्रशासन इसको लेकर क्या कदम उठाता है, इसका पता नहीं चल पाया है। जनता की मांग है कि नई शुरू की गई पैसेंजर ट्रेन को चापर रेलवे स्टेशन पर रोका जाना चाहिए।

जंगली हाथी के हमले में महिला की मौत

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के पानबारी मॉडल गांव में जंगली हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान रीना दास (45) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार महिला सोमवार को खेत से गाय लाने जा रही थी, उसी दौरान महिला पर जंगली हाथियों ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को बोकाखात के शहीद कमला मिरी सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां पर महिला ने दम तोड़ दिया।

मंत्री सिंघल ने डंपिंग ग्राउंड समेत फुटपाथ नालियों के निर्माण का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने मेयर मृगेन शरणिया और गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) आयुक्त मेघनिधि दहल के साथ सोमवार को गुवाहाटी शहर के बोरागांव और काहिलीपाड़ा में जीएमसी के मौजूदा और प्रस्तावित कचरा प्रबंधन मैदान (डंपिंग ग्राउंड) का दौरा किया। क्षेत्र में कई स्थानों के फुटपाथों का दौरा करते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को नालियों के निर्माण में तेजी लाने, काम की गुणवत्ता बनाए रखने और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जल्द से जल्द खुले मेनहोल को बंद करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। इससे पहले, मंत्री सिंघल ने जनता भवन में अपने कार्यालय के बैठक कक्ष में जीएमसी के नवनियुक्त अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ एक परिचयात्मक बैठक में भाग लिया। बैठक में निगम के नवनियुक्त असम सिविल सेवा अधिकारियों के साथ-साथ लोक निर्माण, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी, पंचायत और ग्रामीण विकास जैसे विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लाए गए सहायक इंजीनियरों ने भी भाग लिया। इसके अलावा बैठक में राज्य सरकार द्वारा जीएमसी की बाढ़ निकासी गतिविधियों की निगरानी के लिए हाल ही में अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों में परिवहन विभाग के आयुक्त आदिल खान, उद्योग और वाणिज्य आयुक्त ऐनम चरण सिंह, कर्मचारी सचिव घनश्याम दास, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के आयुक्त विक्रम कैरी भी शामिल थे। बैठक के दौरान मंत्री ने नवनियुक्त अधिकारियों को काम की निरंतर निगरानी के लिए हर दिन अपने जिम्मेदार क्षेत्रों का दौरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी शहर को बाढ़ मुक्त बनाना एक बड़ी चुनौती है और अब से नालों की नियमित सफाई के बिना इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। उन्होंने भरलू, वाहिनी सहित शहर के प्रमुख नालों से कचरा, गाद आदि के नियमित उठान और कचरों के उचित निपटान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को नालों से उठाए गए कचरों का सही वजन करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति विकसित करने के भी निर्देश दिए। आज की बैठक में मंत्री सिंघल ने नवनियुक्त अधिकारियों को कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को साझा करने और नियमित आधार पर कार्य की प्रगति के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया।

होजाई में भारी मात्रा में गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

होजाई (निसं)। होजाई पुलिस ने आज पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दोपहर 3 बजे डिब्रूगढ़ से राजेंद्र नगर को जाने वाली राजेंद्रनगर एक्सप्रेस (13281) ट्रेन में अभियान चलाकर दो व्यक्तियों क्रमशः कपिल शाह व विक्की दास से 23 पैकेट गांजा जिसका वजन 59.236 केजी है जब्त किया। उक्त गांजे की अनुमानिक बाजार मूल्य 6 लाख बताई जा रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। उक्त जानकारी होजाई पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी तपन मेधी ने संवाददाताओं को दी।

बरौलिया नदी को साफ और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। रंगिया पौरसभा और स्थानीय स्वेच्छासेवी संस्था साधना के सौजन्य से तथा विभिन्न सामाजिक संगठन सहित बहुत से संस्थान और प्रतिष्ठानों के संयुक्त सहयोग से रंगिया नगर के बीच से प्रवाहित बरौलिया नदी को साफ और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से आज स्वच्छ बरौलिया अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर नदी के तट पर बने रंगिया बाजार छठ पूजा घाट प्रांगण में एक जागरूकता बैठक के आयोजन के साथ नगर के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। स्वेच्छासेवी संगठन साधना के सचिव योगाचार्य ज्योतिष कलिता के नेतृत्व में सोमवार को सुबह 9 बजे से प्रारम्भ इस कार्यक्रम में रंगिया पौरसभा के कार्यवाहक अधिकारी चंपक डेका, विभिन्न वार्डों के पार्षद स्वेच्छासेवी संगठन साधना, अखिल असम लेखिका समारोह समिति, मारवाड़ी महिला मंडल, रेड क्रॉस सोसाइटी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राइजमेल कृषक शहीद स्मृति रक्षा समिति, रंगिया महाविद्यालय, मानबेंद्र शर्मा बालिका महाविद्यालय, पदुम कुंवरी कॉलेजिएट हाई स्कूल, आरिमतो विद्यापीठ उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, कुमार भाष्कर वर्मा संस्कृत और पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय-नलबाड़ी, स्वस्ति अस्पताल, साधना योग महाविद्यालय, विभिन्न स्थानीय विद्यालय-महाविद्यालय, संगठन एवं स्थानीय व्यवसाय प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों और बहुत से गणमान्य व्यक्तियों ने सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान सभी बरौलिया नदी के आस पास स्थित विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और मकानों के मालिकों से मिले तथा उन्हें याचिका पत्र वितरित कर किसी भी तरह का कूड़ा एवं अन्य कोई भी बस्तुएं नदी में न फैंकने का अनुरोध किया तथा लोगों से नदी को स्वच्छ व कूड़ा मुक्त रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

दरंग (हि.स.)। दरंग जिलांतर्गत दलगांव के लालपुल में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर बाइक और अल्ट्रा बस की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। बाइक (एएस-13एन-9016) और अल्ट्रा बस (एएस-25एफसी-0778) की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान हबीबुर्रहमान के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सड़क दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कोलियाबोर में पुबथरिया-मथतारी मार्ग पर हुई एक दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोमवार को एक तेज रफ्तार मारुति वैन ने महिला को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की पहचान निकुंजलता महंत के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे में महिला काफी देर तक वाहन के नीचे फंसी रही। महिला को स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। हादसे के बाद मारुति वैन का चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल महिला को कोलियाबोर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

रोटरी क्लब का दंत चिकित्सा संपन्न

गुवाहाटी। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट द्वारा आज राष्ट्रभाषा प्रभाकर एम ई हिंदी विद्यालय, भंगागढ़ राजगढ़ रोड स्थित सरकारी विद्यालय में किया गया। ज्ञातव्य हो रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट समय समय पर इस तरह का डेंटल और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करता रहता है इस हिंदी विद्यालय में कक्षा प्रथम से लेकर आठवीं तक की पढ़ाई होती है। पढ़ने बाले अधिकांश बच्चे आर्थिक रूप से पिछड़ा और साधारण परिवार से आतें हैं। इन बच्चों का डेंटल चेक अप आंखों सहित स्वास्थ्य परीक्षण का दायुत्व रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट ने लिया है। इसी क्रम में आज कक्षा पांच छह और सात के 123 बच्चों का दांत का परीक्षण किया गया। परिक्षण के उपरांत जीन बच्चों के दांत में विशेष समस्या है उनको क्लीनिकल उपचार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष प्रेम कांत चौधरी डॉ. आशीष कुमार शर्मा सहयोगी डॉ. संचिता कलिता, असिस्टेंट रंजिता के साथ रोटेरियन कृष्णेंदू रॉय, संजय कुमार अग्रवाल सुराजित देब और रोटरी मित्र मनोज जैन उपस्थित थे।

भैरबी-साईरंग रेल परियोजना तेजी से पूरा होने की दिशा में

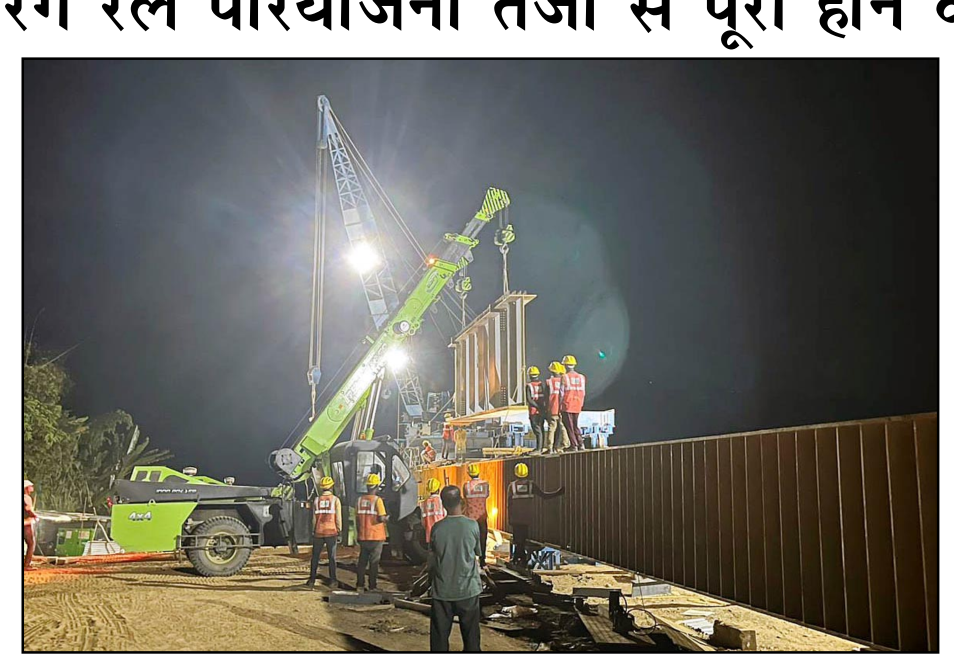

गुवाहाटी (विभास)। भारत सरकार के सभी विकासात्मक एजेंडे में पूर्वोत्तर क्षेत्र का एक विशेष स्थान है। भारतीय रेल परिवहन के बेहतर साधनों के माध्यम से इस क्षेत्र के परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए बइरबी-साईरंग नई रेल लाइन परियोजना एक ऐसी परियोजना है, जिसके जल्द ही पूर्ण होने की संभावना है। एक बार पूर्ण होने के बाद यह परियोजना देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेष रूप से मिजोरम में संचार और वाणिज्य के मामले में एक नए युग की शुरुआत की पहचान बनेगी। बइरबी-साईरंग परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में अतिरिक्त 51.38 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बनाना है। बइरबी-साईरंग नई रेल लाइन परियोजना में 55 बड़े पुल शामिल हैं, जिसके लिए 42000 एमटी इस्पात तैयार करने, परिवहन और ढ़ांचा तैयार करने के लिए आवश्यक है। पिछले 14 महीनों में रिकॉर्ड 35000 एमटी इस्पात तैयार किये गये और लगभग 30000 एमटी को विभिन्न कार्य स्थलों पर पहुंचाया गया। विभिन्न पुल स्थलों से होकर पुल स्थलों तक गर्डरों का परिवहन काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य है, जो संकीर्ण पहाड़ी सड़कों के तीव्र मोड़ों पर सहायता के लिए ट्रेलरों और भारी मशीनों की चौबीसों घंटे तैनाती के साथ किया जा रहा है। स्टील गर्डरों का ढ़ांचा तैयार करना परियोजना की महत्वपूर्ण गतिविधि है। ठंडी रातों और दूरदराज के क्षेत्रों के बावजूद, प्रगति में तेजी लाने के लिए दिन-रात कार्य किया जा रहा है। हालांकि इस परियोजना के निष्पादन में कई चुनौतियां जैसे बहुत भारी और लंबे समय तक चलने वाले मानसून के कारण बहुत कम कामकाजी मौसम, घने जंगलों से होकर पहाड़ी क्षेत्र और बहुत कठिन, खराब पहुंच, मिजोरम आदि में निर्माण सामग्री और कुशल श्रम की अनुपलब्धता आदि के बावजूद पूर्वोत्तर सीमा रेल इस रेल परियोजना को जल्द से जल्द चालू करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभी परियोजना स्थलों पर नाइट शिफ्ट में भी काम चल रहा है। इसके पूरा होने से राज्य और क्षेत्र के पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बहुत जरूरी बढ़ावा मिलेगा। एक बार शुरु होने के बाद, यह परियोजना मिजोरम को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इस क्षेत्र के लोगों को देश भर में लंबी दूरी की पहुंच मिलेगी और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मिजोरम को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति की जा सकेगी।

No. DVT-223/RIDF-XXVII (S)/Cachar/2022-23/3

PRàßSS NOTICàß INVITING TàßNDàßR

The Director of A.H. & Veterinary Deptt., Assam, on behalf of the Gervernor of Assam, invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam and Dairy Development, Assam with e- Tendering system provider through e- Tendering Portal www.assamtenders.gov.in. Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov,in.** and also in the àßngineering Cell of this Directorate during office hours from **15.12.2022 to 07.01.2023.**

Sl. No.	Work Description	àßstimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee. (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Comple-tion Period
1	Construction Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. **at Mahadevpur** in Cachar District.	33,71,000.00	1, 200.00	67, 420.00	120 Days
2	Construction Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. **at Rajatilla** in Cachar District.	33,71,000.00	1, 200.00	67, 420.00	120 Days

Bidders submitting Bids through online have also to submit each copy of the Documents of Technical Bid manually. The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule. Bid will be rejected / cancelled if Financial Bid submitted off line / hard copy.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVAILIBILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON e-PROCUREMENT PORTAL	**15.12.2022** (11.00 HRS) 07.01.2023 (14.00 HRS)
PRE-BID MEETING	**20.12.2022** at 13.00 HRS.
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	UP TO 14.00 HRS on **07.01.2023**
LAST DATE AND TIME FOR HARD COPY SUBMISSION (TECHNICAL BID)	UP TO 14.00 HRS on **07.01.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS on **09.01.2023**
DATE AND TIME OF FINANCIAL BID OPENING	Intimated later on

Sd/-
Director
A. H. & Vety. Department, Assam,
Chenikuthi, Guwahati- 3.

-- Janasanyog /C/16337/22

भारत के आतंकवाद पर प्रहार से बिलबिला रहा पड़ोसीः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंक की फंडिंग पर कड़ी कार्रवाई के लिए मोदी सरकार ने दुनियाभर के देशों को एकजुट किया है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो देश बिलबिला रहे हैं उसका कारण सरकार की आतंकवाद के खिलाफ कड़ी नीतियां हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत की छवि एक मददगार देश की बनी है। वहीं पड़ोसी देश की छवि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के तौर पर बनी है। उनका चेहरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब हुआ है। आज आतंकवाद के खिलाफ सरकार की नीतियों को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि साल 2014 के बाद से आतंकियों को ठिकाने लगाने के लिए हमारी सेना ने लगातार काम किया है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में अप्रत्याशित कमी आई है। वहीं, आतंकवादियों को पैसा मुहैया

करवाने वाले लोगों को सजा दिलाने की दर 94 प्रतिशत रही है।

उत्तर पूर्वी राज्यों में शांति का युग- ठाकुर ने कहा कि उत्तर पूर्वी राज्यों में शांति का युग लौटा है। साल 2014 के बाद उग्रवादी हिंसा में 80 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल 2014 के बाद उग्रवादी घटनाओं में नागरिकों की मौत में 89 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2014 के बाद 6000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को नॉर्थ ईस्ट के ज्यादातर जगहों से हटा दिया गया। असम के भी 60 प्रतिशत जगहों से हटाया गया। 2015 के बाद उग्रवादी घटनाओं मे 265 प्रतिशत की कमी आई हैं।

राहुल गांधी पर साधा निशाना- अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल जी चीन के अधिकारियों के साथ दिखते हैं। उनसे फंडिंग लेते हैं। डोकलम पर प्रश्न खड़ा करते हैं। क्या राहुल जी चाइना से फंडिंग नहीं ली, वो क्यों चुप हैं। ये अपनी सेना पर प्रश्न चिह्न खड़े करने वाले हैं ।

रेस्क्यू ऑपरेशन का ब्योरा- केंद्रीय मंत्री अनुराग ने रेस्क्यू ऑपरेशन पर बात करते हुए कहा कि ऑपरेशन गंगा के तहत साल 2021-22 में यूक्रेन में फंसे 22 हजार 500 भारतीय नागरिकों को लाया गया। साल 2021 में ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत अफगानिस्तान से 670 नागरिक लाए गए थे। कोरोना महामारी के दौरान वंदे भारत के जरिए 01 करोड़ 83 लाख लोगों को स्वदेश लाया गया। भारत ने केवल अपने ही नागरिकों की नहीं बल्कि विदेशी लोगों की भी जान बचाई है।

हरित और स्वस्थ पृथ्वी के लिए साइकिल को जीवन का हिस्सा बनाने की डॉ. मांडविया की लोगों से अपील

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने लोगों से साइकिल का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने सोमवार को कहा कि साइकिल पर्यावरण के मुद्दों को हल करने में काफी हद तक मदद कर सकती है। इसलिए लोगों को हरित और स्वस्थ पृथ्वी के लिए साइकिल को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। डॉ. मनसुख मांडविया ने यह अपील राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित साइक्लाथॉन में की। "पृथ्वी बचाओ, जीवन बचाओ" विषय के साथ साइकिल रैली निर्माण भवन से शुरू हुई और कर्तव्य पथ तक का भ्रमण किया। इसका उद्देश्य शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से जनता में स्वास्थ्य चाहने वाले व्यवहार को प्रोत्साहित

करना था। डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि कई विकसित देश बड़े पैमाने पर साइकिल का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में इसे गरीबों की गाड़ी के रूप में जाना जाता है। इसे अमीरों की गाड़ी में बदलना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इसे 'फैशन' से 'जुनून' बनाने की जरूरत है। डॉ. मांडविया ने कहा कि शारीरिक और मानसिक लाभों के लिए हमें अपने जीवन में व्यायाम को शामिल करने की आवश्यकता है। शारीरिक गतिविधियों को कई गैर-संचारी और जीवन शैली की बीमारियों को दूर रखने के लिए जाना जाता है। उन्होंने एनबीईएमएस को उनके "गो-ग्रीन" ड्राइव और स्वास्थ्य संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका के लिए बधाई दी। इस मौके पर एनबीईएमएस के अध्यक्ष डॉ अभिजात सेठ और एनबीईएमएस के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र के सांसद धैर्यशील माने नहीं जा सकेंगे बेलगावी, कर्नाटक पुलिस ने प्रवेश पर लगाई रोक

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र राज्य सीमा समिति के अध्यक्ष और बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना पार्टी के सांसद धैर्यशील माने अब बेलगावी यात्रा पर नहीं जाएंगे। कर्नाटक सरकार की रोक के बाद सांसद ने आज बेलगावी दौरा स्थगित कर दिया है। धैर्यशील माने बेलगावी के तिलकवाड़ी में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाने वाले थे। धैर्यशील माने ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि कर्नाटक सरकार ने उन्हें पत्र लिखकर बेलगावी में न आने को कहा है। इस पत्र में कहा गया है कि उनके बेलगावी आने से कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है। धैर्यशील माने ने कहा कि उन्होंने इसकी जानकारी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को दे दी है। धैर्यशील माने ने बताया कि वे

आज बेलगावी जिले के तिलकवाड़ी में होने वाले महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) के महासम्मेलन में शामिल होने वाले थे। इस दौरे की अधिकृत जानकारी कर्नाटक सरकार को देकर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का अनुरोध किया था, लेकिन बेलगावी के जिलाधिकारी नितेश पाटिल ने माने के प्रवेश पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की ओर से महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर विवादास्पद बयानों के बाद दोनों राज्यों के बीच माहौल खराब हो गया था। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाकर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने तक दोनों राज्यों में यथास्थिति बनाए रखने को कहा था।

एम्स में जनरल वार्ड के मरीजों को होगी आसानी, हॉस्पिटल में ही अब मिलेगी खाने की प्लेट और चम्मच

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली एम्स में रोजाना हजारों लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं। यही कारण है कि यहां के जनरल वार्ड से लेकर प्राइवेट वार्ड तक हमेशा भरे रहते हैं। ऐसे में अब एम्स में भर्ती मरीजों और उनके अटेंडेंट को बेहतर सुविधाएं देने के लिए हॉस्पिटल अथॉरिटी ने जनरल वार्ड के मरीजों और उनके साथ आने वाले अटेंडेंट को लोन बेसिस पर खाने की प्लेट और चम्मच उपलब्ध कराने का फैसला किया है। दिल्ली एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास द्वारा पिछले हफ्ते जारी एक ज्ञापन में कहा गया है कि हॉस्पिटल में यह देखा गया है कि वेटिंग रूम में पर्याप्त जगह और सुविधाएं न होने के कारण भर्ती मरीजों के अटेंडेंट फर्श पर बैठेते हैं। साथ ही जनरल वार्ड के मरीजों को हॉस्पिटल के खाने के लिए अपनी खाने की प्लेट लाने के लिए भी पूछा गया। इसके साथ ही पूरे वार्ड में साफ-सफाई का भी आभाव था। इसके बाद निदेशक ने सभी वार्डों के प्रमुखों मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और एचओडी को निर्देश जारी करते हुए कहा कि जनरल वार्ड के सभी मरीजों और उनके अटेंडेंट को हॉस्पिटल से लोन के आधार पर

थाली और चम्मच उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही क्लीनिकल डिपार्टमेंट मरीजों के अटेंडेंट के लिए पर्याप्त वेटिंग एरिया की व्यवस्था करें और सभी वेटिंग एरिया में पर्याप्त संख्या में सीट पीने का पानी जूस चायकॉफी की मशीन की भी व्यवस्था करें। इसके पहले एम्स में सभी प्राइवेट वार्ड के खाली बेड की संख्या एम्स को वेबसाइट पर ऑनलाइन करने को कहा गया। इस नई व्यवस्था से मरीजों को आसानी से प्राइवेट वार्ड में खाली बेडों की जानकारी घर बैठ मिल जाएगी। इसके साथ ही 300 रुपये तक की सभी मेडिकल जांच को ऑनलाइन कर दिया गया। इस फैसले का फायदा उन सभी मरीजों को मिल सकेगा जो कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हासिल करना चाहते हैं। इस सुविधा को देने से होने वाले वित्तीय नुकसान की भरपाई के लिए प्राइवेट वार्ड का शुल्क दोगुना कर दिया गया है।

दिल्ली में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर उत्साह : माकन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने सोमवार को पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय में बैठक की। कांग्रेस नेता अजय माकन ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर लोग उत्साहित हैं। माकन ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को लेकर आज दिल्ली में कांग्रेस नेताओं ने बैठक की है और सभी नेता इस यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में यात्रा दिल्ली पहुंचेगी। ऐसे में आज सभी कांग्रेस पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। माकन ने कहा कि उन्हें

उम्मीद है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बहुत सफल होगी। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा इस समय राजस्थान के दौसा शहर में है। यात्रा दौसा से अलवर होते हुए 24 दिसंबर को दिल्ली में दाखिल होगी। इस दौरान दिल्ली कांग्रेस के लोग यात्रा का स्वागत करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया है कि यात्रा दिल्ली में आने के बाद 9 दिन का ब्रेक लेगी। इस दौरान यात्रियों के कैंटेनरों की मरम्मत कराई जाएगी। ब्रेक के बाद यह उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और अंत में जम्मू और कश्मीर की ओर बढ़ेगी।

ऋषिकेश नगर निगम ने जीता अटल निर्मल पुरस्कार, मुख्यमंत्री ने महापौर को किया सम्मानित

ऋषिकेश, (हि.स.)। ऋषिकेश नगर निगम को अटल निर्मल पुरस्कार के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महापौर अनिता ममगांई को सम्मानित किया। इस दौरान पुरस्कार की दस लाख की राशि का चेक सीएम ने महापौर को दिया। आज अटल निर्मल पुरस्कार में प्रदेश के तमाम नगर निकायों सहित देश के गंगा टाउन में तीसरा स्थान हासिल करने पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश महापौर अनिता ममगांई को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए महापौर अनिता ने बताया कि सीमित संसाधनों के बीच अटल निर्मल पुरस्कार के लिए ऋषिकेश नगर निगम का चयनित होना एक बड़ी उपलब्धि है। इसका श्रेय उन्होंने निगम के स्वच्छता प्रहरियों के अथक प्रयासों के साथ शहर की प्रबुद्ध जनता एवं समाजसेवी संस्थाओं को देते हुए कहा कि जन सहयोग की वजह से ही नगर

निगम को यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल हुआ है। इस सफलता का श्रेय उन्होंने निगम की पूरी टीम और यहां के जागरूक नागरिकों को दिया है। उन्होंने बताया कि घर-घर कूड़ा उठाने की योजना हो या फिर सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा ना फेंकने का कार्य, सभी दृष्टिकोण से निगम सफल रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर बेहतर कार्य किए गए हैं। जैविक और अजैविक कचरे को पृथक कर कंपोस्ट बनाने के कार्य में काफी सुधार आया है। इस अवसर पर महापौर ने शहरवासियों से सहभागिता के साथ निगम के स्वच्छता मिशन में जुड़ने की अपील की ताकि वर्ष 2023 में ऋषिकेश नगर निगम पूरे देश के स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आ सके। इस दौरान शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल,मुख्य नगर आयुक्त राहुल गोयल, पार्षद विपिन पंत, राधा रमोला, निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महंत रवि प्रपन्नाचार्य , समाजसेवी हितेंद्र पंवार, सफाई निरीक्षक अभिषेक मल्होत्रा, गुरमीत सिंह आदि मौजूद रहे।

दिलीप घोष ने आसनसोल कंबल वितरण दुर्घटना में जताई साजिश की आशंका

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने आसनसोल कंबल वितरण के दौरान दुर्घटना में साजिश की आशंका जाहिर की है। आज दिल्ली में पार्टी सांसदों की बैठक में शामिल होने के लिए रवाना हुए हैं। यहां दमदम हवाई अड्डे पर मीडिया से मुखातिब घोष ने कहा कि जिस तरह से आसनसोल कंबल वितरण दुर्घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस पूरा दमखम लगा रही है ताकि नेता प्रतिपक्ष को फंसा सके तो इसमें साजिश की बू आ रही है। कहीं ना कहीं इस दुर्घटना के पीछे कोई षड्यंत्र हो सकता है। इसकी उचित जांच होनी चाहिए। घोष ने कहा कि कई जगहों पर कंबल वितरण हुए लेकिन कहीं भी किसी तरह

की कोई दुर्घटना नहीं हुई। यहीं पर क्यों हुई, इसकी जांच होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इसके पहले दिलीप घोष ने कंबल वितरण को लेकर सवाल खड़े किए थे और कहा था कि दान और खैराती वितरण मानवता के खिलाफ होता है। इसके पहले शुभेंदु अधिकारी ने भी सार्वजनिक मंच से नियमित तौर पर दिलीप घोष के मीडिया से बात करने को लेकर सवाल खड़े किए थे। इस बीच गत 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल दौरे पर आए थे और भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की थी। उन्होंने एकजुट होकर काम करने की नसीहत दी थी जिसके बाद दिलीप घोष का यह बयान बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली में किसान गर्जना रैली को लेकर पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आज किसान रैली के लिए एकजुट हुए हैं। करीब दो साल बाद यह एक बड़ा अवसर है जब दिल्ली में किसान अपनी मांगों को लेकर इस तरह की रैली कर रहे हैं। दो साल पहले भी संयुक्त किसान मोर्चा व भारतीय किसान यूनियन की तरफ से अपनी मांगों को लेकर किसान दिल्ली में आंदोलन करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली थी, इसके बाद उन्होंने दिल्ली की तीन सीमाओं पर धरना दिया और साल भर से अधिक समय तक वहां प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया था। इस बार रामलीला मैदान में यूपी, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल समेत देश के अन्य राज्यों से किसान आये हैं। भारतीय किसान संघ (बीकेएस) का कहना है कि फल, सब्जियां, अनाज, दूध आदि उपलब्ध कराने वाले किसान आज अपनी कृषि उपज का पर्याप्त मूल्य न मिलने से बहुत निराश हैं ।

महापौर के लिए अनुभवी महिला की तलाश भाजपा पर भी आप की नजर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। अब महापौर पद के लिए छह जनवरी का दिन भी सुनिश्चित हो चुका है लेकिन आप अभी इसी उधेड़बुन में है कि महापौर किसे बनाया जाए। इसे लेकर मंथन चल रहा है जिसमें पार्टी के कुछ नेता जातिगत समीकरण बैठा रहे हैं तो कुछ पार्टी के नजदीकी पार्षदों के लिए माहौल बना रहे हैं। लेकिन पार्टी के कुछ नेता यह देख रहे हैं कि उनके पास नगर निगम के लिए अनुभवी महिला नेता कौन है। यहां निगम का सदन चलाने की भी बड़ी जिम्मेदारी है। यह ऐसा सदन होगा जहां नए और कम अनुभव वाले महापौर को सदन चलाना मुश्किल होगा। दरअसल सदन में 250 में से आम आदमी पार्टी के पास 134 सदस्य हैं तो भाजपा के पास 104 और कांग्रेस के पास नौ सदस्य हैं। निर्दलीय 3 सदस्य हैं। सदन की व्यवस्था के अनुसार अगर कांग्रेस और निर्दलीय आप को समर्थन नहीं करते हैं तो विपक्ष में बैठेंगे। खास बात यह है कि अगर कांग्रेस और निर्दलीय सदन से संबंधित मामलों में भाजपा को समर्थन नहीं भी करते हैं और उनके साथ नहीं खड़े होते हैं तो भी भाजपा मजबूत विपक्ष की भूमिका में होगी। क्योंकि 104 सदस्यों के साथ-साथ अभी 10 एल्डरमैन बनाए जाने हैं। नगर निगम के एक्ट के अनुसार इन्हें बनाए जाने का अधिकार नगर निगम के प्रशासक के पास है जो दिल्ली के उपराज्यपाल हैं। ऐसे में ये पूरी संभावना है कि ये सदस्य भी भाजपा के समर्थक ही होंगे। इन सदस्यों को भले ही महापौर के चुनाव में वोट डालने का अधिकार न हो मगर ये सदन की बैठकों में हिस्सा ले सकेंगे। ऐसे में भाजपा अपने दम पर मजबूत स्थिति में होगी। इन सब बातों को देखते हुए आप की ओर से महापौर के लिए जो पार्षद लाया जाएगा वह अनुभवी और मजबूत छवि का होना चाहिए जो नगर निगम को समझता हो। महापौर का पद महिला के लिए आरक्षित है। तीन महिला पार्षदों में इस पद की दौड़ में प्रोमिला गुप्ता निर्मला देवी सारिका चौधरी शामिल हैं। मगर अनुभव के आधार पर अब दिलशाद कालोनी से चुनाव जीतीं प्रीति का नाम भी गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रीति इससे पहले तीन बार चुनाव जीत चुकी हैं। अब चौथी बार चुनाव जीती हैं। यह एक अनुभवी महिला नेता भी मानी जा रही हैं। इसी तरह भजनपुरा सीट से चुनाव जीतीं रेखा रानी का भी नाम अब लिया जा रहा है। यह 2012 से 2017 के बीच निगम पार्षद रह चुकी हैं। प्रोमिला गुप्ता तिमारपुर से चुनाव जीती हैं वह पिछ्ला 2017 का नगर निगम चुनाव भी इसी सीट से लड़ चुकी हैं। उस समय चुनाव हार गई थीं। इसके बाद इन्हें आप सरकार ने दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) का सदस्य बनाया था। इसी तरह दूसरा नाम सारिका चौधरी का है। सारिका भी डीसीडब्ल्यू की सदस्य थीं उन्होंने इस पद से इस्तीफा देकर दरियागंज सीट से चुनाव जीता है। तीसरा नाम निर्मला कुमारी का है। वह सैनिक एन्क्लेव से चुनाव जीती हैं। निर्मला महिला विंग की दिल्ली की संयोजक हैं। आप की नजर भाजपा पर भी है कि कहीं वह अंदरखाने खेल बिगाड़ने की कोशिश न करे। चुनाव होने के बाद भाजपा अपना महापौर बना लेने का दावा कर चुकी है। गत दिनों आप ने यह आरोप लगाया था कि भाजपा ने खरीदने के लिए उसके दो पार्षदों से संपर्क किया था। हालांकि भाजपा ने भी उनके एक पार्षद को खरीदने की कोशिश करने का आप पर आरोप लगाया था।

आगरा की कंपनी बेच रही थी तेजाब फ्लिपकार्ट, का एसिड अटैक केस में दिल्ली पुलिस को जवाब

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक नाबालिग लड़की के ऊपर हुए एसिड अटैक मामले में दिल्ली पुलिस ने फ्लिपकार्ट को एक पत्र लिखा था और पूछा था कि कौन से लोग थे जो कंपनी के प्लेटफॉर्म पर एसिड बेच रहे थे। अब इस मामले में फ्लिपकार्ट ने अपना जवाब भेजा है। सूत्रों के मुताबिक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म ने कहा है कि आगरा की एक कंपनी फ्लिपकार्ट के जरिए एसिड बेच रही थी। दवाइयां बेचने वाली इस कंपनी ने 600 रुपये में 100 एमएल तेजाब बेचा था। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस अब इस कंपनी के लोगों से पूछताछ करेगी। वहीं दिल्ली ने फ्लिपकार्ट को एक और पत्र लिखा था जिसमें पूछा था कि ऑनलाइन एसिड बेचने के क्या नियम है। इस पत्र का जवाब अभी फ्लिपकार्ट की ओर से नहीं आया है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी ने एसिड ऑनलाइन

शॉपिग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट से खरीदा था। इस पर फ्लिपकार्ट के खिलाफ नोटिस में सीसीपीए ने भी जवाब मांगा है। वहीं बताया जाता है कि फ्लिपकार्ट ने एसिड की बिक्री करने वाले विक्रेता को फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस से बाहर निकाल दिया है। बता दें कि हमलावर ने फ्लिपकार्ट से एसिड खरीदकर 14 दिसंबर को एक नाबालिग बच्ची पर एसिड फेंक दिया था। इसके बाद सेन्ट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फ्लिपकार्ट से एसिड की बिक्री करने के लिए नोटिस जारी किया था। भारत में सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में दुकानों पर एसिड की ओवर-द-काउंटर बिक्री पर बैन लगा दिया था। लेकिन इसकी ऑनलाइन बिक्री अब भी धड़ल्ले से हो रही थी। पुलिस के मुताबिक दो बाइक सवारों ने लड़की पर तेजाब जैसा कोई पदार्थ फेंका था।

लड़की को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को लड़की पर तेजाब फेंकते हुए देखा गया है। सफदरजंग अस्पताल के एक सीनियर डॉक्टर ने कहा पीड़िता का चेहरा 7-8 प्रतिशत जल गया है। वहीं इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली सरकार शहर के पुलिस आयुक्त को नोटिस भेजा था। तेजाब के हमले का स्वतः संज्ञान लेते हुए आयोग ने मुख्य सचिव पुलिस आयुक्त और दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को एक नोटिस जारी किया है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की भाभी नयनतारा देवी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

– मोक्ष तीर्थ मणिकर्णिकाघाट पर अन्तिम संस्कार में शामिल हुए रक्षामंत्री, भतीजे राकेश सिंह ने दी मुखाग्नि

वाराणसी, (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की बड़ी भाभी नयनतारा देवी (82) की पार्थिव देह सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। उनकी अंत्येष्टि मोक्षतीर्थ मणिकर्णिकाघाट पर की गई। अन्तिम संस्कार की रस्म रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बड़े भाई काशीनाथ सिंह और भतीजे राकेश सिंह ने निभाई। इस दौरान घाट पर नाते रिश्तेदारों के साथ वाराणसी, चंदौली, मिजार्पुर के भाजपा नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। अंतिम यात्रा में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने बड़े भाई काशीनाथ सिंह की धर्मपत्नी के अन्तिम संस्कार में भाग लेने के लिए वायुसेना के विशेष विमान से वाराणसी पहुंचे। वह बाबतपुर एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हाउस आये और यहां से वाहनों के काफिले में मणिकर्णिका घाट पहुंचकर बड़ी भाभी के अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए। घाट पर रक्षामंत्री ने पैतृक गांव भभौरा चंदौली से आये परिजनों और रिश्तेदारों से भी बातचीत की। मूल रूप से जनपद चंदौली के भभौरा गांव निवासी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तीन भाई हैं। तीनों भाईयों में सूर्यनाथ सिंह सबसे बड़े

थे जिनका बहुत पहले ही निधन हो चुका है। दूसरे नम्बर के भाई काशीनाथ सिंह गांव में रहकर पैतृक आवास संभालने के साथ खेती किसानी करते हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भाइयों में सबसे छोटे हैं। काशीनाथ सिंह की पत्नी नयनतारा देवी उम्र जनित बीमारी से काफी दिनों से पीड़ित थी। पिछले दिनों उन्हें कमर में चोट लग गई थी। उन्हें बीएचयू के सरसुन्दर लाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान रविवार शाम उन्होंने आखिरी सांस ली।

संसद में चल रही बहस, कुछ नहीं बोल सकते- बड़ी भाभी के अन्तिम संस्कार में शामिल होने के लिए वाराणसी आये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सर्किट हाउस में पत्रकारों ने तवांग मामले में बातचीत करनी चाही। इस पर रक्षामंत्री ने कहा कि मैं अभी भाभी के अंतिम संस्कार में आया हूं। बीएचयू अस्पताल में उनका कई दिनों से इलाज चल रहा था। मीडिया कर्मियों के काफी कुरेदने पर उन्होंने कहा कि संसद में इस मुद्दे पर बहस चल रही है। इसलिए बाहर कुछ भी बयान देना उचित नहीं है। हर सवालों का जवाब मैंने संसद को सही-सही दे दिया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बेहतर व्यवस्थाएं कराए योगी सरकार : अखिलेश यादव

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बेहतर व्यवस्थाएं कराए योगी सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के बेहतर व्यवस्थाएं कराए जाने की सरकार से मांग की है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से सोमवार को पोस्ट करते हुए कहा कि 'देश का सबसे बेहतरीन आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे भाजपा सरकार की अनदेखी का शिकार है। इस अनदेखी से घने कोहरे में हादसों का संकट बना हुआ है। उन्होंने सरकार से एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्थाएं कराए जाने की बात कही। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा-

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसों की रोकथाम के लिए भाजपा सरकार को घेरने के साथ ही क्षेत्रीय लोगों से भी अपील की, कि हादसों में शिकार लोगों की हर संभव मदद करें। उल्लेखनीय है कि सोमवार को औरैया से गुजर रहे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार की सुबह चैनल नंबर 137 के पास कोहरे की वजह से कई वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। हादसे के बाद कानपुर दौरे पर आ रहे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपना काफिला रूकवाकर जानकारी ली। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से बेहतर इलाज कराए जाने की बात कही।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, तीन की मौत, आठ घायल

औरैया, (हि.स.)। जिले में घने कोहरे की वजह से लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां करीब आधा दर्जन छोटे-बड़े वाहन एक के बाद एक आपस में जा टकराए। दर्दनाक हादसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में तीन ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सैफई मेडिकल रेफर कर दिया। सूत्रों की माने तो सैफई इलाज के दौरान मौतों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। जनपद में एक बार फिर तेज रफ्तार और घने कोहरे की धुंध के चलते आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में करीब आधा दर्जन गाड़ियां एक-दूसरे से जा टकरा गई। एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी वह मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मद्द से रेस्क्यू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

एक्सीडेंट में बस चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के चश्मदीद ग्रामीण बताते हैं कि सुबह एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा था जिसकी वजह से आगे चलने वाले वाहन भी नजर नहीं आ रहे थे। घने कोहरे के कारण सड़क पर साफ ना दिखाई देने की वजह से दो ट्रकों में भिड़ंत हुई, जिसके बाद पीछे से आ रही प्राइवेट बस भी एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हुए ट्रकों से जा टकर गई। देखते ही देखते रफ्तार से आ रही छोटी गाड़ियां भी एक-दूसरे में टकराती चली गई। इस हादसे में बस चालाक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के आने पर गाड़ियों में फंसे हुए सभी लोगों को बाहर निकाला गया। गम्भीर हुए सभी घायलों को सैफई मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। हादसे की भयावह तस्वीर उस वक्त और देखने को मिली जब एक बस चालक बस के अंदर बनी क्षतिग्रस्त केबन में बुरी तरीके से चिपक मिला। पुलिस की मद्द से बस की खिड़की तोड़कर बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटनास्थल पर पहुंचे सीओ अजीतमल भरत पासवान ने बताया कि एक्सीडेंट घने कोहरे के कारण हुआ है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई हैं और आठ लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल पहुंचा कर इलाज की सुविधा दी जा रही है। औरैया-कन्नौज जनपद की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक्सीडेंटल गाड़ियों को क्रेन की मद्द से हटवा दिया गया है ताकि यातायात प्रभावित ना हो।

भारत पुण्य, धर्म एवं कर्म भूमि है : अजित महापात्र

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काशी दक्षिण भाग के कामाख्या नगर विनायक शाखा का वार्षिकोत्सव उत्साह से मनाया गया। विनायक के क्रांतिपल्ली कालोनी में आयोजित वार्षिकोत्सव में अखिल भारतीय गौ सेवा संयोजक एवं संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजित प्रसाद महापात्र ने भी भागीदारी की।इस दौरान अजित प्रसाद महामात्रा ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर कहा कि भारत पुण्य भूमि है, धर्म भूमि है और कर्म भूमि है। यह भोग भूमि नहीं है। यहां तपस्वी मनीषी ऋषि पैदा हुए हैं। उन्होंने देना सिखाया है। हमारी संस्कृति देने की है। विदेश की संस्कृति लेने की और लूटने की है। उन्होंने कहा कि संघ शाखाओं के माध्यम से स्वसंयेवकों में चरित्र

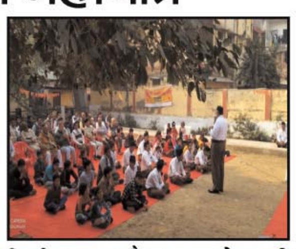

निर्माण करता है। समाज के सभी वर्गों को जोड़कर संघ एक विशाल संगठन बना है। कार्यक्रम में वार्षिक रिपोर्ट शाखा कार्यवाह श्रीकांत श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। मुख्य शिक्षक श्रीपति मिश्र ने शाखा के स्वयंसेवकों के प्रदर्शन का नेतृत्व किया। दौड़ और चित्रकला प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ एडवोकेट विजय नारायण सिंह ने की। संचालन अंशु अरोड़ा एवं धन्यवाद ज्ञापन वेद प्रकाश सिंह ने किया।

रवि किशन की फिल्म को अनुदान मामले में जांच समिति गठित

लखनऊ,(हि.स.)। एक्टिविस्ट डॉ. नूतन ठाकुर की शिकायत के आधार पर फिल्म बंधू, उत्तर प्रदेश भोजपुरी फिल्म पंडितजी बताई न ब्याह कब होई-2 को गलत ढंग से अनुदान देने के आरोपों की जांच राज्य सरकार करवा रही है। यह जानकारी फिल्म निर्माण अधिकारी संजय कुमार अस्थाना ने 15 दिसंबर की अपनी आख्या में दी है। एक्टिविस्ट डॉ. नूतन ने कहा था कि इस फिल्म को 82.52 लाख रुपये का अनुदान दिया गया। किन्तु फिल्म के निमार्ता रवि किशन तथा समीर त्रिपाठी ने तमाम आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये। साथ ही कई फर्जी अभिलेख भी लगाये गए।

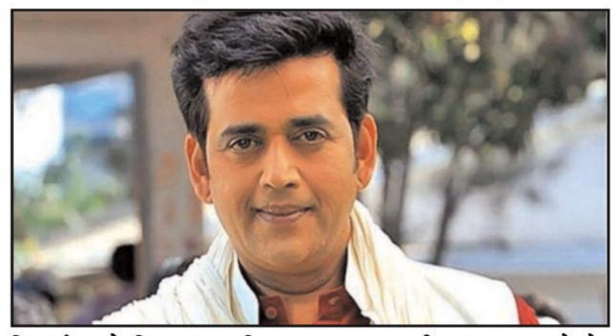

निमार्तागण ने नियमानुसार फिल्म के व्यय के न तो बीजक लगाये थे और न फिल्म के पांच प्रमुख अभिनेताओं के प्रदेश के निवासी होने के प्रमाणपत्र उपलब्ध कराये थे। निमार्ताओं ने दो अलग-अलग चार्टर्ड अकाउंटेंट से फिल्म के कुल लागत के दो अलग-अलग प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराये थे। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज कराये जाने एवं अनुदान वापस लेने की मांग की थी। श्री अस्थाना ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस संबंध में 16 जुलाई को जांच समिति गठित की गयी, जो अभी लंबित है।

एसएसपी ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर दो उपनिरीक्षकों को किया लाइन हाजिर

इटावा, (हि.स.)। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बीती देर रात कई थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना बकेवर में तैनात दो सब इंस्पेक्टरों द्वारा ड्यूटी में लापरवाही देख एसएसपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया। एसएसपी की इस कार्यवाही से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने सोमवार को बताया कि बीती रात उनके द्वारा पुलिस थानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना बकेवर में सब इंस्पेक्टर

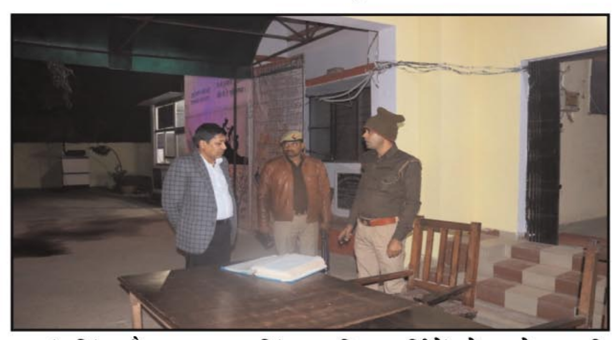

यशवंत सिंह और तरुण प्रताप सिंह के द्वारा ड्यूटी में लापरवाही करते पाया गया। इस पर दोनों एसआई को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एसएसपी ने बताया कि बीती रात घने कोहरे को देखते हुए सभी पुलिस कर्मियों को हाइवे पर रात्रि गश्त करते हुए ईमानदारी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं। ड्यूटी में लापरवाही मिलने पर दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ इसी तरह से कार्यवाही की जाएगी।

अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने किया राजहरा कोलयरी का निरीक्षण

मेदिनीनगर, (हि.स.)। अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता किशोर कुमार पांडेय ने सोमवार को राजहरा कोलयरी का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि देश का सबसे पुराना और एशिया में सर्वोत्तम क्वालिटी के कोयले उत्पादन के लिए मशहूर रहा राजहरा कोलियरी आज अपनी स्थिति पर आठ - आठ आंसू बहा रहा है। हालांकि बन्द पड़े खादान को पुनः चालू कराने के लिए काफी प्रयास किया गया है। बावजूद अभीतक कोई सफलता नहीं मिली है। इसके कारण लोगों में निराशा व्याप्त है। पांडेय ने कहा कि राजहरा कोलियरी पलामू का लाइफलाइन माना जाता है। इसकी शुरूआत ब्रिटिश शासनकाल 1842 में बंगाल कोल कंपनी ने किया था। आजादी के बाद 1969 में इसका सरकारीकरण हुआ था। यहां के

खदानों में एशिया का गुणवत्तापूर्ण कोयला पाया जाता है। उन्होंने कहा कि एक रिपोर्ट के मुताबिक और राजहरा कोलियरी की परिधि में कोयले की अकूत भंडार है। इसके सर्वे के बाद जो रिपोर्ट दी गयी है उसमें यह कहा गया है कि यदि निरंतर भी कोयले का उत्खनन किया जाय तो 50 साल तक कोयले की कमी नहीं रहेगी। वहां मौजूदा संसाधन से प्रतिवर्ष 0.75 मिलियन टन उत्पादन किया जा सकता है। वावजूद विगत 13 वर्षों से उक्त कोयलरी में उत्पादन ठप है। इससे जुड़े हजारों लोग आज भी बेरोजगारी की दंश झेल रहे हैं। प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों की रवैया से स्थानीय लोगों में घोर निराशा हैं।

मुख्यमंत्री को मंत्री, मुख्य सचिव और सचिव ने पुष्पगुच्छ भेंट किया

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मंत्रिमंडल समन्वय सचिवालय विभाग की प्रधान सचिव बंदना दादेल ने मुलाकात की। सभी ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

हाई कोर्ट में विधायक ढुल्लू महतो की ओर से आठ गवाहों की दी गई सूची

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की कोर्ट में सोमवार को बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के निर्वाचन को चुनौती देनेवाली जलेश्वर महतो की चुनाव याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में ढुल्लू महतो की ओर से आठ गवाहों की सूची दी गई। इन गवाहों में रिटर्निंग ऑफिसर, असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर भी शामिल हैं। ढुल्लू महतो की ओर से एक शपथ पत्र दाखिल करके बताया गया कि वे विधायक हैं और जनता के काम का काफी लोड रहता है। ऐसे में बाकी सारे गवाहों की गवाही पूरी होने के बाद में अपनी गवाही देंगे। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी। जलेश्वर महतो की ओर से अधिवक्ता अरविंद कुमार लाल ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि जलेश्वर महतो की ओर से गवाही बंद हो चुकी है। जलेश्वर महतो ने ढुल्लू महतो के निर्वाचन को रद्द करने का आग्रह किया है। याचिका में कहा गया है कि जिस समय ढुल्लू महतो ने अपना नामांकन जमा किया था उस समय वे डिसक्वालिफाइड थे, क्योंकि उनको अलग-अलग धाराओं में सजा हुई थी, वह कुल मिलाकर दो साल से ज्यादा का समय हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को आधार बनाते हुए कहा गया है कि ढुल्लू महतो का नामांकन रद्द होना चाहिए। रिटर्निंग ऑफिसर को उसी समय ढुल्लू महतो का नामांकन कर रद्द कर देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं किया। याचिका में यह भी कहा गया था, बहुत से बूथ जैसे बूथ नंबर 266 में 600-700 वोट पड़े थे, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने उसे जीरो दिखाया था। प्रार्थी जलेश्वर महतो की ओर से कहा गया है कि वे बहुत कम मतों के अंतर से हारे हैं, इसलिए ढुल्लू महतो के निर्वाचन को रद्द कर कुछ बूथों पर पुनर्मतदान कराया जाये। अगर पुनर्मतदान होता है तो जलेश्वर महतो की जीत होगी।

बिहार विधानमंडल शीतकालीन सत्रः जहरीली शराब कांड को लेकर भाजपा का हंगामा

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन सोमवार को भाजपा विधायकों ने जहरीली शराब से मौत मामले में सरकार को कटघरे में खड़ा किया और जमकर प्रदर्शन किया।हंगामे को देखते हुए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कार्यवाही जब दोबारा शुरू हुई तो भाजपा ने जहरीली शराब कांड में मारे गए लोगों के परिवार वालों को मुआवजा देने की मांग को लेकर वॉकआउट कर दिया। भाजपा विधायकों ने बाहर निकलकर जहरीली शराब से मरे लोगों की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन धारण किया। सुबह विधानसभा की कार्रवाई शुरू होते ही भाजपा विधायकों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने मार्शलों से कहा कि सभी विधायकों के हाथ से पोस्टर ले लिए जाएं। भाजपा विधायकों ने टेबल पटक दिया। हंगामा शांत नहीं होने पर विधानसभा को दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। कुछ देर बाद विधान परिषद भी ढाई बजे के लिए स्थगित कर दिया। दूसरी ओर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि जहरीली शराब से मरे लोगों के परिवारों को मुआवजा मिले। जो मरे हैं उनके लिए शोक प्रस्ताव पारित किया जाए। मेरे ऊपर आरोप लगा था कि मेरे रिश्तेदार के यहां शराब बरामद हुई है, ये गलत है, वो जदयू के सदस्य हैं। सिन्हा ने तंज कसते हुए कहा कि अध्यक्ष महोदय आपको बधाई देता हूं कि मेरे 50 मिनट के भाषण में 113 बार आपने मुझे टोका है। उधर, लेफ्ट पार्टियों के नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अलग मिलने पहुंचे। उन्होंने सारण जहरीली शराब कांड के पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। इस पर नीतीश ने कहा कि आप लोग मुआवजा मांगेंगे तो

फिर सब कहेंगे कि आप लोग भाजपा के साथ मिल गए। इस पर लेफ्ट पार्टियों के नेताओं ने कहा नहीं मांगेंगे मुआवजा। विधानसभा में बिहार सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने छपरा जहरीली कांड मामले में केवल 38 व्यक्तियों की मृत्यु होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सरकार हर मामले की जांच करी रही है, जो भी जांच रिपोर्ट आएगी उस अनुसार कार्रवाई होगी । विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने भाजपा विधायकों को चेताया। उन्होंने कहा कि आप सभी सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं। ऐसा ही रहा तो मैं आप सभी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता हूं। संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जो विपक्ष के नेता तस्वीर दिख रहे हैं, मुझे नहीं पता है, कौन क्या है लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि जो भी शराब के धंधे लिप्त होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सरकार इस मामले पर सजग है। उल्लेखनीय है कि पांच दिनों के इस सत्र में विपक्षी भाजपा ने लगातार जहरीली शराब को लेकर हंगामा किया। लेकिन, इस हंगामे के बीच में सरकार ने अपने विधायी कार्यों को पूरा कर लिया। हालांकि इस पूरे विधानसभा सत्र में आम जनता के सवाल नहीं आ पाए। प्रश्नकाल, तारांकित, अल्पसूचित प्रश्न, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण जैसे मसलों पर विधानसभा में चर्चा नहीं हुई। विधेयक, विनियोग जरूर पास किए गए। लेकिन, जनता के सवाल को लेकर सरकार के जवाब विधानसभा में नहीं आए।

गोलीबारी एवं पत्थर बाजी में निर्दोषों की गिरफ्तारी के विरुद्ध थाने का घेराव, डीएसपी पर पक्षपात का आरोप

नवादा, (हि .स.)। नवादा नगर थाने के बुधौल गांव में नगर निकाय चुनाव के दौरान पत्थरबाजी तथा गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रत्याशी मिथिलेश मिश्रा, उनके पुत्र राजकमल मिश्रा ,रंजीत चौहान आदि की गिरफ्तारी की गई है लेकिन वार्ड नंबर 5 के प्रत्याशी रहे सूरज सिंह सानू उर्फ सूरज यादव को गिरफ्तार नहीं कर डीएसपी उपेंद्र प्रसाद पर जात पात व पक्षपात का आरोप लगाया है ।इस कारण आक्रोशित नागरिकों ने डीएसपी के पक्षपाती रवैया के विरुद्ध सोमवार को नगर थाने का घेराव कर एसपी से न्याय की मांग की है ।नगर थाना घेराव में पहुंचे बुधौली के ग्रामीणों ने कहा कि पत्थरबाजी के साथ ही यहां तक कि गोलीबारी का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि डीएसपी उपेंद्र प्रसाद को इसकी सूचना दी गई। लेकिन वे जात - पात से प्रभावित होकर इस घटना के मुख्य सूत्रधार के विरुद्ध कार्रवाई के बजाय निर्दोष लोगों को गिरफ्तार करा लिया ।थाना पहुंचे ग्रामीणों ने नवादा के एसपी से निष्पक्ष जांच कर इस घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि डीएसपी सदा जात- पात के मामले में पक्षपात करते रहें हैं।अगर उनके इस रवैया पर अंकुश नहीं लगाई गई तो स्थिति भयावह हो जाएगी। थाने का घेराव कर रहे बुधौल के ग्रामीणों ने एसपी डॉ गौरव मंगला से डीएसपी उपेंद्र प्रसाद की भूमिका की भी जांच की मांग की है।

संपादकीय

भारतीय सेना पर प्रतिकूल टिप्पणी

अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाल रहे कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर स्वयं को अपरिपक्व नेता साबित कर दिया है। चीन पर सेना के संबंध में गलत बयानी करके उन्होंने यही संकेत दिए हैं कि उन्हें इस देश और समस्या की समझ नहीं है। यह भी कि उनके लिए देश का सम्मान प्राथमिकता में नहीं है। अन्यथा वे यह नहीं कहते कि अरुणाचल प्रदेश में चीन हमारे सैनिकों की पिटाई कर रहा है। जबकि अब तक जितने भी वीडियो सामने आए हैं, उनमें भारतीय सैनिक नहीं अपितु चीनी सैनिक पिटते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारतीय सेना की ओर से भी यही वक्तव्य जारी किया गया है कि हमारे सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे चीनी सैनिकों को वापस उनकी सीमा में खदेड़ दिया है। हैरानी है कि राहुल गांधी ने चीनी सैनिकों की पिटाई के वीडियो नहीं देखे और न ही सेना का अधिकृत बयान पढ़ा। और यदि राहुल गांधी चीनी सैनिकों की पिटाई का वीडियो देखने के बाद भी यह कह रहे हैं कि चीन भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहा है, तब उनकी निष्ठा एवं राजनीतिक समझ पर संदेह होता है। यह बात सही है कि वे इस समय विपक्ष में हैं और वर्तमान सरकार पर सवाल खड़े करना उनका काम है। लेकिन सत्ता का विरोध करते हुए इतना आगे नहीं निकलना चाहिए कि हम सत्ता और देश विरोध का अंतर ही समाप्त कर दें। राहुल गांधी ने जो लाइन भारतीय सेना के लिए उपयोग की है, वह कतई उपयुक्त और उचित नहीं कही जा सकती। जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि "चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है, 20 भारतीय सैनिकों को मार डाला है और अरुणाचल प्रदेश में हमारे जवानों की पिटाई कर रहा है। चीन, भारत की सीमा पर युद्ध की तैयारी कर रहा है.... हिंदुस्तान की सरकार सोई हुई है"। राहुल गांधी को समझना होगा कि यह 1962 का भारत नहीं है, जो कम्युनिस्ट चीन पर आंख बंद करके सोया रहा। अनेक बार चेताने के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने चेतावनियों की अनसुनी की। वे कम्युनिस्टों के फेर में हिन्दी-चीनी, भाई-भाई के खोखले नारे में खोये रहे। यह नया भारत है। यह सोया हुआ नहीं है। यह जागृत भारत है। इसलिए चीनी सैनिकों के पिटते हुए दृश्य दिखाई दे रहे हैं। भारत ने पिछले सात-आठ वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रणनीतिक मजबूती की दिशा में अधोसंरचना का विस्तार किया है। चीन के छल को और उसकी ओर से खतरे को ध्यान में रखकर भारत सरकार 2014 के बाद से ही लगातार वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भारतीय सेना के अनुरूप निर्माण कार्य करा रही है। सेना को भी अधिक साधन सम्पन्न बनाने का काम किया गया है। वहीं, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत लगातार प्रयास कर ही रहा है। परंतु ये तथ्य संभवतः राहुल गांधी के ध्यान में नहीं हैं। इसलिए, ही वे न तो भारत सरकार की बात पर भरोसा करते हैं और न ही भारतीय सेना का पक्ष उन्हें सुनाई देता है। जिस समय समूचा देश अपनी सेना के साथ खड़ा है और भारतीय सैनिकों द्वारा चीनी सैनिकों की पिटाई को देखकर गर्वित है, उस समय राहुल गांधी सेना का अपमान करते हुए कह रहे हैं कि भारतीय सैनिक पिट रहे हैं। उनका यह वक्तव्य इस देश को स्वीकार नहीं है। राहुल गांधी को भारत जोड़ने की अपेक्षा भारत को समझने के लिए यात्रा पर निकलना चाहिए।

भारतीय सेना की ओर से भी यही वक्तव्य जारी किया गया है कि हमारे सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे चीनी सैनिकों को वापस उनकी सीमा में खदेड़ दिया है। हैरानी है कि राहुल गांधी ने चीनी सैनिकों की पिटाई के वीडियो नहीं देखे और न ही सेना का अधिकृत बयान पढ़ा। और यदि राहुल गांधी चीनी सैनिकों की पिटाई का वीडियो देखने के बाद भी यह कह रहे हैं कि चीन भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहा है, तब उनकी निष्ठा एवं राजनीतिक समझ पर संदेह होता है। यह बात सही है कि वे इस समय विपक्ष में हैं और वर्तमान सरकार पर सवाल खड़े करना उनका काम है। लेकिन सत्ता का विरोध करते हुए इतना आगे नहीं निकलना चाहिए कि हम सत्ता और देश विरोध का अंतर ही समाप्त कर दें। राहुल गांधी ने जो लाइन भारतीय सेना के लिए उपयोग की है, वह कतई उपयुक्त और उचित नहीं कही जा सकती। जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि "चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है, 20 भारतीय सैनिकों को मार डाला है और अरुणाचल प्रदेश में हमारे जवानों की पिटाई कर रहा है।

2 अगस्त सन 1954 को दादर-नागर हवेली में भारत का तिरंगा ध्वज फहराकर पुर्तगालियों की परतंत्रता से मुक्ति मिली

राष्ट्रवादियों ने लिखी थी, गोवा मुक्ति की पटकथा

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

आजाद भारत की 31 जुलाई सन1954 की तारीख उस स्वर्णिम अध्याय के तौर पर दर्ज है , जो अपने आप में ऐतिहासिक है। उस दिन आजाद गोमांतक दल एवं राष्ट्र ीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में सैकड़ोंकी संख्या में स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने अखण्ड भारतवर्ष के दादर-नागर हवेली को पुर्तगाल शासन से मुक्त कराने के लिए आगे बढ़ चले । और रात्रि में भीषण बारिश होने के बावजूद भी — अपने अदम्य साहस व शौर्य के बलबूते पुर्तगाली सैनिकों को परास्त किया। यूँही 2 अगस्त सन1954 को दादर-नागर हवेली में भारत का तिरंगा ध्वज फहराकर पुर्तगालियों की परतंत्रता से मुक्ति मिली ।

स्वतंत्रता प्राप्ति एवं विभाजन के पश्चात तत्कालीन रियासतों एवं स्वतंत्र प्रांतों को भारतीय संघ के तौर पर एकीकरण के ऐतिहासिक कार्य को सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदृष्टि ने मूर्तरूप देने का कार्य किया। उस समय ऐसे क्षेत्र जो ब्रिटिश शासन के अधीन नहीं थे जिनमें कई देशी रियासतें शामिल थीं। इसके अलावा भारतीय उपमहाद्वीप के कई क्षेत्र यथा — गोवा ,दमन-दीव , दादर एवं नगर हवेली इत्यादि सन 1954 के पूर्व फ्रांस एवं पुर्तगाल शासन के अधीन थे। 'पुर्तगाल सरकार' इन क्षेत्रों पर अपना आधिकारिक -सैन्य शासन करती थी । इस क्षेत्र का हमारे धार्मिक-पौराणिक ग्रंथों में वर्णन है । इस पावन भू-भाग का भगवान परशुराम की पुण्यभूमि 'कोंकण' के तौर पर पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। किन्तु दुर्भाग्य यह रहा कि निकृष्ट ,बर्बर ,क्रूर अरबों-तुर्कों , मुगलों तथा अंग्रेजी परतंत्रता की बेड़ियों समेत पुर्तगाल ने इस पवित्र भूमि को अपने अधीन कर सदियों की परतंत्रता की त्रासदी में जकड़े रखा था। जब भारतीय चेतना जगी तो लुटेरों के अत्याचारों की बुनियाद में खड़े किले पर किले ढहने लगे। और इसी क्रम में गोवा, -दमन -दीव,दादर एवं नागर हवेली की स्वतंत्रता की गाथा अपने आप में स्वातंत्र्योत्तर भारत के संघर्ष की अपनी एक अलग कहानी है। उस समय जमीनी संघर्ष एवं क्रांति की चिंगारी जलाने के लिए अखण्ड भारत के मतवाले अपने प्राणों की परवाह किए बगैर स्वयं की शक्ति से स्वतंत्रता की आहुति में कूद पड़े थे। आजाद भारत की 31 जुलाई सन1954 की तारीख उस स्वर्णिम अध्याय के तौर पर दर्ज है, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। उस दिन आजाद गोमांतक दल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने अखण्ड भारतवर्ष के दादर-नागर हवेली को पुर्तगाल शासन से मुक्त कराने के लिए आगे बढ़ चले । और रात्रि में भीषण बारिश होने के बावजूद भी अपने अदम्य साहस व शौर्य के बलबूते पुर्तगाली सैनिकों को परास्त किया। यूँही 2 अगस्त सन1954 को दादर-नागर हवेली में भारत का तिरंगा ध्वज फहराकर पुर्तगालियों की परतंत्रता से मुक्ति मिली । और माँ भारती का ध्वज लहराने लगा। तत्पश्चात परिस्थितियां सामान्य होने पर 15 अगस्त सन 1954 को वहाँ

स्वतंत्रता दिवस मनाकर माँ भारती के लाड़लों ने अपने अदम्य साहस का परिचय करवाया था । तदुपरान्त संवैधानिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से दादर एवं नागर हवेली को 10 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1961 के अन्तर्गत संघ शासित क्षेत्र में सम्मिलित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दृष्टि सदैव से ही महाभारत कालीन आर्यावर्त्त की पवित्र पुण्य भूमि के स्वरूप को मानस पटल पर अंकित कर ' अखण्ड भारतवर्ष 'के निर्माण की रही है। इसी कड़ी में जब 'गोवा' को भारतीय क्षेत्र में सम्मिलित करने के लिए पंडित नेहरू को राष्ट्रवादियों द्वारा सशस्त्र हस्ताक्षेप करने को कहा गया था तो उन्होंने इससे इंकार कर दिया था। नेहरु द्वारा इस प्रस्ताव को अस्वीकृत करने के बाद भी माँ भारती के अखण्ड स्वरूप की झाँकी ह्रदय में बसाए हुए सपूतों ने अपना लक्ष्य सुनिश्चित कर लिया था। उन्होंने यह तय किया था कि -चाहे जो हो जाए हमारी भारतमाता की पुण्यभूमि के आधे इंच पर भी विदेशी सत्ता नहीं टिक सकती। अपने इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिए 13 जून सन 1955 को कर्नाटक से भारतीय जनसंघ के नेता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक जगन्नाथ राव जोशी ने गोवा सत्याग्रह की शुरुआ की। और 'गोवा मुक्ति अभियान' का शंखनाद कर दिया था। इस गोवा सत्याग्रह में राष्ट्रवाद की रणभेरी 'मेरा रंग दे बसंती चोला' एवं वन्देमातरम ,भारतमाता के जयकारों से गूँज उठी। इस अभियान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक जगन्नाथ राव जोशी के साथ लगभग 3000 की संख्या में 'गोवा मुक्ति' के लिए वीर व्रतधारी कार्यकर्ताओं का एक दल कूच करने गया था। और इस अभियान में मातृशक्तियों ने भी बढ़- चढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके पूर्व 15 जून सन1946 को डॉ. राममनोहर लोहिया ने गोवा की जनता को पुर्तगाल शासन से मुक्ति के लिए सभा की थी। और 18 जून सन1946 से सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू कर दिया था। इस आन्दोलन में उन्होंने गोवा के लोगों को पुर्तगाल शासन के विरुद्ध उठ खड़ा होने के लिए आह्वान किया था। इससे वहाँ के जनसामान्य में पुर्तगाल उपनिवेश के विरुद्ध क्रांति की चिंगारी सुलग चुकी थी ।15 अगस्त सन 1955 को 'गोवा' की स्वतंत्रता के लिए किए गए सत्याग्रह में 5000 से अधिक सत्याग्रहियों पर गोवा में तैनात पुर्तगाली सेना ने गोलियां चला दी थी। इस गोलीकांड से लगभग 51 की संख्या में आन्दोलनकारियों की मृत्यु हो गई थी। गोवा मुक्ति की ज्वाला धधक उठी। और गोवा के स्वातंत्र्य संघर्ष में धार्मिक-सामाजिक एवं सांस्कृतिक तौर पर सभी एकजुट होकर उठ खड़े हो गए। उन मतवालों के ह्रदय में स्वतंत्रता की जो क्रांति धधक रही थी, उसमें अपनी सम्पूर्ण सामर्थ्य अनुसार सभी ने आहुति सौंपी। इस स्वातंत्र्य यज्ञ में उस समय के प्रसिद्ध संगीतकार और स्वयंसेवक सुधीर फड़के 'बाबुजी' ने सांस्कृतिक आधार पर एकजुटता का परिचय दिया। और लोकसंस्कृति की समरसता के आधार पर उन्होंने जनसामान्य को एकत्रित करने का अतुलनीय कार्य किया था। हमारी प्राचीनतम्परम्परा के अनुसार मातृशक्ति जब चण्डी कि स्वरूप ग्रहण करती है तो किसी भी कार्य की पूर्णता स्वमेव सुनिश्चित हो जाती है। यह स्वातंत्र्य समर भी उस शक्ति के तपबल से परिपूर्ण रहा । गोवा मुक्ति आन्दोलन के लिए जाने वाले वीर सपूतों को सरस्वती आपटे 'ताई' के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेविका समिति द्वारा महाराष्ट्र के पुणे में एकत्रित होने वाले सभी सत्याग्रहियों के भोजन आदि की व्यवस्था की जाती थी 15 अगस्त सन 1955 के दिन जब सम्पूर्ण देश में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस की नौवीं वर्षगांठ मनाई जा रही थी । उस समय माँ भारती के लाड़ले वीर पुत्र वन्देमातरम के जयगान के साथ गोवा की मुक्ति के लिए आगे बढ़ रहे थे। माँ भारती के वीर सपूत बर्बर पुर्तगालियों की बन्दूकों की गोलियाँ को सहज ही अपने सीने में सहन कर रहे थे। और गोवा मुक्ति के यज्ञ में आहुति बनकर वीरों की तरह आगे बढ़ रहे थे।

कुपोषण की चुनौती और मोटा अनाज

पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का , रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्त्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थोंकी बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। इनकी खेती सस्ती और कम जोखिम वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रह योग्य बने रहते हैं। देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का , रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है।ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं।

ऐसे में निश्चित रूप से मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ा कर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। इस समय जब देश में भूख और कुपोषण की चुनौतियां उभर रही हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 के व्यापक प्रचार-प्रसार से मोटे अनाज के अधिक उत्पादन और वितरण से इस चुनौती से पार पाने की संभावनाएं भी दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित 'द स्टेट आफ फूड सिक्योरिटी ऐंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट-2022' के अनुसार 2021 में भारत की 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण और भूख का सामना कर रही थी, तो दुनिया में कुपोषण की चुनौती का सामना करने वाले लोगों की कुल संख्या 76.8 करोड़ थी। विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक, इस कुपोषित आबादी की थालियों में मोटे अनाज बढ़ा कर कुपोषण कम करने की डगर पर आगे बढ़ा जा सकता है। गौरतलब है कि मोटे अनाजों को पोषण का शक्ति केंद्र कहा जाता है। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्त्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। इनकी खेती सस्ती और कम जोखिम वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रह योग्य बने रहते हैं। देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। हालांकि तकनीक और अन्य सुविधाओं के दम पर पांच दशक पहले की तुलना में प्रति हेक्टेयर मोटे अनाजों की उत्पादकता बढ़ गई है, लेकिन इनका रकबा तेजी से घटा और इनकी पैदावार कम हो गई है। इनका उपभोग लगातार कम होता गया है। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब चालीस प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय दस प्रतिशत से भी कम हो गई है। ऐसे में देश में करोड़ों लोगों के लिए पोषण युक्त आहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की लगभग दो तिहाई आबादी सबसिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। सभी पात्र परिवारों को तीन रुपए किलो चावल, दो रुपए किलो गेहूं और एक रुपए किलो की दर से मोटे अनाज का वितरण आवश्यक है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए भी अनाज का एक बड़ा भाग उपभोग में आ रहा है। चूंकि गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज में पोषक तत्त्व अधिक हैं और ये किसान हितैषी फसलें हैं, इसलिए इनका अधिक उत्पादन और वितरण किया जाना कुपोषण को दूर करने में काफी मददगार साबित होगा। भारत के अधिकांश राज्य एक या अधिक मिलेट (मोटा अनाज) उगाते हैं। खासकर अप्रैल 2018 से सरकार देश में मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'मिशन मोड' में काम कर रही है। मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में राहतकारी वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मोटे अनाज घटक चौदह राज्यों के दो सौ बारह जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा। इन्हें उगाने के लिए किसानों को अनेक सहायता दी जाती है। देश में मिलेट मूल्यवर्धित श्रृंखला में पांच सौ से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। मोटे अनाज के वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा करीब चालीस फीसद है। इनके उत्पादन और निर्यात में पूरी दुनिया में भारत पहले स्थान पर है। देश में मोटा अनाज उत्पादन के शीर्ष राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में इनके उत्पादन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह पिछले चार-पांच दशक में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, वैसे ही कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। जब किसानों को भरोसा होगा कि उन्हें मोटे अनाजों की उपज का सही दाम मिल सकता है, तो निस्संदेह वे मोटे अनाज की खेती के लिए भी प्रोत्साहित होंगे हैं। अब सरकारी खरीद में मोटे अनाज की हिस्सेदारी और न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाना और अधिक उपज के लिए बायो फर्टिलाइज तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा। मोटे अनाजों को लोकप्रिय बनाने के लिए इनसे नूडल्स, कुरकुरे आदि बनाने की दिशा में भी अधिक काम करना होगा, जिससे मोटे अनाजों के बाजार का विस्तार होगा। किसान इनकी खेती के लिए अधिक प्रोत्साहित होंगे। खासकर देश और दुनिया में कुपोषण की चुनौती को दूर करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और खाद्यान्न की कीमतों के नियंत्रण में मोटे अनाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका बनानी होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ानी और इनके निर्यात को बढ़ाने की नई रणनीति बनानी होगी। निस्संदेह बढ़ते वैश्विक कुपोषण और भूख संकट के दौर में भारत में भूख और कुपोषण की चुनौती को कम करने में मोटे अनाजों की अधिक आपूर्ति के साथ कई और बातों को भी ध्यान में रखा जाना होगा। देश में गरीबों के सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं के अधिक विस्तार, कृषि क्षेत्र में सुधार तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के नए कदम जरूरी होंगे। अब केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अधिक नकद धन हस्तांतरित किया जाना लाभप्रद होगा। सरकारी योजनाओं के और अधिक लाभ डीबीटी से लाभार्थियों तक पहुंचने से गरीबों का सशक्तिकरण होगा और कुपोषण की चुनौती कम होगी। सरकार द्वारा सामुदायिक रसोई की व्यवस्था को मजबूत बना कर उन जरूरतमंदों के लिए भोजन की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, जिन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही देश में बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर और सफल बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता करते हुए अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों और लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन और वैश्विक उपभोग बढ़ेगा।

कुछ अलग

स्कूली बस्तों में क्या?

हाल ही में आई एक खबर ने सबको चौंकाया। बेंगलुरु के एक स्कूल में प्रिंसिपल को शिकायत मिली कि बच्चे बैग में मोबाइल फोन छिपाकर ला रहे हैं। बैग चेक करवाए तो सबकी आंखें फटी रह गईं। 8वीं, 9वीं और 10वीं क्लास के स्टूडेंट्स के बैग में कंडोम, गर्भ निरोधक गोलियां, लाइटर, सिगरेट, वाइटनर जैसी चीजें निकलीं। पानी की बोतलों में शराब थी। कुछ स्कूलों ने पैरंट्स को स्कूल बुलाया और उनसे बात की। ज्यादातर ने कहा कि बच्चों के साथ बैठकर बात करेंगे। इससे ज्यादा वे बोल भी नहीं सकते थे। आखिर उनसे किसी ने पूछा भी नहीं होगा कि अब तक बात नहीं कर रहे थे क्या! आपको इस खबर से हैरानी हो सकती है, मुझे नहीं हुई। इसलिए कि यह नई बात नहीं है। 2004 में दिल्ली के एक स्कूल में हुआ एमएमएस कांड सबको याद होगा। मोबाइल फोन में कैमरा और ब्लूटूथ आने लगे थे। स्कूली बच्चों के बीच क्या चल रहा था, यह कैमरे में आ गया था। आप कहेंगे कि मोबाइल फोन आने से बच्चों पर खराब असर पड़ने लगा। ऐसा भी नहीं है। उससे पीछे चलते हैं। मैं अपनी आठवीं क्लास की बात करता हूं। 1995-96 के आसपास वीसीआर का चलन था। हम छोटे शहरों के बच्चे दो-तीन महीने में एक बार केवल तभी वीसीआर पर फिल्में देख पाते थे, जब कोई किराए पर इसे लाता था। लेकिन दिल्ली में तब घर में वीसीआर/वीसीपी रखे जाने लगे थे। मैं कभी छुट्टियों में आता था तो मेरी उम्र के ही बच्चों के पास ऐसा कुछ देख लेता था कि झुरझुरी छूट जाती थी। जैसे एक बार मुझे पता चला कि यहां तो 8वीं-9वीं क्लास के बच्चे अडल्ट या पोर्न फिल्मों की विडियो कैसेट तक अपने बैग में लेकर स्कूल चले जाते हैं। ये कैसेट साइज में एक किताब जितनी बड़ी होती थीं, उसके बावजूद उनको इसे बैग में रखते घबराहट नहीं होती थी। स्कूल में ये एक्सचेंज की जाती थीं। यह बताने का मकसद केवल इतना है कि इस उम्र में बच्चों की जिज्ञासाएं क्या होती हैं। हो सकता है अब वे और कम उम्र में आने लगी हों। लेकिन आप सोचिए कि समस्या का पता होने के बाद भी हमारी शिक्षा प्रणाली और पैरंट्स के बच्चों के साथ व्यवहार में क्या बदलाव आया है। क्या इन दोनों में से किसी ने इस समस्या को खत्म करने के लिए कोई खास कदम उठाया? सेक्स एजुकेशन पर कोई बात होती है तो विरोध के स्वर पहले सुनाई देने लगते हैं। बच्चों के मनोविज्ञान से जुड़ी समस्याओं पर कोई खुलकर बात नहीं करता। आप कितने स्कूलों में ऐसे काउंसलर देखते हैं, जिनके पास जाकर बच्चे बिना डर और झिझक के अपनी समस्या शेयर कर सकें।

2004 में दिल्ली के एक स्कूल में हुआ एमएमएस कांड सबको याद होगा। मोबाइल फोन में कैमरा और ब्लूटूथ आने लगे थे। स्कूली बच्चों के बीच क्या चल रहा था, यह कैमरे में आ गया था। आप कहेंगे कि मोबाइल फोन आने से बच्चों पर खराब असर पड़ने लगा। ऐसा भी नहीं है। उससे पीछे चलते हैं। मैं अपनी आठवीं क्लास की बात करता हूं। 1995-96 के आसपास वीसीआर का चलन था। हम छोटे शहरों के बच्चे दो-तीन महीने में एक बार केवल तभी वीसीआर पर फिल्में देख पाते थे, जब कोई किराए पर इसे लाता था।

नागरिक बोध

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामले

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड इन इंडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि आत्महत्या से छात्रों की मौत की संख्या में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें हुईं, इसके बाद मध्य प्रदेश और तमिलनाडु का स्थान रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच सालों से छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों के पीछे कारणों में बेरोजगारी दर बहुत अधिक है। सिक्किम में, राज्य की लगभग 27% आत्महत्याएँ बेरोजगारी से संबंधित थीं और 21 से 30 वर्ष की आयु के बीच सबसे आम पाई गईं। परीक्षा केंद्रित शिक्षा से भारत में छात्रों की आत्महत्याओं में अंक, अध्ययन और प्रदर्शन के दबाव के साथ अकादमिक उत्कृष्टता की तुलना करना महत्वपूर्ण कारक हैं। ऐसा क्या है जो छात्रों को आत्महत्या के लिए इतना प्रवृत्त करता है? भारत में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे किसी भी छात्र के साथ एक साधारण साक्षात्कार, चाहे वह जेईई, एनईईटी या सीएलएटी हो, यह प्रकट करेगा कि छात्रों के बीच मानसिक संकट का प्रमुख स्रोत उन पर दबाव की असहनीय मात्रा है जो लगभग हर एक द्वारा डाला जाता है। उन कुछ वर्षों की अवधि के दौरान जो हम छात्र एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए अलग रखते हैं, हर शिक्षक, हर रिश्तेदार और हर चाची या चाचा कठिन अध्ययन और एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के महत्व को दोहराते हैं। जबकि छात्र स्कूल से स्नातक होने के बाद क्या करने की आकांक्षा रखता है, या जहां उसकी रुचियां हैं, उसके बारे में सहज पूछताछ की बहुत सराहना की जाती है और यहां तक कि हमें प्रेरित भी करती है, विशेष रूप से कुछ माता-पिता, कई रिश्तेदारों और अधिकांश कोचिंग क्लास के हाथों लगातार होने वाली बहस प्रशिक्षकों का निश्चित रूप से हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इससे यह सवाल उठता है कि छात्रों के दिमाग से दबाव को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है। इस प्रश्न का उत्तर इतना जटिल नहीं है और वास्तव में यह हमारी आंखों के सामने है। प्रवेश परीक्षाओं के व्यावसायीकरण पर अंकुश लगाने के लिए पहला कदम उठाने की जरूरत है। इन सभी परीक्षाओं की अत्यधिक जटिल प्रकृति (सभी नहीं) का अनिवार्य रूप से मतलब है कि उन्हें पास करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटरों में दाखिला दिलाने का सपना पूरा करना होगा, इससे छात्र के लिए एक से अधिक तरीकों से समस्या बढ़ जाती है क्योंकि वह कोचिंग पर माता-पिता द्वारा खर्च किए गए पैसे को चुकाने के लिए अब परीक्षा को पास करने का दबाव बढ़ गया है और उसे कोचिंग संस्थान के अतिरिक्त दबावों का भी सामना करना पड़ता है।

देश दुनीया से

राहुल और बिलावल अपनी अपनी पार्टी के मालिक जरूर हैं, लेकिन सोच संभलकर नहीं बोलते

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो और कांग्रेस के मालिक राहुल गांधी के बयानों पर भारत में तीखी प्रतिक्रियाएं हो रही हैं। पता नहीं, इन दोनों पार्टी-मालिकों के बयानों पर भाजपाइयों को इतने नाराज होने की जरूरत क्या है? जहां तक बिलावल का सवाल है, वह जब छोटा बच्चा था तो अपनी मां बेनज़ीर के साथ मुझसे मिलने अक्सर दुबई में आया करता था। अब वह अचानक पार्टी का मुखिया और विदेश मंत्री बन गया है। उसके मुंह से यदि कोई अग्निवर्षक बयान नहीं निकलेगा तो पाकिस्तान में उसे कौन गांठेगा? वह अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो से भी आगे निकलना चाहता है। इसीलिए उसने अपना उपनाम अपने पिता ज़रदारी का रखने की बजाय अपने नाना भुट्टो का रख लिया है। भुट्टो कहा करते थे कि भारत से यदि हजार साल भी लड़ना पड़े तो वे लड़ते रहेंगे लेकिन वे कश्मीर लेकर रहेंगे। बेनज़ीर से मैं जब-जब भी मिला तो मैंने उनसे कहा कि आप कश्मीर लेने के चक्कर में पाकिस्तान खो बैठेंगी। फौज के तले दबे हुए पठान, बलूच और सिंधी आपके देश के कई टुकड़े कर देंगे। मुझे विश्वास था कि बिलावल बड़ा होकर इस मुद्दे पर ध्यान देगा लेकिन उसने न्यूयार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन से कर दी। अब जबकि प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान काफी संतुलित बयान दे रहे हैं, बिलावल ने ऐसा अतिवादी बयान देकर अपन छवि बनाई या बिगाड़ी है, वह जरा खुद सोचें। इसी तरह राहुल गांधी ने तवांग में हुई छुटपुट भारत-चीन मुठभेड़ के बारे में कुछ ऐसी बातें कह दी है कि जो उल्टे बांस बरेली जैसी लगती हैं। उन्होंने पूछा है कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में मोदी चुप क्यों हैं? राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरुजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शार्मिंदगी उठानी पड़ी थी। पिछले पांच-छह दशक के शासन-काल में क्या कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश की? राहुल के पिताजी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तो चीनी नेताओं से गल-मिलव्वल के लिए 1988 में चीन भी पहुंच गए थे। कांग्रेस ने मोदी से तवांग पर सात सवाल पूछे हैं, उनमें से कुछ तो बिल्कुल सही हैं, जो विरोधी दलों को उठाना ही चाहिए लेकिन ये सवाल जिस तरह से पूछे गए हैं, वे भारत के राष्ट्रहितों का अहित तो करते ही हैं साथ ही हमारे बहादुर फौजियों का मनोबल भी गिराते हैं। कांग्रेस के राजीव गांधी फाउंडेशन का चीन से जो लेन-देन रहा है, वह भी इन बयानों से बराबर उजागर होता है। इसीलिए बिलावल भुट्टो और राहुल गांधी, जैसे युवा नेताओं को इस तरह के विवादास्पद बयान देते समय कुछ अनुभवी सलाहकारों से परामर्श जरूर कर लेना चाहिए।

बेनज़ीर से मैं जब-जब भी मिला तो मैंने उनसे कहा कि आप कश्मीर लेने के चक्कर में पाकिस्तान खो बैठेंगी। फौज के तले दबे हुए पठान, बलूच और सिंधी आपके देश के कई टुकड़े कर देंगे। मुझे विश्वास था कि बिलावल बड़ा होकर इस मुद्दे पर ध्यान देगा लेकिन उसने न्यूयार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन से कर दी। अब जबकि प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान काफी संतुलित बयान दे रहे हैं, बिलावल ने ऐसा अतिवादी बयान देकर अपन छवि बनाई या बिगाड़ी है, वह जरा खुद सोचें। इसी तरह राहुल गांधी ने तवांग में हुई छुटपुट भारत-चीन मुठभेड़ के बारे में कुछ ऐसी बातें कह दी है कि जो उल्टे बांस बरेली जैसी लगती हैं। उन्होंने पूछा है कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में मोदी चुप क्यों हैं? राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरुजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शार्मिंदगी उठानी पड़ी थी।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड की नौसेना का पोत समुद्र में डूबा, 75 को बचाया, 31 लापता

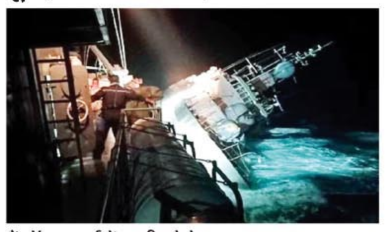

बैंकॉक। थाईलैंड की नौसेना का एक जहाज रविवार को समुद्र में डूब गया। उस पर 100 से ज्यादा लोग सवार थे। 75 लोगों को निकाल लिया गया है, जबकि 31 अब भी लापता बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार रविवार शाम को थाईलैंड की खाड़ी में चली तेज हवाओं व समुद्री लहरों के चलते रॉयल थाई नौसेना का पोत एचटीएमएस सुखोथाई कार्वेट डूब गया। राहत व बचाव के लिए जहाज और हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया है। सूचना मिलते ही रॉयल नैवी ने तीन पोतों व दो हेलीकॉप्टरों को मोबाइल पंपिंग मशीनों के साथ जहाज का पानी निकालने के लिए भेजा था, लेकिन तेज हवाओं के कारण वे इसमें विफल रहे। जहाज की विद्युत प्रणाली ठप होने से उसमें तेजी से पानी भरने लगा। इसके कारण वह डूब गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब यह युद्धपोत प्रचुआप खीरी खान प्रांत में बंगसफान जिले में घाट से 32 किलोमीटर दूर समुद्र में गश्त पर था। दक्षिणी थाईलैंड हाल के दिनों में तूफान और बाढ़ का सामना कर रहा है। इसे देखते हुए जहाजों को तट पर रहने की चेतावनी दी गई थी। नौसेना ने कहा कि सोमवार सुबह तक 75 सवारों को बचा लिया गया, लेकिन 31 अब भी पानी में हैं।

एक और मकसद में कामयाब हुआ उ. कोरिया, जासूसी सैटेलाइट के अंतिम चरण का किया परीक्षण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर से अपने खतरनाक मंसूबों में कामयाब हो गया है। दरअसल, उत्तर कोरिया ने जासूसी सैटेलाइट के अंतिम चरण का परीक्षण कर लिया है। इस परीक्षण से जापान और दक्षिण कोरिया के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। इस परीक्षण का मकसद पड़ोसी देशों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना है। इतना ही नहीं किम जोंग इस सैटेलाइट की लॉन्चिंग अप्रैल 2023 तक पूरा करना चाहते हैं। यह रिपोर्ट दक्षिण कोरियाई और जापानी सेनाओं द्वारा अपने पूर्वी तट की ओर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की लॉन्चिंग के बाद आई है।

भारत और श्रीलंका के बीच अगले महीने से शुरू होगी फेरी सेवा

कोलंबो। भारत और श्रीलंका अगले महीने श्रीलंका के जाफना जिले में कांकेसंतुरई बंदरगाह और पुडुचेरी के बीच यात्री फेरी सेवा की शुरुआत करेंगे। कोलंबो पेज की खबर के अनुसार, बंदरगाह, नौवहन और नागरिक उड्डयन मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा ने कहा कि अगले साल मध्य जनवरी में फेरी सेवा शुरू करने की व्यवस्था की गई है। डेली मिरर की खबर के मुताबिक, मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने इस सेवा के लिए सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि काफी भारतीय नागरिक जाफना प्रायद्वीप में व्यावसायिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। इस तरह के जुड़ाव से, नई सेवा से विदेशी राजस्व का एक बड़ा हिस्सा उत्पन्न होने की उम्मीद है। इससे भारत आने वाले बौद्ध तीर्थयात्रियों को भी काफी सुविधा होगी। दक्षिण भारत से श्रीलंका के त्रिंकोमाली और कोलंबो तक यात्री परिवहन सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। अब तक थलाइमन्नार और भारत के बीच फेरी सेवा शुरू करने के बारे में कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकल सका है।

सिख व्यक्ति पर पत्नी की हत्या करने का आरोप, कनाडा पुलिस ने किया गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 40 वर्षीय सिख व्यक्ति को पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कनाडा पुलिस ने एक बयान में कहा है कि नविंदर गिल ने बीते दिनों 40 वर्षीय हरप्रीत कौर गिल की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। पति-पत्नी सरी में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, 7 दिसंबर को एक महिला को चाकू मारे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हरप्रीत कौर गिल को घायल अवस्था में पाया। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया, बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। बयान में कहा गया है कि हत्या के आरोपी पति को घटनास्थल पर ही हिरासत में ले लिया गया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया था। पुलिस ने बताया कि 15 दिसंबर को फिर से जांच अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बता दें, कनाडा में नवंबर से अलग-अलग घटनाओं में भारतीय मूल के तीन लोगों की हत्या हुई। तीन दिसंबर को ओंटारियो प्रांत में 21 वर्षीय सिख महिला पवनप्रीत कौर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसी दिन कनाडा के अलबर्टा प्रांत में भारतीय मूल के 24 वर्षीय सिख व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई थी। इससे पहले नवंबर में, ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक हाई स्कूल पार्किंग में 18 वर्षीय भारतीय मूल के किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

नेता पद पर दहल के दावा ठोकने से उलझा कौन बनेगा प्रधानमंत्री का सवाल

काठमांडो।

नेपाल में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने नई सरकार के गठन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपना दावा पेश करने को कहा है। पार्टियों से कहा गया है कि अपने पक्ष में बहुमत का समर्थन होने का दावा वे 25 दिसंबर तक पेश कर दें। राष्ट्रपति भवन ने कहा है कि विद्या देवी भंडारी सरकार गठन में देर करने के पक्ष में नहीं हैं। सूत्रों ने कहा कि किसी दल या गठबंधन की तरफ से सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किए जाने के कारण राष्ट्रपति को अपनी तरफ से सरकार गठन की पहल करनी पड़ी।

नेपाल में हुए संसदीय आम चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। 275 सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा में पूर्ण बहुमत के लिए 138 सीटें चाहिए। लेकिन नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाला सत्ताधारी गठबंधन 136 सीटें ही जीत पाया। इसके बावजूद फिलहाल इस गठबंधन की ही सरकार बनने की संभावना सबसे ज्यादा मजबूत है। लेकिन इस नई सरकार का नेतृत्व कौन करेगा, इस अहम सवाल पर अभी तक इस गठबंधन में सहमति नहीं बन पाई है।

अब इस बात के ठोस संकेत हैं कि सत्ताधारी गठबंधन के अंदर प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल के बीच नेता पद को लेकर जबरदस्त खींचतान चल रही है। दोनों में इस बात पर सहमति है कि वे पांच साल के कार्यकाल में आधे-

आधे समय तक प्रधानमंत्री रहेंगे। लेकिन पहले प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इसको लेकर विवाद बढ़ गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दहल ने शनिवार को देउबा से मुलाकात की थी। उस दौरान उन्होंने पहले प्रधानमंत्री बनने का अपना दावा औपचारिक रूप से जता दिया। इस बात की पुष्टि नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता प्रकाश शरण महत ने की है। उन्होंने कहा- शनिवार की मुलाकात में दहल ने औपचारिक रूप से नेपाली कांग्रेस का समर्थन मांगा, ताकि वे पहले प्रधानमंत्री बन सकें। महत ने कहा- 'दहल की तरफ से ऐसा प्रस्ताव आने की अपेक्षा थी। लेकिन चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के कारण यह स्वाभाविक है कि नेपाली कांग्रेस पहले सरकार का नेतृत्व करे।'

नेपाली कांग्रेस के सूत्रों ने मीडियाकर्मियों को बताया है कि दहल के प्रस्ताव पर देउबा ने उन्हें कोई ठोस जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने कहा कि अभी भी देउबा ही अगला प्रधानमंत्री बनने की होड़ में सबसे आगे हैं। अगर देउबा फिर से प्रधानमंत्री बने, तो इस पद पर यह उनका छठा कार्यकाल होगा। लेकिन देउबा के लिए चुनौती सिर्फ दहल ही नहीं हैं। बल्कि खुद उनकी अपनी पार्टी के कई नेता भी इस होड़ में शामिल हैं।

हालांकि माओइस्ट सेंटर को हाल के आम चुनाव में सिर्फ 32 संसदीय सीटें मिली हैं, इसके बावजूद प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्त्वाकांक्षा विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के रुख से बढ़ी है। सूत्रों के मुताबिक यूएमएल ने उनके सामने प्रस्ताव रखा है कि अगर वे सत्ताधारी गठबंधन छोड़ दें, तो वह प्रधानमंत्री पद पर उनकी दावेदारी का समर्थन कर सकती है। नेपाली कांग्रेस के एक नेता ने कहा- 'माओइस्ट सेंटर के कुछ नेता यूएमएल के साथ लगातार संपर्क में हैं।

उनका मकसद दहल को प्रधानमंत्री बनाने के लिए सत्ताधारी गठबंधन की अन्य पार्टियों पर दबाव बनाना है।

आतंकवादी हमलों के कारण अफगान-पाक में बढ़ रही दूरियां

भड़कता ही जा रहा है पाकिस्तान और अफगानिस्तान का टकराव

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में इस महीने तेजी से गिरावट आई है। पाकिस्तान से लगी सीमा पर लगातार हो रहे आतंकवादी हमलों के कारण अफगानिस्तान में सत्ताधारी तालिबान और पाकिस्तान सरकार के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। पिछले हफ्ते चमन सीमा पर अफगानिस्तान की तरफ से हुई गोलाबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दर्जनों नागरिक घायल हो गए थे। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से चमन सीमा तकरीबन 100 किलोमीटर दूर है। इसके पहले 11 दिसंबर को उसी इलाके में अफगानिस्तान की तरफ से हुई गोलाबारी में सात नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया है कि पाकिस्तानी बलों ने गोलाबारी की घटनाओं का मुंहतोड़ जबाव दिया, जिसमें अफगानिस्तान के आठ से नौ सैनिक मारे गए। लेकिन अफगानिस्तान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इन घटनाओं से खफा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते सप्ताहांत एक बयान में कहा- अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं फिर ना हों।

पाकिस्तान के सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान की अभी तक कोशिश किसी तरह तनाव को काबू में रखने की है। उनके मुताबिक देश के

अंदर बढ़ रहे राजनीतिक और आर्थिक संकट के कारण पाकिस्तान सरकार नहीं चाहती कि विवाद ज्यादा भड़के।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पाकिस्तान के सैनिकों के सीमा पर मरम्मत कार्य में शामिल होने को लेकर विवाद शुरू हुआ। तालिबान सैनिकों ने नागरिक इलाकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ फखर काकाखेल ने कहा है कि असैनिकों को निशाना बनाने की घटनाओं से जाहिर है कि तालिबान अभी तक जिहादी सोच से बाहर नहीं निकले हैं। वे अपने को एक संगठित और अनुशासित सुरक्षा बल में तब्दील नहीं कर पाए हैं।

तालिबान नेतृत्व के एक निकट सूत्र ने बताया कि तालिबान लड़ाकों ने जिस तरह लड़ते हुए जिंदगी गुजारी है, उसके बीच उनसे यह उम्मीद करना ठीक नहीं है कि वे बातचीत से मसले का हल निकालेंगे। उस सूत्र ने कहा- 'तालिबान अब चाहते हैं कि उनसे समानता के स्तर पर व्यवहार किया जाए। पाकिस्तान उन्हें अपना दास ना समझे। पाकिस्तान के ऐसे ही नजरिए के कारण तालिबान लड़ाकों में गुस्सा भड़कता है और उनकी हिंसक प्रतिक्रिया सामने आती है।

जबकि पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि काबुल स्थित तालिबान शासन पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। काबुल में पाकिस्तानी दूतावास पर हुआ हमला इस बात की मिसाल है। उन्होंने बताया कि काबुल स्थित अपने राजनयिकों की रक्षा के लिए पाकिस्तान ने तालिबान से 40 सुरक्षाकर्मियों को वीजा देने की गुजारिश की थी। लेकिन तालिबान ने सिर्फ दस सुरक्षाकर्मियों को वीजा दिया।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद का एक बड़ा मुद्दा आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जिसने हाल में शहबाज शरीफ सरकार से चल रही वार्ता तोड़ कर पूरे पाकिस्तान में हमले करने का एलान कर दिया। पाकिस्तान के अधिकारियों का इल्जाम है कि तालिबान टीटीपी का इस्तेमाल पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है, ताकि उससे वह अधिक से अधिक रियायतें हासिल कर सके।

मीडिया संस्थानों पर जमकर पैसे लुटा रहे जिनपिंग

दुनिया में चीन की छवि सुधारने के लिए ड्रेगन की बड़ी चालबाजी

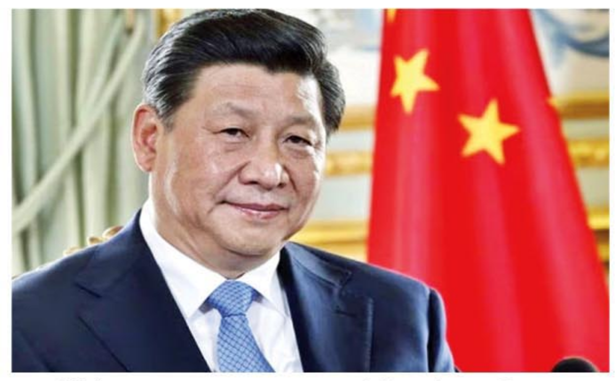

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक और चालबाजी सामने आई है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि चीन दुनिया में अपनी छवि सुधारने के लिए अपने गोदी मीडिया पर जमकर पैसे खर्च कर रहा है। इतना ही इन मीडिया संस्थानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के रूप में बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि चीन की आर्थिक नीति को बढ़ा चढ़ाकर दिखाया जा सके। वाशिंगटन डीसी स्थित वीओए मंदारिन के साथ एक साक्षात्कार में दक्षिण पूर्व एशिया के एक वरिष्ठ फेलो जोशुआ कुर्लांटजिक ने कहा कि चीनी सरकार अपने सरकारी मीडिया आउटलेट्स पर खूब पैसे खर्च कर रही है ताकि दुनिया में चीन की छवि व्यापार के अनुकूल देश के रूप में पेश किया जा सके। हालांकि इनमें से अधिकांश बड़े राज्य मीडिया आउटलेट पूरी तरह से विफल रहे हैं।

चीनी मीडिया के दर्शकों की संख्या अन्य विदेशी मीडिया की तुलना में कम- कुर्लांटजिक ने कहा कि लगभग पांच या छह साल पहले से, चीन एक वैश्विक मीडिया और सूचना तंत्र बनाने की कोशिश कर रहा है। वे वैश्विक मीडिया विमर्श में एक बड़ी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं, जो उन्हें हमेशा लगता है कि चीन के साथ उचित व्यवहार नहीं करता है। उन्होंने कहा कि मीडिया आउटलेट्स पूर्व की तुलना में वर्तमान में बहुत कम है। यह उन क्षेत्रों पर भी लागू होता है जो कुछ हद तक चीन के अनुकूल हैं जैसे लैटिन अमेरिका और अफ्रीका।

चीनी सरकार की विनाशकारी नीति के चलते कई पत्रकार चैनल छोड़ने को मजबूर- उन्होंने कहा कि चीन की विनाशकारी सरकारी नीति के परिणामस्वरूप सीजीटीएन और सीआरआई के अधिकांश पत्रकार आउटलेट छोड़ चुके हैं। पत्रकारों का कहना है कि वे स्वतंत्र होकर खबर दिखाने में असमर्थ थे क्योंकि मीडिया चैनलों पर सरकारी पहरा है।

पश्चिमी पाकिस्तान में तालिबानी आतंकियों ने कई लोगों को बनाया बंधक, दो पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों ने एक आतंकवाद विरोधी केंद्र पर कब्जा कर लिया और कुछ लोगों को बंधक बना लिया, जिसमें कम से कम दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

आतंकियों ने पुलिस से छीने एके -47 और बरसा दीं गोलियां

कैंटोनमेंट के अंदर काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) पुलिस स्टेशन में गिरफ्तार किए गए और पूछताछ किए जा रहे आतंकवादियों में से एक ने रविवार को पुलिस से एक एके -47 छीन लिया और गोलियां चला दीं। इसके बाद उन्होंने इमारत में बंद अन्य संदिग्धों को रिहा कर दिया जिन्होंने परिसर पर नियंत्रण कर लिया था। उन्होंने कई पुलिसकर्मियों को भी बंधक बना लिया।

घटना के 17 घंटे बाद भी स्थिति तनावपूर्ण

घटना के 17 घंटे बाद भी स्थिति तनावपूर्ण है क्योंकि सैन्य अभियान जारी है। गोलीबारी में मारे गए एक पुलिसकर्मी के शव को बन्नू के एक स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री अकरम खान दुर्रानी और मौजूदा प्रांतीय मंत्री मलिक शाह मुहम्मद उग्रवादियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए बन्नू पहुंचे हैं। दुर्रानी और मुहम्मद दोनों बन्नू के रहने वाले हैं। उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों से उन्हें सुरक्षित अफगानिस्तान पहुंचने के लिए एक हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की है। बताया कि जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) बन्नू मोहम्मद इकबाल ने कहा कि बाहर से कोई हमला नहीं हुआ और पूछताछ के दौरान आतंकवादियों में से एक ने पुलिस से राइफल छीन ली और इमारत में तैनात गार्ड को बेअसर कर दिया।

तोशाखाना मामला: इमरान की बढ़ीं मुश्किलें, अदालत ने सभी प्रधानमंत्रियों को मिले उपहारों का ब्योरा मांगा

इस्लामाबाद।

लाहौर हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्र की शहबाज सरकार को निर्देश दिया है कि वह 1947 के बाद से अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों और राजनयिकों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले उपहारों का विवरण 16 जनवरी तक प्रस्तुत करे।

पाकिस्तान सरकार का तोशाखाना विभाग तब विवादों में आया, जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कथित तौर पर 108 मिलियन रुपये में राज्य डिपॉजिटरी से उपहार बेचे।

शीर्ष कोर्ट का यह निर्देश तब आया जब जस्टिस असीम हफीज ने एक याचिका पर विचार किया। याचिका में तोशाखाना उपहारों के विवरण के साथ-साथ भुगतान करने के बाद संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों/अधिकारियों के बारे में जानकारी सार्वजनिक करने के लिए अदालती आदेश की मांग की गई थी।

तोशाखान को 1974 में स्थापित किया गया था। यह कैबिनेट डिविजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है, जो अन्य सरकारों और देशों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा

सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए कीमती उपहारों को संग्रहीत करता है।

आज सुनवाई के दौरान सरकार के वकील शेराज जका ने तर्क दिया कि तोशाखाना से संबंधित विवरण गोपनीय हैं और उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। अदालत ने पूछा कि विवरण का खुलासा कैसे नहीं किया जा सकता है।

जज ने निर्देश दिया है कि अदालत को विवरण जमा करें और अदालत तय करेगी कि उन्हें वर्गीकृत किया गया है या नहीं। उन्होंने 16 जनवरी तक केंद्र सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

सुनवाई के बाद एक ट्वीट में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेता परवेज खट्टक ने ट्वीट किया, हाईकोर्ट ने तोशाखाना उपहारों का पूरा रिकॉर्ड मांगा है और कहा है कि इसमें छिपाने के लिए क्या है अपने लिए अलग मानक क्यों हैं।

अब बैंड-सर्कस कलाकार बढ़ाएंगे रूसी फौज का मनोबल, रक्षा मंत्री ने किया मैदान-ए-जंग का दौरा

मॉस्को।

यूक्रेन में पिछले 10 माह से जंग लड़ रही अपनी फौज का मनोबल बढ़ाने के लिए रूस अब गायकों, संगीतकारों और सर्कस कलाकारों को तैनात करेगा। इससे जंग के मैदान में पुराने दिनों का अहसास होगा। हालांकि, जंग किसी दृष्टि से अच्छी नहीं होती और इसका अंजाम तबाही होता है।

किसी निर्णायक अंजाम पर नहीं पहुंच पा रही यूक्रेन जंग के बीच रूस ने कहा है कि वह युद्ध की अग्रिम पंक्ति में संगीतकारों और गायकों को तैनात करेगा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने 'फ्रंट-लाइन क्रिएटिव ब्रिगेड' के गठन की घोषणा करते हुए कहा कि इसमें सर्कस कलाकार भी शामिल होंगे। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह जानकारी दी है।

इस बीच, रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने यूक्रेन में सीमावर्ती सैनिकों का दौरा किया। टेलीग्राम पर बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शोइगू ने सैनिकों की तैनाती के क्षेत्रों के चारों ओर उड़ान भरी और विशेष सैन्य अभियान के क्षेत्र में रूसी टुकड़ियों की स्थिति का आकलन किया। मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने फ्रंट लाइन और कमांड पोस्ट पर तैनात सैनिकों से बातचीत की। हालांकि, रूसी रक्षा मंत्री के सीमावर्ती क्षेत्रों के दौरे की रूस ने पुष्टि नहीं की है।

उधर, यूक्रेन के सैन्य प्रवक्ता सेरही चेरेवती ने यूक्रेनी टीवी चैनलों से चर्चा में कहा कि हमें विश्वास नहीं हो रहा है

कि रूसी रक्षा मंत्री इतने बहादुर हैं कि जंग के मैदान की यात्रा कर लें ब्रिटेन की खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। कहा गया है कि रूसी सेना का मनोबल कमजोर हो रहा है, उस कारण रूस को जंग लड़ने में बाधा आ रही है। ब्रिटेन का कहना है कि नई रचनात्मक ब्रिगेड के गठन से पहले रूसी जनता से संगीत के उपकरण दान करने की अपील की गई थी। जंग के मैदान में मनोरंजन के जरिए सैनिकों का मनोबल बढ़ाने की ऐतिहासिक परिपाटी है। रूस ने इसके इस्तेमाल का फैसला किया है।

बता दें, रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर धावा बोला था। इसके बाद पिछले करीब 10 माह से जंग जारी है। भीषण ठंड के बीच यूक्रेन व रूस की सेनाएं मोर्चे पर डटी हैं। दोनों पक्षों के बीच घमासान जारी है।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं : राहुल गांधी

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मुझे भाजपा वाले बुरे नहीं लगते। मैं भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब भी भाजपा के कार्यालयों के सामने से गुजरा, तो इशारा करके पूछते हैं कि क्या कर रहे हो ? मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइए आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, अंबेडकर सबने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली थी। राहुल सोमवार दोपहर अलवर जिले के मालाखेड़ा में जन सभा को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने सोमवार को अलवर जिले में प्रवेश किया। सुबह करीब नौ बजे यात्रा ने राजगढ़ के सुरेर की ढाणी में प्रवेश किया। जहां जिले के बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की ओर से भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत किया है। यात्रा अलवर जिले में तीन दिन रहेगी। उसके बाद बुधवार की सुबह हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रन्धावा, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश समेत कई नेता मौजूद रहे। जनसभा में राहुल गांधी ने जनकल्याणकारी योजनाएं लागू करने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पीठ भी थपथपाई और सुझाव भी दिए। राहुल ने कहा कि पूरे देश में गरीबों के लिए सबसे बेहतर स्कीम राजस्थान में है। मैं तारीफ कर रहा हूं तो बुराई भी करूंगा। राजस्थान में आने से पहले महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में लोग कहते थे कि हमें किडनी ट्रांसप्लांट करवाना है, पैसा नहीं है। राजस्थान में ऐसा सुनने को नहीं मिला। कल दो लोग मिले। उनसे मैंने उनके इलाज के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि एक बच्चे का काकलियर इम्प्लांट और दूसरे का किडनी का इलाज मुफ्त में हुआ। चिरंजीवी योजना ने लाखों लोगों का दर्द मिटाया है, इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए। उन्होंने प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने की योजना की प्रशंसा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजस्थान के हर बच्चे को अंग्रेजी पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। सारे भाजपा नेताओं एमपी, एमएलए और सीएम के बच्चे अंग्रेजी मीडियम स्कूल में जाते हैं और भाषण देते हैं कि अंग्रेजी मत सीखो। वे नहीं चाहते कि गरीब- मजदूर के बच्चे अंग्रेजी सीखें। वे नहीं चाहते कि आप बड़े सपने देखो। मजदूरी से बाहर निकलो। मैं यह नहीं कर रहा हूं कि हिंदी नहीं पढ़नी चाहिए। हिंदुस्तान की सब भाषाएं पढ़नी चाहिए लेकिन अमेरिका और बाहर के मुल्कों में बात करने के लिए हिंदी काम नहीं आएगी, अंग्रेजी ही काम आएगी। मैं चाहता हूं कि गरीब का बच्चा अंग्रेजी सीख कर अमेरिका के युवा को अंग्रेजी से मात दे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 1700 अंग्रेजी मीडियम स्कूल शुरू किए गए हैं और दस हजार टीचर लगाए गए है, लेकिन यह कम है। राजस्थान के हर बच्चे को अंग्रेजी पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। राहुल ने प्रशंसा के साथ साथ सुझाव देते हुए गहलोत सरकार की आलोचना भी की। राहुल ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में एक रस्सी है, जिसके अंदर सारे सीनियर नेता रहते हैं। रस्सी के बाहर स्थानीय नेता और आम कार्यकर्ता रहते हैं। इस रस्सी को तोड़ना पड़ेगा। इसका मतलब है कि हमारे कार्यकर्ता, हमारे स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं की आवाज सरकार और उसके ऑफिस में सुनाई देनी चाहिए और उससे भी जरूरी है कि राजस्थान के आम आदमी की आवाज हर सरकारी ऑफिस में सुनी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हम साढ़े तीन हजार किलोमीटर चल रहे हैं। चलने से शरीर की कई बीमारियों का इलाज हो जाता है। राजस्थान की पूरी कैबिनेट राजस्थान की सड़कों पर हर महीने में एक बार 15 किलोमीटर चले। मंत्री पैदल यात्रा के दौरान सीधे लोगों से मिलेंगे तो इससे उनकी समस्या खत्म हो जाएगी। इससे कांग्रेस पार्टी, राजस्थान और सभी लोगों का फायदा होगा। उन्होंने ट्राइबल बिल का जिक्र करते हुए सीएम गहलोत को सुझाव दिया कि हमारे आदिवासी भाई-बहनों को ट्राइबल बिल में जो हक दिया गया है।

पंजाब सरकार ने खोला रेत-बजरी बिक्री का सरकारी केंद्र

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य में चल रहे अवैध खनन के मामलों पर नकेल डालने के लिए सरकारी केंद्र के माध्यम से रेत व बजरी बेचने का फैसला लिया है। जिसके चलते सोमवार को मोहाली में प्रदेश के खनन और भू-विज्ञान मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने न्यू-चंडीगढ़ के ईको सिटी-2 में 2 लाख मीट्रिक टन की क्षमता वाले रेत और बजरी के पहले सरकारी बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया। जहां रेत और बजरी की कीमत 28 रुपए प्रति घन फुट निर्धारित की गई है। लोगों को किफायती दरों पर रेत-बजरी मुहैया करवाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि हर जिले में जल्द ही ऐसा एक बिक्री केंद्र खोला जाएगा। मंत्री ने कहा कि इस पहल से रेत माफिया पर नकेल कसने में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब से सरकार ने खनन का काम अपने हाथों में लिया है, खनन माफिया की बड़ी मछलियों को जेल में डाल दिया गया है और अवैध खनन करने वालों को 2 लाख रुपए के जुर्माने किए गए हैं।

जनता का पेट भरने वाले अन्नदाताओं ने सरकार के खिलाफ भरी हुंकार

भिवानी (हिंस)। हर मौसम से लड़कर देश की जनता के लिए अनाज उगाकर उनका पेट भरने वाले अन्नदाताओं ने अपने हकों के लिए हुंकार भरी तथा भिवानी व चरखी दादरी जिला के सैकड़ों किसान सोमवार को भारतीय किसान संघ के प्रांत मंत्री महिपाल बड़दू के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित हुई किसान गर्जना रैली के लिए रवाना हुए। इस मौके पर भाकिसं जिला मंत्री जेपी बराला, जिला अध्यक्ष अजमेर सिंह, जिला प्रचारक ज्ञान सिंह, राजेंद्र तालु, रामचंद्र, राजेराम कुंगड़, कर्ण सिंह बड़दू, सतवीर बड़दू, राजेश देवराला, मांगेराम, रोबिन, सुरेश, सुभाष, राजेश सिहाग, कुलदीप मेहला सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ सैंकड़ों किसान मौजूद रहे। इस मौके पर भाकिसं प्रांत मंत्री महिपाल बड़दू व जिला मंत्री जेपी बराला ने कहा कि धरती का सीना चीरकर अनाज उगाने वाला अन्नदाता आज अपने हकों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है, इससे बड़ी विफलता सरकार की हो नहीं सकती। उन्होंने कहा कि लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य देने, कृषि संबंधी वस्तुओं को जीएसटी से मुक्त करने, किसान सम्मान निधि में सम्मान पूर्वक वृद्धि किए जाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत गांव को ईकाई न मानकर प्रत्येक एकड को इकाई माने जाने, बीमा के लिए सरकारी एजेंसी का गठन किए जाने, पशुधन का बीमा करते समय दुधारू पशुओं के थनों को बीमे में सम्मिलित किए जाने, किसानों को ट्यूब्वैल कनेक्शन देने व बिजली-पानी संबंधित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली में किसान गर्जना रैली की आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार एक तरफ तो किसानों की आय दोगुनी करने की बात कहती है, वही दूसरी तरफ किसानों को मूलभूत सुविधाओं से ही वंचित रखा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार किसान व कृषि व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथों सौंपा चाहती है, जिसे भारतीय किसान संघ कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यदि अब भी सरकार नहीं चेती तो देश भर का किसान एकजुट होकर केंद्र सरकार की कुर्सी हिलाने का काम करेगा।

विदेश से लौटे पूर्व सीएम चन्नी, प्रियंका व खड़गे से की मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। कई माह के बाद पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी विदेश से वापस लौट आए हैं। चन्नी अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। चन्नी को लेकर पिछले कई माह से मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा उनके मंत्रियों द्वारा लगातार बयान दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में पूर्व सीएम चन्नी पर कई गलत फाइलों को पास किए जाने के आरोप लगाए गए थे। भगवंत मान ने कहा था कि उनके स्टाफ ने चन्नी से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं हो रही है। इसके बाद चन्नी ने विदेश से ही अपना नंबर जारी करते हुए कहा था कि वह हर समय उपलब्ध हैं। उनके पास हर चीज का रिकॉर्ड है। इस बीच चरणजीत सिंह चन्नी ने भारत लौटने के बाद दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात की। साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मिले। इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया दो विकास परियोजनाओं का निरीक्षण

पंचकूला (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को पंचकूला की दो महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर विकाय कार्यो का गति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यो का निरिक्षण कर अधिकारियों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता और नगर निगम के महापौर कुलभूषण गोयल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सेक्टर-19 में लगभग 30.54 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि पुल का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, केवल स्लैब डालने का कार्य बाकी है, जिसे इसी माह में पूरा कर दिया जाएगा। मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में तेजी लाएं ताकि गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह आरओबी जनता को समर्पित किया जा सके। इस पर अधिकारियों ने उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्य 20 जनवरी 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आरओबी पंचकूलावासियों की लंबित मांग है और इसके पूरा होने पर पंचकूलावासियों, विशेषकर सेक्टर-19 के निवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व सेक्टर-3 में लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे नगर निगम पंचकूला के कार्यालय भवन का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित निर्माण एजेंसी से कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी कार्य में तेजी लाते हुए भवन का कार्य शीघ्र पूरा करे। निर्माण कार्य में समय व गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित एजेंसी द्वारा निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष व नगर निगम के महापौर इस कार्य की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें ताकि कार्य को गति मिल सके और इसे समय पर पूरा किया जा सके। इस अवसर पर उपायुक्त महावीर कौशिक, पुलिस उपायुक्त सुमेर प्रताप सिंह, नगर निगम के आयुक्त विरेंद्र लाठर, संयुक्त आयुक्त ममता शर्मा, उप निगम आयुक्त दीपक सूरा, बीजेपी जिला अध्यक्ष अजय शर्मा, उपाध्यक्ष उमेश सूद, पार्षद हरेंद्र मलिक, सोनिया सूद, जय कौशिक, सुरेश वर्मा सहित लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

राज्य मानवाधिकार आयोग सदस्य की जनसुनवाई

बीकानेर (हिंस)। राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य महेश गोयल ने सोमवार को सर्किट हाउस में जिला अधिकारियों की बैठक ली और एकलपीठ कैम्प कोर्ट में लंबित परिवादों की समीक्षा की। उन्होंने जनसुनवाई कर परिवादियों को सुना और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आयोग में जिले के दर्ज 35 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्रकरणों का नियमानुसार प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग प्रकरणों के संबंध में की गई कार्रवाई से अवगत करवाएं। प्रकरणों को अनावश्यक लंबित नहीं रखा जाए अन्यथा संबंधित अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि परिवाद लेकर आए व्यक्ति को अधिकारी गंभीरता से सुनें और समय पर उन्हें न्याय दिलाए। साथ ही प्रस्तुत परिवाद पर की गई कार्यवाही के तथ्यों से संबंधित अधिकारी आयोग को अवगत करवाएं। उन्होंने लंबित प्रकरणों की रिपोर्ट निर्धारित समय पर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। राज्य मानवाधिकार आयोग सदस्य ने 30 प्रकरणों में सुनवाई की और संबंधित विभागों को कार्रवई के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुना और परिवादी को आश्वस्त किया कि प्रस्तुत आवेदन पर विभागों से रिपोर्ट ली जाकर, राज्य सरकार को लिखा जाएगा। इस दौरान लगभग सभी विभागों से संबंधित प्रकरण दर्ज हुए। इनमें पुलिस, नगर निगम तथा माध्यमिक शिक्षा, नगर विकास न्यास, उपनिवेशन,जलदाय विभाग, राजस्व, आरएमजी बैंक, चिकित्सा आदि विभागों से संबंधित प्रकरण दर्ज हुए। अतिरिक्त जिला कलक्टर (नगर) पंकज शर्मा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के, सहायक निदेशक (लोक सेवाएं) सवीना विश्नोई, नगर निगम आयुक्त अरूण प्रकाश शर्मा, अशोक सांगवा, उपायुक्त उपनिवेशन के.एल.सोनगरा, सहायक भू-प्रबंधक अधिकारी शिव प्रसाद गौड़, उपनिदेशक एलडी पंवार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

देश विरोधी तत्वों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : डीजीपी

कठुआ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान की आईएसआई लगातार सीमा पार से साजिश के तहत जम्मू-कश्मीर के माहौल को खराब करने का प्रयास कर रही है । सीमा पार से ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में भेजा जा रहा है और ऐसे के इन प्रयासों को बॉर्डर पर तैनात सुरक्षा घेरा विफल कर चुका है। पुलिस महानिदेशक जिला मुख्यालय में 11वीं पुलिस मार्टीर्स क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सभी जवानों ने जम्मू-कश्मीर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया है।

No. DVT-223/RIDf-XXVII (S)/Karimganj/2022-23/2

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Director of A.H. & Veterinary Deptt., Assam, on behalf of the Gervernor of Assam, invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam and Dairy Development, Assam with e- Tendering system provider through e- Tendering Portal **www.assamtenders.gov.in.** Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov,in.** and also in the Engineering Cell of this Directorate during office hours from **15.12.2022 to 07.01.2023.**

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee. (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Construction Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. **at Gulehera** in Karimganj District.	33,71,000.00	1, 200.00	67, 420.00	120 Days

Bidders submitting Bids through online have also to submit each copy of the Documents of Technical Bid manually. The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule. Bid will be rejected / cancelled if Financial Bid submitted off line / hard copy.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVAILIBILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON e-PROCUREMENT PORTAL	**15.12.2022** (11.00 HRS) 07.01.2023 (14.00 HRS)
PRE-BID MEETING	**20.12.2022** at 13.00 HRS.
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	UP TO 14.00 HRS on **07.01.2023**
LAST DATE AND TIME FOR HARD COPY SUBMISSION (TECHNICAL BID)	UP TO 14.00 HRS on **07.01.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS on **09.01.2023.**
DATE AND TIME OF FINANCIAL BID OPENING	Intimated later on

Sd/-
Director
A. H. & Vety. Department, Assam,
Chenikuthi, Guwahati- 3.

-- Janasanyog /C/16430/22

मातृभाषा में न्याय प्राप्त करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार

यमुनानगर (हिंस)। स्वदेशी भाषा शोध संस्थान और डीएवी कॉलेज फॉर गर्ल्स यमुनानगर के हिंदी-पंजाबी विभाग ने सोमवार को संयुक्त रूप से मातृ भाषा का महत्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर हरियाणा विधि आयोग के सदस्य मुकेश गर्ग और जगाधरी के मेयर मदन चौहान मुख्य अतिथि व पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और संविधान विशेषज्ञ नवीन कौशिक मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर मेयर मदन चौहान ने प्रशासन में हिंदी का महत्व पर बोलते हुए कहा संविधान में भी प्रत्येक राज्य को अपनी राज्य भाषा चुनने का अधिकार अनुच्छेद 345 में दिया गया है और प्रत्येक राज्य ने इसका प्रयोग करते हुए अपनी-अपनी राजभाषा चुनी है। इस अवसर पर छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए संविधान विशेषज्ञ नवीन कौशिक ने छात्रों को बताया कि 1 सौ 35 देशों में शिक्षा के माध्यम की भाषा का अध्ययन करने पर पाया कि उन्हीं देशों में तकनीक और विज्ञान में नई खोज और उपलब्धियां हासिल की जिन देशों में बच्चों को शिक्षा उनकी मातृभाषा में प्रदान की जाती है। जर्मनी, फ्रांस, रूस और जापान इसके श्रेष्ठ उदाहरण है।

NOTICE INVITING TENDERS

Sealed tender affixing non-refundable Court fee stamp worth of Rs. 8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only is hereby invited from the registered Contractors for the Forest Survey works for the schedule - A below & will be received in the office of the Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 up to 3.00 PM (IST) on 10th January'2023. If the office happens to be closed on the date of tenders as specified, the same will be received on the next office working day up to the same time. The tender box will be Opened on same date at 3.30 PM on 10/01/2023. This notice is in cancellation of Tender Notice dated 7th December'2022.

Schedule —A

Name of Scheme	Estimate Sl. No.	Name of works	Estimated cost (in Rs.)	Location	Earnest money
SOPD	8, 9 & 14	Forest Survey Articles	155600.00	Divisional Forest Officers, FRS. Division, Santipur, Ghy-09	2% for General & 1% for ST/SC/ OBC
	3, 4 & 5	Hiring of Vehicle for 50 Days & Fuel	520000.00	Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 to Bagaikhas RF	
	10 & 12	T.A & D.A. etc.	147000.00	Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09	
	11 & 13	Stationary & Printing etc.	70000.00	Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09	
	2, 6 & 7	Supply of labour (Skil & Unskil)	240000.00	Survey area of Bagaikhas RF	

TERMS & CONDITIONS

1. The detailed Tender Notice & prescribed Tender FORM may be collected from office of the DFO, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 on payment of Rs. 500/- through Bank Draft duly pledged to the Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 up to 07/01/2023.
2. The detailed estimate of the Forest Survey works may be seen by the intending tenderer in the office of the DFO, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 on any working day on or before 07/01/2023.
3. The tender should be submitted in prescribed tender Form and addressed to the DFO, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 superscribed as "Tender for NTFP Survey at Bagaikhas RF".
4, The tenderer shall fill in rates and price both in figures and words for the works. Correction, If any, shall be made by crossing out, initialing, dating and rewriting with signature of the tenderer, any tenderer quoting rate on percentage basis on the estimated amount for the work will be summarily rejected.
5. The rates quoted shall be final and remain applicable during the entire period of execution of work upto the completion of works and under no circumstances escalation in rates will be permitted due to increase in price of materials, labour wages and railway freight due to any other reason whatsoever.
6. The tenderer is required to sign a declaration in the prescribed Tender From without which the tender will be summarily rejected.
7. The tenderer must submit asingle tender stating all item of works and a photocopy of PAN Card, Address Proof, copy of Registration Certificate issued by the concerned Authority with valid GST and income Tax Clearance Certificate.
8. All duties, Taxes and other levies payable by the contractor under the contract or any other causes shall be included in the rates and prices submitted by the tenderer.
9. Each tender must be accompanied with the required Earnest money in the form of Call Deposit or Bank Draft duly pledged in favour of the Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09.
10. The tenderer belonging to Scheduled caste, Scheduled Tribe and other Backward classes may deposit 50% of the Earnest Moncey, support by bonafide certificate from the competent authority along with the tenders.
11. The Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 will be the final authority to determine the eligibility of the tenders for the award of the contract and reserve the right to accept or reject any tender in the whole or part without any assigning any reason for such rejection,
12. The Divisional forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 does not bind himself to accept or recommended the acceptance of the lowest or any tender.
13. The Earnest Money of unsuccessful tenderer will be released after issue of final work order to the successful tenderer. The Earnest Money of successful tenderer will be released only after depositing the security amount and fulfillment of all terms & conditions.
14. The acceptance of the tenders and issue or work order is subject to release of Fund by the Govt. of Assam/competent authority without thereby incurring any fiabilities to the affected tenderer of any obligation to inform the affected tenderer of the grounds.
15. The successful tenderer cannot revoke his tender failing which his earnest money will be forfeited and the assigned work shall be completed within the stipulated time.
16. The successful tenderer shall have to deposit security which will be 5% of the value of the work in the form of NSC, Postal SB A/C or bank draft duly pledged to the Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09 for proper execution of the contract within three days of communication of acceptance of the tender, higher amount of security may be demanded from the successful tenderer if considered by the Divisional Forest Officer, FRS, Division, Santipur, Ghy-09. The tenderer belonging to schedule case, Schedule Tribe and other Backward Classes are to deposit 50% of the Security money.
17. The successful tenderer shall have to execute an agreement in schedule form after deposition of security amount as referred to the clauses as above. The executed tender agreement for the work with successful tenderer with the terms & conditions will form part and parcel of the contract.
18. The undersigned reserves the right to accept or reject the tender without assigning any reason thereof. Also the right to withdraw the tender sale without assigning the reason.

Divistonal Forest Officer Forest
Resource Survey Division, Santipur.
Guwwahati-09

-- Janasanyog /C/16352/22

डेट फंड–सदाबहार निवेश का विकल्प, 9.3 फीसदी का सालाना रिटर्न मिला है पिछले 10 साल में

नई दिल्ली।

छोटी और लंबी अवधि की प्रतिभूतियों के बीच स्विच करने की सुविधा के कारण डायनॉमिक बॉन्ड फंड को अस्थिरता से निपटने का अच्छा तरीका माना जाता है। यह एक ओपन–एंडेड डेट स्कीम है। अपने पोर्टफोलियो में प्रतिभूतियों की परिपक्वता के लिहाज से प्रदर्शन करती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि अधिकतम रिटर्न कहां अर्जित करने की उम्मीद है। फंड मैनेजर यह तय करता है कि कुछ महीनों में परिपक्व होने वाले बॉन्ड में निवेश करना है या कई वर्षों के बाद मैच्योर होने वाले बॉन्ड में। यही क्षमता उन्हें सबसे अनोखे प्रकार के डेट फंड उपलब्ध कराती है। इस फंड में सभी प्रकार के बाजार में उचित रिटर्न पैदा करने की क्षमता है।

सुनिश्चित आय चाहने वाले निवेशकों के लिए बेहतर – यह फंड ऐसे निवेशकों के लिए उपयुक्त है जिनको विभिन्न पोर्टफोलियो रणनीति के बीच स्विच करने की चिंता नहीं होती है। क्योंकि यह दूसरे पोर्टफोलियो में स्विच किए बिना निवेश में बने रहने में मदद करती है। साथ ही और कैसा भी बाजार हो यह एक तय आय देती है। अक्सर, निवेशक यह मान लेते हैं कि डेट निवेश का कोई मूल्य नहीं है, क्योंकि उनका रिटर्न इक्विटी के साथ कहीं भी मेल नहीं खाता है। हालांकि, मैक्रो–इकोनॉमिक कारकों के साथ–साथ ब्याज दर आपके डेट निवेश से मिलने वाले रिटर्न को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ब्याज दर पर आधारित होती है यह स्कीम – इस श्रेणी में कई स्कीम उपलब्ध हैं। उदाहरण के तौर पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऑल सीजन्स बॉन्ड फंड इसमें शीर्ष पर है। इस श्रेणी में संपत्ति के मामले में सबसे बड़ी स्कीम भी है। इसका 10 वर्षों से अधिक का लगातार अच्छा ट्रैक–रिकॉर्ड रहा है। इसका कोई भी फैसला इन–हाउस मॉडल पर आधारित होता है जो कई छोटे बड़े कारकों को ध्यान में रखती है। दूसरा पहलू ब्याज दर पर आधारित है जो कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों के बीच निवेश करती है। जब ब्याज दरें अधिक होती हैं तो स्कीम लंबी अवधि की योजना बनाती है। तीन, पांच और दस वर्षों में फंड ने अपनी श्रेणी में क्रमशः 7.1प्रतिशत, 7.2प्रतिशत और 9.3प्रतिशत रिटर्न दिया है जो अन्य फंडों की तुलना में बेहतर है।

न्यूज ब्रीफ

सिबिल स्कोर बेहतर करना चाहते हैं तो पांच गलतियों से बचें

नई दिल्ली। महामारी और लॉकडाउन के झटकों से उबरकर अर्थव्यवस्था अब सुधार की राह पर आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही नया कारोबार और अन्य उद्यम की शुरुआत करने के लिए कर्ज की मांग में भी इजाफा हुआ है। हालांकि, सिबिल स्कोर खराब होने की वजह से कई बार बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान कर्ज देने से मना कर देते हैं। कर्ज लेने की प्रक्रिया में सिबिल स्कोर का अहम रोल होता है। यह अच्छा रहने से आसानी से कर्ज मिल जाता है। कई बार औसत स्कोर पर भी बैंक कर्ज दे देते हैं, लेकिन ज्यादा ब्याज वसूलते हैं। निवेश सलाहकारों के मुताबिक, अपना सिबिल स्कोर बेहतर रखने के लिए पांच गलतियों से बचें। असुरक्षित या एक साथ कई कर्ज से बचें : सिबिल स्कोर बेहतर रखने के लिए असुरक्षित कर्ज लेने से बचें। पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेना असुरक्षित कर्ज माना जाता है। इसलिए असुरक्षित के साथ सुरक्षित कर्ज का संतुलन बनाएं। होम लोन, एजुकेशन और ऑटो लोन को सुरक्षित कर्ज माना जाता है। इसके अलावा, एक साथ कई कर्ज लेने से भी बचें। बकाया भुगतान में नियमितता बरतें : अगर लंबे समय तक अपने क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान नहीं करते हैं और कर्ज की मासिक किस्त चुकाने में अनियमितता बरतते हैं तो यह सिबिल स्कोर के लिहाज से अच्छी आदत नहीं है। संयुक्त खाता को लेकर सावधान रहें : संयुक्त खाता खोलने या लोन गारंटर बनने से हमेशा बचना चाहिए। अगर कर्ज लेने वाला भुगतान में चूकता है तो बतौर गारंटर उसका सीधा असर आपके सिबिल स्कोर पर पड़ेगा।

इंफोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति बोले- भारत की वास्तविकता भ्रष्टाचार और गंदी सड़कें, युवा इसे बदलें

नई दिल्ली । दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने जीएमआर इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा है कि भारत की वास्तविकता है भ्रष्टाचार, गंदी सड़कें, प्रदूषण और कई बार बिजली की अनुपस्थिति। वहीं, सिंगापुर की वास्तविकता है साफ सड़कें, प्रदूषण मुक्त वातावरण और बहुत सारी ऊर्जा। उन्होंने छात्रों से कहा, उस नई वास्तविकता को बनाने की ज़िम्मेदारी आपकी है। त्रस्क्रकी ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह बात कही गई है। हर कमी को बदलाव के अवसर के रूप में देखें, उसे ठीक करने के लिए किसी का इंतजार ना करें विजयनगरम जिले के राजम में जीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएमआरआईटी) के रजत जयंती समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि हर कमी कोबदलाव के अवसर के रूप में देखना चाहिए और खुद को एक नेता के रूप में कल्पना करते हुए उस कमी को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए, न कि किसी की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये राइट ऑफ किए गए, लोकसभा में बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली । अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने पिछले पांच वित्त वर्षों में 10,09,511 करोड़ रुपये राइट ऑफ कर दिए हैं और कर्जदारों से बकाया वसूली की प्रक्रिया जारी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा को यह जानकारी दी। सीतारमण ने कहा कि राइट ऑफ किए गए कर्ज सहित एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग एसेट) खातों में रिकवरी एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान 4,80,111 करोड़ रुपये की ऋण वसूली की है, जिसमें राइट ऑफ किए गए ऋणों के 1,03,045 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। सीतारमण ने प्रश्नकाल के दौरान कहा, आरबीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान 10,09,511 करोड़ रुपये की राइट ऑफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि बट्टे खाते में डाले गए ऋणों के कर्जदार पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहेंगे और बट्टे खाते में डाले गए ऋण खातों में कर्जदारों से बकाये की वसूली की प्रक्रिया जारी है।

आवाज से सर्च कर सकेंगे गूगल–पे पर लेनदेन का डेटा

गूगल फाइल्स के जरिए मिलेगी डिजी लॉकर सुविधा, इवेंट के लिए सीईओ सुंदर पिचाई भारत आए

नई दिल्ली।

गूगल फॉर इंडिया का 8वां एडिशन सोमवार को दिल्ली के प्रगति मैदान में हुआ। इवेंट में गूगल ने अपने फाइल्स ऐप के जरिए डिजिलॉकर और गूगल पे का नया ट्रांजैक्शन सर्च फीचर जैसी कई घोषणाएं की है। कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई इस इवेंट में शामिल होने के लिए भारत आए। सुंदर पिचाई ने कहा, हमने यूपीआई स्टैक के आधार पर भारत में गूगल–पे बनाया है और अब हम इसे दुनिया भर के अन्य देशों में ला रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि हम एक शक्तिशाली एआई मॉडल पर काम कर रहे हैं जो हजारों भाषाओं में जानकारी ला सकता है। वहीं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें एआई महत्वपूर्ण बदलाव लाने जा रहा है। कृषि एक ऐसा क्षेत्र है, दूसरा भाषा की खाई को पाटना और तीसरा डेवलपमेंट साइकिल के बॉटम में लोगों के लिए क्रेडिट फैसिलिटी को आसान बनाना है।

इवेंट में गूगल के बड़े ऐलान

अब गूगल फाइल्स पर भी डिजिलॉकर – गूगल ने इवेंट में एंड्रॉइड फोन यूजर्स के लिए नई सुविधा का ऐलान किया है। इसके तहत यूजर गूगल फाइल्स ऐप के जरिए भी डिजिलॉकर यूज कर सकेंगे। डिजिलॉकर एक तरह का वर्चुअल लॉकर है। इसमें सभी जरूरी दस्तावेजों को पेपरलेस फॉर्मेट में डिजिटल तरीके से स्टोर करके रख सकते हैं। डिजिलॉकर में सेव किए गए सभी डॉक्यूमेंट्स पूरी तरह से मान्य हैं।

गूगल–पे का नया ट्रांजैक्शन सर्च फीचर – गूगल–पे ने नया ट्रांजैक्शन सर्च फीचर लॉन्च किया है। इस फीचर की मदद से वॉइस के जरिए यूजर अपने ट्रांजैक्शन के बारे में जान पाएगा। संदिग्ध ट्रांजैक्शन के लिए गूगल पे अब ज्यादा सिक्योरिटी अलर्ट और चेतावनियां दिखाएगा। यह एमएल एल्गोरिदम का उपयोग करता है। ये चेतावनी रीजनल लैंगवेज में भी होगी।

वीडियो के अंदर भी सर्च फैसिलिटी – गूगल किसी भी वीडियो के अंदर सर्च फैसिलिटी का परीक्षण कर रहा है। आपको बस सर्च इन वीडियो फीचर के जरिए अपनी क्वेरी टाइप करना होगा और वीडियो में ठीक उस जगह पर जा पाएंगे जिसे आप ढूंढ रहे हैं। वीडियो में किसी भी चीज को सर्च करने के लिए पहले केवल सीक का ऑप्शन था। सर्च इन वीडियो फीचर सर्च का आसान बनाएगा।

यूट्यूब की नई सुविधा कोर्सेस – यूट्यूब 2023 से कोर्सेस नाम की एक फैसिलिटी शुरू करेगा, जिससे लर्निंग और ज्यादा इंटरैक्टिव होगी। व्यूअर्स को स्ट्रक्चर्ड लर्निंग एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए क्रिएटर्स फ्री और पेड कोर्सेस पेश कर सकेंगे। जो व्यूअर्स कोर्सेस खरीदना चुनेंगे, वे वीडियो को ऐड–फ्री देख पाएंगे।

फ्री में कंटेंट डब कर सकेंगे क्रिएटर – अलाउड एक नया एआई, एमएल प्रोडक्ट है, जो ओरिजिनल कंटेंट को बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के डब कर सकता है। इसे चुनिंदा हेल्थ बेस्ड क्रिएटर्स और पार्टनर्स के लिए रोल आउट किया जा रहा है। दर्शक इन वीडियो को एक अलग ऑडियो ट्रैक में टॉगल कर सकेंगे।

इंडिया फर्स्ट इनोवेशन एंड फीचर – हिंदी के बाद अब सर्च रिजल्ट पेजेस फीचर भारत बाइलिंगुअल भी हो जाएगा। यह फीचर आने वाले दिनों में तमिल, तेलुगु, मराठी और बंगाली भाषाओं को भी सपोर्ट करेगा। वॉइस सर्च फीचर अब उन लोगों को भी बेहतर ढंग से समझ पाएगा, जो हिंग्लिश बोलते हैं। एक नए न्यूरल नेटवर्क मॉडल का यूज किया जाएगा, जो पर्सन के एक्सेंट, कॉन्टेक्स्ट आदि को ध्यान में रखेगा।

डॉक्टर की हैंडराइटिंग पढ़ेगा गूगल – गूगल ने डॉक्टर्स की हैंडराइटिंग को डिकोड करने वाली नई टेक्नोलॉजी का ऐलान किया है। ये टेक्नोलॉजी हैंडराइटिंग को स्कैन करके यूजर को बताएगी कि आखिर डॉक्टर ने उनकी पर्ची में क्या लिखा है। इस फीचर का इस्तेमाल करने के लिए यूजर को डॉक्टर की पर्ची की तस्वीर लेनी होगी या फिर गैलेरी में पड़ी पर्ची की तस्वीर गूगल लेंस पर अपलोड करनी होगी।

इवेंट से जुड़ी कुछ मुख्य बातें – गूगल के इंडिया हेड संजय गुप्ता ने कहा एआई बड़े पैमाने पर ट्रांसलेशन में मदद कर सकता है। यह कृषि में मदद कर सकता है और बाढ़ की भविष्यवाणी में मदद कर सकता है। भारत के लिए, एआई एनर्जी और फूड सिक्योरिटी में बड़े पैमाने पर मदद कर सकता है। गूगल की इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस के साथ पार्टनरशिप में मॉडल बनाने की योजना है। प्रोजेक्ट वाणी के जरिए भारत के 773 जिलों से भाषा के सैंपल एकत्र किए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट वाणी यह सुनिश्चित करेगा कि इसके तहत एकत्र और तैयार किया गया डेटा ओपन–सोर्स होगा। गूगल भारत में कृषि के लिए रिमोट सेंसिंग क्षमताओं का उपयोग कर रहा है। उन्होंने एक लैंडस्केप अंडरस्टैंडिंग मॉडल भी विकसित किया है, जिसे बेंगलुरु में विकसित किया गया है।

ऑनलाइन गेम्स खेलने के लिए पूरी करनी होंगी शर्तें, कम उम्र वालों के लिए हो सकते हैं नियम

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन गेम खेलने वालों पर केंद्र सरकार अब सख्ती बरतने जा रही है। सरकार को इन खेलों के जरिए बड़ा खेल नजर आ रहा है। क्योंकि इस तरह के खेलों में पैसों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। सरकार को इस बात का अंदेशा भी है कि ऑनलाइन गेमिंग का इस्तेमाल काले धन को सफेद बनाने और इससे कमाई जाने वाली रकम का उपयोग आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में हो सकता है। इसलिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए नीति को अंतिम रूप देने में लग गया है। इसके तहत देश में सभी रियल–मनी गेम (असली पैसों से खेला जाने वाला ऑनलाइन गेम) के लिए अब उम्र का सत्यापन जरूरी के साथ केवाईसी भी अनिवार्य होगा।

900 गेमिंग कंपनियां आएंगी दायरे में – विश्वस्त सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि सरकार के इन नियमों का उद्देश्य असली पैसे से खेले जाने वाले गेम में उपयोगकर्ता की सुरक्षा और वित्तीय नुकसान की चिंता को दूर करना है। आने वाले एक से दो दिन में मंत्रालय इस संदर्भ में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के लिए स्व–नियामक संगठन के गठन की भी सिफारिश कर सकता है। यह नीति दो से तीन हफ्ते में जारी हो सकती है। सरकार के इन नए प्रावधानों को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में शामिल किया जाएगा। सरकार के इस नियम से करीब 900 गेमिंग कंपनियां इस नई नीति के दायरे में आ जाएंगी। इनमें एमपीएल और ड्रीम–11 जैसे यूनिकॉर्न भी शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों के करीब 10–10 लाख उपयोगकर्ता हैं। सूत्र ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम लागू होने के बाद 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की पहुंच इन गेम्स तक नहीं हो सकेगी। सरकार का यह नियम यह संभावना या संयोग–आधारित या कौशल–आधारित सभी तरह के खेलों पर लागू होगा। लत लगने के जोखिम को कम करने के लिए गेमिंग प्लेटफार्म को एक निश्चित समय के बाद चेतावनी भी प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा गेमिंग प्लेटफॉर्म से पैसा जमा करने और निकालने के लिए सुरक्षा मानदंड भी इन नियमों शामिल किए जाएंगे। आज के दौर में कम उम्र के युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बाजार मजबूत सेंसेक्स 468 अंक उछला, निफ्टी 18400 के पार

नई दिल्ली।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। सोमवार को सेंसेक्स 468.38 अंकों की बढ़त के साथ 61,806.19 अंकों पर जबकि निफ्टी 151.45 अंकों की बढ़त के साथ 18,420.45 अंकों पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स में 0.76प्रतिशत जबकि निफ्टी में 0.83प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सोमवार को बैंक निफ्टी 43413 के स्तर पर बंद हुआ।

इस दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में मजबूती आई। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टाटा मोटर्स और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ डॉलर के मुकाबले 82.70 के स्तर पर बंद हुआ। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के हेड ऑफ रिसर्ज विनोद नायर के अनुसार पिछले सत्रों में गिरावाट के बाद पश्चिमी बाजारों से आशावादी संकेतों के कारण घरेलू सूचकांक सोमवार को लाभ की ओर बढ़े। हालांकि, आईटी क्षेत्र के शेयरों में कमजोरी बनी रही। अमेरिकी आईटी क्षेत्र के सूचकांक में गिरावट का रुझान बना रहा। दुनिया भर में मंदी की आशंका और स्थानीय बाजारों में कोविड के बढ़ते मामलों के कारण एशियाई बाजार पर दबाव दिखा। वहीं, एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्नीकल एनलिस्ट रूपक डे के अनुसार निफ्टी को निचले स्तरों पर सपोर्ट हासिल हुआ, जिससे सोमवार के सत्र के अंत में रिकवरी हुई। मोमेंटम इंडिकेटर आरएसआई (14) शॉर्ट टर्म टाइमफ्रेम (प्रति घंटा) पर तेजी के क्रॉसओवर करता दिखा। शॉर्ट–टर्म सूचकांक के 18350 से ऊपर बने रहने तक रुझान में तेजी रहने की संभावना है।

सोना 231 रुपये मजबूत हुआ, चांदी भी 784 रुपये उछली

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 231 रुपये बढ़कर 54,652 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सत्र में सोने का भाव 54,421 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 784 रुपये की तेजी के साथ 68,255 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''एशियाई कारोबार में सोने की कीमतों में तेजी रही। न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने में 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,795 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रहा था।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,795.8 डॉलर प्रति औंस पर था।

एक जनवरी से महंगी हो जाएंगी डुकाटी की गाड़ियां: कीमत में हो सकता है 3प्रतिशत तक का इजाफा, प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ने के कारण बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

सुपर और स्पोर्टी बाइक मेकर कंपनी डुकाटी ने अपनी बाइकों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। ये एक्स–शोरूम प्राइस भारत में मौजूद सभी मॉडल्स और वैरिएंट्स पर एक जनवरी 2023 से लागू हो जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने बढ़ी हुई दामों का खुलासा नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बढ़ी कीमतों में 2 से 3प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

इस इटालियन कंपनी का कहना है कि रॉ–मटेरियल और लॉजिस्टिक्स के दाम बढ़ने से ओवर ऑल प्रोडक्शन महंगा हो गया है। इससे कंपनी कुछ समय से लागत का बोझ उठा रही थी। इस कारण बाइकों के दामों में इजाफा किया जा रहा हैं। कंपनी के नई दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, हैदराबाद और कोलकाता में डीलरशिप हैं। डुकाटी ने कहा है कि कंपनी भारत के लिए प्रतिबद्ध है और दुनियाभर में लॉन्च की गई सभी बाइकों को भारत में भी जल्द लॉन्च किया जाएगा। डुकाटी से पहले टॉर्क मोटर्स ने भी 1 जनवरी से अपनी बाइक्स की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया था। डुकाटी ने इसी महीने भारत में अपनी दमदार ऑफ–रोडर डुकाटी डेजर्टएक्स को 17,91,000 रुपए के एक्स–शोरूम प्राइस पर लॉन्च किया था। जिसकी डिलीवरी जनवरी के पहले हफ्ते में शुरू होगी।

इसमें विंडशील्ड हेडलैम्प और डबल फ ु ल – ए ल इ ं ड ी डीआरएल, 5–इंच टीएफटी डिस्प्ले और मल्टीपल राइडिंग मोड्स और 21–इंच के फ्रंट व्हील दिए गए हैं। इसमें 937सीसी एल–ट्विन इंजन दिया गया है। यह इंजन 9,250 आरपीएम पर 110 एचपी का पावर और 6,500 आरपीएम पर 92 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

विदेश में काम कर रहे लोगों ने 2022 में भारत भेजी रिकॉर्ड राशि

नई दिल्ली ।

2020 में भारतीय प्रवासी रिकॉर्ड मात्रा में पैसे घर भेज रहे थे। उस वर्ष प्रवासियों ने करीब 80 अरब डॉलर भारत भेजे। महामारी के बीच भी प्रवासियों की ओर से पैसों का आना लगातार जारी रहा। विदेशों जो पैसा भारत आ रहा था उसका अधिकांश हिस्सा खाड़ी देशों में स्थित अपनी संपत्ति बेचकर आने वालों का था। उस दौरान महामारी जोरों पर थी। तेल की कीमतें गिर रही थीं। लोगों की नौकरियां जा रही थीं। ऐसे में बाहर बसे लोग अपनी संपत्तियों को बेचकर देश लौटना मुनासिब समझ रहे थे। ये लोग पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि ये लोग कभी वापस जा भी सकेंगे या नहीं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि भविष्य में विदेशों से भेजी जाने वाली राशि में कमी आएगी। हालांकि ये अनुमान गलत निकले। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि इस साल प्रवासियों की ओर से भारत भेजी गई रकम रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दुनिया भर में फैले एक करोड़ 80 लाख से अधिक प्रवासी वर्ष 2022 में रिकॉर्ड राशि अपने घर भेज सकते हैं। तो, सवाल यह है कि आखिर इस उछाल का क्या कारण है और यह पैसा कहां से आ रहा है शुरुआत करते हैं खाड़ी देशों से भेजी जाने वाली राशि से। भारत में भेजी जाने वाली कुल राशि में इसका 30प्रतिशत हिस्सा है और हम यहां और तेजी देख रहे हैं। माना कि 2020 में मध्य पूर्व के देशों में कई प्रवासियों ने अपनी नौकरी खो दी, लेकिन इन देशों की अर्थव्यवस्था काफी जल्दी खुल गई। तेल की कीमतों में भी जल्द ही उछाल आई। श्रम की मांग भी बढ़ने लगी। खाड़ी देशों में मुद्रास्फीति दुनिया के अधिकांश हिस्सों की तुलना में सीमित रही। लोगों के पास खर्च करने के लिए अधिक पैसा था और उन्होंने इसका कुछ हिस्सा अपने घर यानी भारत भेजा।

डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट से बाहर से आने वाली राशि में इजाफा – प्रवासियों की ओर से देश में भेजे जाने वाले पैसे की बढ़ोतरी से जुड़ा एक अहम तथ्य यह भी है कि डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में गिरावट आई है। अधिकांश मध्य पूर्वी मुद्राएं डॉलर से आंकी जाती हैं, इसलिए रुपये में गिरावट के बाद अब जब प्रवासी घर पैसा भेजते हैं, यहां भारत में अब पहले की तुलना में अधिक रुपये मिलते हैं। उदाहरण के लिए, यदि लोग दो वर्ष पूर्व 1,000 डॉलर घर वापस घर भेज रहे थे तो उन्हें 70,000 रुपये मिलते थे। अब वही व्यक्ति अगर 1,000 हजार डॉलर भेज रहा है तो उसे 81,000 से 82,000 रुपये मिल जा रहे हैं। इसलिए जब भी रुपये में गिरावट आती है आम तौर पर भारतीय प्रवासी एक–एक पैसा बचाने और उसे घर भेजने के लिए जद्दोजहद में जुट जाते हैं। कई लोग तो इन मौकों का फायदा उठाने के लिए कम ब्याज दरों पर पैसे उधार तक ले लेते हैं। यही कारण है कि विदेश से आने वाली राशि में इजाफा देखने को मिलता है।

अमेरिका में बसे प्रवासी देश में भेज रहे सबसे ज्यादा पैसा – एक और कारण है जिससे विदेश से आने वाले पैसे मे इजाफा दिख रहा है। विदेश जाकर कमाने वालों का अब पैटर्न बदल गया है। खासकर कुशल भारतीयों के लिए। अब लोग बड़ी तादाद में अमेरिका और कनाडा जैसी जगहों की ओर जा रहे हैं। अमेरिका में 50 लाख भारतीयों में से 57प्रतिशत वहां 10 से अधिक वर्षों से रह रहे हैं। इसका मतलब है कि वे भी अब अपनी कमाई की पीक क्षमता पर पहुंच रहे हैं। वे सेवा क्षेत्र में उच्च अर्जक हैं। 2021 और 2022 में (कुछ महीने पहले तक) विदेशों टेक के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों ने अपनी आमदनी में वृद्धि देखी। लोगों ने बचत की और उस अतिरिक्त नकदी में से कुछ को वापस घर भेज दिया। चूंकि अमेरिका और कनाडा जैसे विकसित देशों में बसे प्रवासी खाड़ी देशों के प्रवासियों की तुलना में काफी अधिक कमाते हैं, ऐसे में पैसे घर भेजने के मामले में उनका योगदान भी अधिक होता है। 2017 के बाद से यूएस, यूके और सिंगापुर से जो राशि देश में आती है वह प्रवासियों की ओर से भारत भेजी आने वाली कुल राशि का 26प्रतिशत से बढ़कर 36प्रतिशत हो गया है। अब अमेरिका से सबसे ज्यादा पैसा भारत आ रहा है और यह संयुक्त अरब अमीरात से आगे निकल गया है।

प्रवासियों की ओर से भेजी जानी वाली राशि देश की जीडीपी का महज 3प्रतिशत – हालांकि यहां एक बात महत्वपूर्ण है कि विदेश से प्रवासी भारतीय जो पैसा भेजते हैं वह हमारे देश की जीडीपी का महज 3प्रतिशत है, इसलिए ऐसा नहीं है कि हम इस पर निर्भर हैं। हां इतना जरूर है कि विदेशी से भेजी जानी वाली यह राशि आम तौर पर नियमित भारतीय परिवारों की मदद करते हैं। यह उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद करता है। यह परिवारों को कर्ज से बाहर निकलने में मदद करता है। यह पैसा बच्चों की शिक्षा पर खर्च होता है। इस पैसे से उन्हें घर बनाने में मदद मिलती है। सुपरमार्केट या बेकरी जैसे छोटे व्यवसाय स्थापित करने में भी इस पैसे का योगदान होता है। तो इतना तय है कि विदेशों से प्रवासी जितना अधिक पैसा भेजेंगे, यहां उनके परिवारवालों के जीवनस्तर पर उतना अधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। 5 वर्षों में खाड़ी के शीर्ष 5 देशों से जो पैसा केरल पहुंचता था वह लगभग आधा हुआ ।

अनुराग को बॉलीवुड का मिलॉर्ड कहा विवेक अग्निहोत्री ने

-हालिया टिप्पणियों के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं अनुराग

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने एक मीडिया पोर्टल की क्लिप के स्क्रीनशॉट का इस्तेमाल किया और अनुराग को बॉलीवुड का मिलॉर्ड कहा। अनुराग कश्यप बॉलीवुड को नष्ट करने के बारे में अपनी हालिया टिप्पणियों के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने अपना रुख स्पष्ट करते हुए पुष्पा कांतारा और केजीएफ का उदाहरण दिया। विवेक अग्निहोत्री जो द कश्मीर फाइल्स के लिए पूरे साल खबरों में रहे हैं ने अनुराग की राय की आलोचना की। उन्होंने एक समाचार क्लिप पोस्ट की और ट्वीट किया मैं बॉलीवुड के इकलौते मिलॉर्ड के विचारों से पूरी तरह असहमत हूं। क्या आप सहमत हैं? जबकि अनुराग कश्यप ने अभी तक विवेक अग्निहोत्री पर प्रतिक्रिया नहीं दी है हम आपके लिए लाए हैं बॉलीवुड पर उनका सटीक उद्धरण खुद को नष्ट कर रहा है। गलता प्लस राउंड टेबल के दौरान अनुराग कश्यप ने कहा पूरे भारत के साथ अभी जो हो रहा है वह यह है कि हर कोई एक अखिल भारतीय फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा सफलता 5-10 फीसदी होगी। कांतारा और पुष्पा जैसी फिल्में आपको बाहर जाकर अपनी कहानियाँ कहने का साहस देती हैं। लेकिन केजीएफ-2 चाहे कितनी भी बड़ी सफलता हो जब आप कोशिश करते हैं और उसका अनुकरण करते हैं और एक प्रोजेक्ट सेट करते हैं तभी आप आपदा की ओर बढ़ने लगते हैं। यही वह बैंडवागन है जिस पर बॉलीवुड ने खुद को नष्ट कर लिया। आपको ऐसी फिल्में ढूंढनी होंगी जो आपको हिम्मत दें। बता दें कि अनुराग कश्यप जैसे फिल्म निमार्ताओं पर अपनी राय देने के लिए भरोसा कर सकते हैं भले ही इसका मतलब जनता के खिलाफ जाना हो। हाल ही में अनुराग ने अपनी राय साझा की कि कैसे बॉलीवुड ने खुद को नष्ट कर लिया और ऐसा करते समय पुष्पा कांतारा और केजीएफ के उदाहरणों का हवाला दिया था।

मेरा दिमाग भारी होता है तो मैं बगीचे में चली जाती हूं: ट्विंकल खन्ना

-फिट और जवां दिखने के राज का खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। पूर्व अभिनेत्री और लेखक ट्विवंकल ने बताया है कि जब कभी भी उनका कुत्ते और बच्चे से दिमाग बहुत भारी हो जाता है तो वह अपने पौधों के साथ टाइम स्पेंड करने के लिए अपने बगीचे में चली जाती हैं। ट्विंकल खन्ना ने बताया कि कैसे वह आज भी इतनी यंग और फिट दिखने के लिए क्या करती हैं। उन्होंने अपने सीक्रेट्स भी शेयर किए हैं। ट्विंकल ने अपनी फिटनेस रूटीन का खुलासा किया और बताया कि उनमें से एक आदत तो उन्होंने खुद दिग्गज अदाकारा वहीद रहमान से सीखी है ! ट्विंकल ने बताया कि बचपन में उनके सिर्फ तीन लक्ष्य थे झ एक बच्चा एक कुत्ता और एक बगीचा। उनका कहना है कि जब कभी भी उनका कुत्ता या उनके बच्चे उन्हें परेशान कर देते हैं तो ऐसे में वह अपने पौधों के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद करती हैं। उन्होंने कहाअगर किसी के पास गार्डन ना भी हो तो अपने विंडो और बालकनियों में पौधे जरूर लगायें। आजमाएगा ये आपका मूड तुरन्त ठीक कर देते हैं। ट्विंकल खन्ना का कहना है कि उन्होंने बहुत समय निकलने के बाद छोटे बच्चे के साथ गिटार सीखना शुरू किया था। उन्होंने कहा मैं बहुत अच्छी सिंगर नहीं हूं। लेकिन मैंने अपने बेटे के साथ गिटार बजाना सीखना शुरू किया। क्या पता एक दिन मैं भी अच्छी सिंग बन जाऊं। ट्विंकल खन्ना कहती हैं ये आदत मैंने वहीदा रहमान जी से सीखी है। रात में कम खाना खाने से आपका शरीर आपके भोजन को जलाने में ऊर्जा खर्च करने के बजाय आराम कर सकता है। मैं भी वहीदा जी की तरह प्रतिदिन डिनर में ऑमलेट खाती हूं। अपनी बातचीत में ट्विंकल खन्ना ने अपने श्रोताओं को स्ट्रेस से बचने के लिए कुछ सांस लेने वाले व्यायाम करने की एडवाइज दी। एक्ट्रेस ने कहा जब बढ़ती उम्र दिखने लगे तो आप साँस लेने वाले व्यायाम कर सकते हैं और सिर्फ पांच मिनट में आपको रिलीव मिलेगा और पहले से एनर्जेटिक फील करेंगे। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा। खुद को खुश रखना बहुत जरूरी है। मैं खुद को खुश रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती हूं। एक मजेदार गाना गाओ एक बुरा चुटकुला सुनाओ जिससे आपके टीनएजर्स भी हैरान हो जाए। ट्विंकल ने कहा ह्वजन्म से ही उनकी पूरी स्किन पर कुछ धब्बे थे। इसलिए वह हमेशा ही हर समय सनस्क्रीन लगाती हैं। खासकर जब कभी धूप में जाना हो तो वह सनस्क्रीन जरूर लगाती हैं। ट्विंकल खन्ना ने आगे बताया कि वो क्या है जिसमें वह हमेशा बिजी रहती हैं और खुश रहती हैं। वो हैं उनकी किताबें। बता दें कि ट्विंकल खन्ना ने अपने एक्टिगं करियर की शुरूआत बॉबी देओल स्टारर फिल्म बरसात से की थी। अपनी इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस को बेस्ट फिल्मफेयर डेब्यू अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद भी ट्विंकल खन्ना कई फिल्मों में नजर आईं। देखते ही देखते ट्विंकल का बतौर एक्ट्रेस एक्टिंग की दुनिया से इंट्रेस्ट खत्म हो चुका था और फिर वह राइटर बन गईं।

कांतारा जैसी फिल्में देखना पसंद करते हैं आर्यन

-एक्टर ने खुद को बताया एक देशी इंसान

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने कांतारा जैसी फिल्मों में काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वो एक देसी इंसान हैं और वो कांतारा जैसी फिल्में देखना पसंद करते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक से पूछा गया कि क्या वो कांतारा जैसी फिल्म करना चाहेंगे? इस पर कार्तिक ने हामी भरी। पुष्पा केजीएफ-2 के बाद दक्षिण भारत की कन्नड़ भाषा में बनी और हिन्दी में प्रदर्शित हुई कांतारा ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कांतारा की सफलता ने एक बार फिर से हिन्दी भाषी दर्शकों को दक्षिण की कहानियों पर भरोसा दिलाया है। कार्तिक ने कहा- मैं जमीन से जुड़े मुद्दे पर फिल्में करना पसंद करूंगा। मैं खुद बहुत देसी इंसान हूं। मेरा खून पूरा देसी है। मुझे ऐसी फिल्म देखने में मजा आता है और इसी तरह की फिल्में करने का भी शौक है। कार्तिक ने बातचीत के दौरान आगे कहा- आजकल कुछ हेडलाइन्स में देखता हूं कि कार्तिक के युग की शुरूआत हो चुकी है। ऐसी सफलता देखते हुए बहुत खुशी होती है। उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनों भी मेरी फिल्में चलती रहें और मैं अच्छी फिल्में करता रहूं। इन दिनों कार्तिक का करियर सफलतापूर्वक चल रहा है। इस साल उनकी फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसके अलावा हाल ही ओटीटी पर आई फिल्म फ्रेडी को भी दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि इसी साल ओटीटी पर आई उनकी राम माधवानी की फिल्म धमाकों को दर्शकों से वो प्रतिसाद नहीं मिल सका था जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

फिल्म पठान बनीं चर्चा का विषय

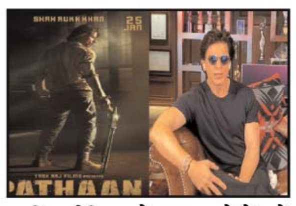

फिल्म पठान का नया गाना बेशरम रंग विवादों का हिस्सा बना हुआ है। अब इस गाने को अपनी आवाज देनी वाली सिंगर शिल्पा राव ने अपना पक्ष रखा है। शिल्पा राव से भी इस गाने को लेकर पहले कई सारे सितारों ने अपनी बात रखी है और विवादित टिप्पणी भी की है। खैर शिल्पा ने अब कहा है दीपिका इस गाने की जान हैं और उन्हीं की वजह से यह गाना इतना ज्यादा शानदार बन पाया है। मैंने वैसे तो दीपिका के लिए कई सारे गाने गाए हैं परंतु यह बहुत अलग और कठिन था। इस गाने में दीपिका का आत्मविश्वास झलक रहा है इस गाने को बहुत ही सहजता के साथ उन्होंने किया है। शिल्पा ने आगे कहा इस गाने के जारिए दीपिका ने बहुत लोगों को बहुत सारी महिलाओं को सहजता से अपनी स्किन और अपने वास्तविक रुप में रहना सिखाया है। इस गाने को पूरी दुनिया पसंद कर रही है और उम्मीद है कि यह बहुत आगे जाएगा। बता दें कि दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान स्टारर फिल्म पठान इस वक्त चर्चा का विषय बनी हुई हैं। एक गाने के बोल की वजह से हिंदुत्ववादी संगठन इसका पूरजोर विरोध कर रहे हैं।

मैं एक कट्टर शाकाहारी हूं : पिया बाजपेयी

-एक्ट्रेस ने की खाने की आदतों के बारे में बात

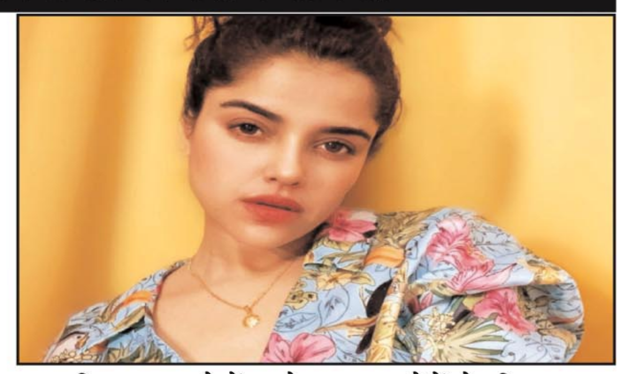

मुंबई (ईएमएस)। अपने आहार के बारे में बात करते हुए दक्षिण भारतीय सिनेमा की एक्ट्रेस पिया बाजपेयी ने कहा मैं एक कट्टर शाकाहारी हूं और मुझे एक महान आहार विशेषज्ञ का आशीर्वाद प्राप्त है जो मेरी व्यवहार्यता के अनुसार मेरे सेवन को नियंत्रित करने में मेरी मदद करता है और मुझे एक सरल लेकिन व्यावहारिक आहार से जोड़े रखता है। पिया बाजपेयी ने अपने खाने की आदतों और वर्कआउट शेड्यूल के बारे में बात की जो उन्हें एक उचित फिगर बनाए रखने और फिट रहने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा मेरे पास प्रत्येक भोजन के लिए दो विकल्प हैं एक अगर मैं घर पर रहूं और दूसरा अगर मैं कभी बाहर रहूं। पिया ने अंत में अपने प्रशंसकों के लिए एक सलाह दी इच्छाशक्ति वजन घटाने में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है और अगर यह गायब है तो कोई आहार या कसरत काम नहीं करेगा क्योंकि किसी कार्य पर स्थिर और दृढ़ रहने के लिए बहुत प्रयास की जरूरत होती है और अपने खाने की आदतों पर नियंत्रण रखें। अपने वर्कआउट पैटर्न के बारे में थोड़ा सा साझा करते हुए उन्होंने कहा अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग वर्कआउट काम करते हैं और मुझे यह समझने में थोड़ा समय लगा कि मेरे लिए भारी वजन उठाने के प्रशिक्षण ने हमेशा मुझे मस्कुलर बनाया है जो कि वह लुक नहीं है जिसके लिए मैं जा रही हूं। मुझे जो सूट करता है वह है कार्डियो और फंक्शनल ट्रेनिंग के साथ क्रॉसफिट ट्रेनिंग।

सर्कस की शूटिंग को लेकर रणवीर ने खोले कई राज

-एक्टर ने बताया-कैसे उन्होंने इस फिल्म में काम किया

अपनी फिल्म सर्कस की शूटिंग को लेकर बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने कई सारे राज खोले। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने रोहित शेट्टी की इस फिल्म में काम किया। रणवीर सिंह ने कहा इस फिल्म में करंट लगने वाली स्थिति की रोहित शेट्टी ने हमको बहुत सारी रिहर्सल कराई थी क्योंकि वह चाहते थे कि सीन बहुत साधारण हो क्योंकि यह एक ऐसा सीन है जिसको करने के लिए बहुत सारी चीजें ध्यान में रखनी पड़ती हैं। आगे रणवीर ने कहा रोहित शेट्टी बहुत ही साधारण और वास्तिव बनाना चाहते थे इसीलिए हमने बहुत मेहनत की। यह बिजली का करंट लगने वाला सीन इतना आसान नहीं था कि बस हम जाएं इलेक्ट्रिसिटी का तार पकड़ें और समझ जाएं कि कैसे एक्टिंग करनी है। बल्कि मैंने इसके लिए बहुत सारे तरीके अपनाए तब जाकर यह सीना किया। इसके साथ ही अभिनेता ने रोहित शेट्टी की और उनके फिल्म बनाने के कौशल भी तारीफ की साथ ही कहा कि यह फिल्म सर्कस लोगों को बहुत पसंद आएगी। बता दें कि फिल्म के प्रमोशन के लिए द कपिल शर्मा शो पर अपनी टीम के साथ पहुंचे रणवीर सिंह ने इस फिल्म को लेकर कई सारी बातें की और अपने अनुभव साझा किए।

वायरल हुआ टॉम क्रूज का लेटेस्ट वीडियो, फैंस का जताया आभार

हॉलीवुड के मशहूर एक्टर टॉम क्रूज का लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे आसमान में उड़ रहे प्लेन से छलांग लगा कर फैंस को अपनी फिल्म टॉप गन- मेवरिक को प्यार देने के लिए शुक्रिया अदा कर रहे हैं। इस वीडियो को खुद टॉम क्रूज ने अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया है। इस वीडियो के जरिये टॉम क्रूज ने फैंस को धन्यवाद देते हुए कहा-"हमें आपको एंटरनेट करने की अनुमति देने के लिए आपका बहुत शुक्रिया। आपने मेरी फिल्म को इतना प्यार दिया इसके लिए बहुत धन्यवाद। आप सभी को आने वाली छुट्टियों के लिए बहुत शुभकामनाएं, मैं नहीं चाहता था कि बिना आप सभी का आभार जताए, ये साल खत्म करूं।' वीडियो के अंत में टॉम क्रूज की फिल्म टॉप गन- मेवरिक की छोटी सी झलक भी है। गौरतलब है कि टॉम क्रूज की लेटेस्ट रिलीज फिल्म टॉप गन- मेवरिक को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। पैरामाउंट पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 1986 में आई टॉप गन का ऑफिशियल रीमेक थी। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर ये पैरामाउंट पिक्चर्स की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। टॉम क्रूज ने इस फिल्म में अभिनय के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया। टॉम क्रूज फिलहाल मिशन इम्पॉसिबल-डेड रेकनिंग पार्ट वन की शूटिंग कर रहे हैं। ये फिल्म 14 जुलाई, 2023 को रिलीज होगी।

गोविंदा नाम मेरा के गाने पर थिरके युगांडा के बच्चे

बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल और कियारा आडवाणी की फिल्म गोविंदा नाम मेरा के गाने क्या बात है 2.0 पर युगांडा के बच्चे थिरकते नजर आए। इन बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सामने आया जो कि उन बच्चों के पेज पर था।

इसमें कैप्शन में लिखा था लिव लव लाफ..टूडे। इसके बाद इस वीडियो को दोबारा कियारा आडवाणी ने भी अपनी इस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया और कैप्शन में लिखा टू गुड। शशांक खेतान द्वारा लिखी गई फिल्म गोविंदा नाम मेरा एक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में विक्की कौशल कियारी और भूमि पेडनेकर भी हैं। बता दें कि यह युगांडा के एक एनजीओ के कुछ बच्चे एक साथ मिलकर विक्की कौशल और कियारा आडवाणी ने भी डांस किया।

सोहेल खान ने बतौर निर्देशक रखा था बॉलीवुड में कदम

बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता,निमार्ता और निर्देशक सोहेल खान बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना चुके हैं। सोहेल खान का जन्म 20 दिसंबर,1970 को महाराष्ट्र में हुआ था। सोहेल बॉलीवुड के मशहूर स्क्रीन राइटर सलीम खान और सलमा खान के बेटे हैं। उनके बड़े भाई अरबाज खान और सलमान खान भी बॉलीवुड के सफल अभिनेता हैं। सोहेल ने अपने करियर की शरूआत साल 1997 में बतौर निर्देशक फिल्म 'औजार' से की थी। इस फिल्म में संजय कपूर,सलमान खान और शिल्पा शेट्टी मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद सोहेल ने साल 1998 की हिट फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' का सफल निर्देशन किया। वह इस फिल्म के निमार्ता भी थे । इस फिल्म में सलमान खान ,अरबाज खान, काजोल और धर्मेंद्र मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद सोहेल ने साल 2002 में आई फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' से बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ सोहेल ने इस फिल्म के निमार्ता निर्देशक और स्टोरी राइटर की भी कमान संभाली, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। साल 2005 में आई फिल्म 'मैंने प्यार क्यूं किया' सोहेल खान की पहली हिट फिल्म थी। इसके बाद सोहेल ने कई फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें डरना मना हैं, कृष्णा कॉटेज, आर्यन, हीरोज, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, लवयात्री आदि शामिल हैं। बतौर प्रोड्यूसर सोहेल ने हेलो ब्रदर, पार्टनर, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, रेडी आदि फिल्मों का निर्माण किया। उन्होंने फिल्म हेलो ब्रदर, मैंने दिल तुझको दिया और जय हो आदि कई फिल्मों का निर्देशन भी किया। इसके अलावा सोहेल सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले कॉमेडी शो 'कॉमेडी सर्कस का नया दौर' में जज के रुप में नजर आएं। सोहेल की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 1998 में पंजाबी हिन्दू लड़की सीमा सचदेव से प्रेम विवाह किया था। लेकिन साल 2022 में दोनों का तलाक हो गया। सोहेल और सीमा के दो बेटे योहान और निर्वान हैं।

फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' के सात साल पूरे

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' ने आज अपनी रिलीज के सात साल पूरे कर लिये। रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण अभिनीत यह फिल्म आज ही के दिन यानी 18 दिसंबर, 2015 को रिलीज हुई थी। फिल्म के सात साल पूरे होने की खुशी में भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म के कुछ सीन्स का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसका जश्न मनाया है। वीडियो में फिल्म के तीनों लीड एक्टर्स की झलक है। इस फिल्म में रणवीर सिंह - बाजीराव, प्रियंका चोपड़ा बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई और दीपिका पादुकोण बाजीराव की दूसरी पत्नी मस्तानी के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म में रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण के अलावा तन्वी आजमी, मिलिंद सोमन, रजा मुराद, आयुष टंडन, महेश मांजेरकर आदि भी महत्वपूर्ण भूमिका में थे। इस फिल्म के गाने से लेकर फिल्म के सभी पात्र और कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

फीफा वर्ल्ड कप का आखिरी मुकाबला देखने पहुंचेंगे बॉलीवुड के सितारे

पूरी दुनिया में फीफा वर्ल्ड कप 2022 के लिए लोगों में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। 18 दिसंबर को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच कतर में फीफा वर्ल्ड कप 2022 का आखिरी मुकाबला है। फीफा वर्ल्ड कप 2022 का खुमार बॉलीवुड सितारों पर भी सर चढ़कर बोल रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म अभिनेता शाहरुख खान भी फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मुकाबले को देखने के लिए कतर पहुंचेंगे। इस दौरान शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' का प्रमोशन भी करेंगे। फुटबॉल कप के इस फाइनल मुकाबले को देखने के लिए दीपिका पादुकोण भी कतर पहुंचेंगी। इसके अलावा कार्तिक आर्यन, आदित्य रॉय कपूर, डिनो मोरिया आदि सितारे भी फाइनल मुकाबला देखने जाएंगे। अभिनेत्री अनन्या पांडे भी इस फाइनल मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है। रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या पांडे की दोस्त शनाया कपूर अपने पिता संजय कपूर के साथ इस फाइनल मुकाबले का लुत्फ उठाने के लिए कतर पहुंच चुकी हैं। इनके अलावा अभिनेता रणवीर सिंह भी फाइनल मुकाबले के दौरान मौजूद रहेंगे।

फ्रांस की हार के बाद पेरिस सहित कई शहरों में हिंसा फैंस ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, आगजनी की

पेरिस।
फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल मैच में फ्रांस की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में 4–2 से जीत दर्ज की। 2018 में चैंपियन बनने वाली फ्रांस की टीम के पास लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतकर ब्राजील के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका था, लेकिन फाइनल में यह टीम चूक गई और फ्रांस के फैंस टीम की इस हार को पचा नहीं पाए। अपनी राष्ट्रीय टीम की हार के बाद फ्रांस के फैंस हजारों की संख्या में सड़कों पर उतर आए और जमकर हिंसा की। इस दौरान उग्र फैंस ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके और आतिशबाजी के जरिए भी पुलिसकर्मियों को परेशान किया। फ्रांस की राजधानी पेरिस सहित नाइस और ल्योन जैसे शहरों में जमकर हिंसा हुई। फ्रांस में हुई हिंसा के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस वीडियो में फ्रांस की हार से नाराज फैंस की भीड़ को हिंसा करते दिखा जा सकता है। पुलिस ने सभी इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन नाराज फैंस ने पुलिसकर्मियों पर ही पत्थर फेंके और पुलिसवालों के ऊपर जलते हुए पटाखे भी फेंके। एक ट्वटर यूजर ने कहा कि फ्रांस में एक महिला दंगाइयों को भगाने की कोशिश कर रही थी और उस पर भी हमला कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने उग्र भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। फ्रांस की राजधानी में चैंप्स–एलिसीज पर फैंस और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने भीड़ को काबू में करने के लिए पानी की बौछार का भी इस्तेमाल किया। विश्व कप फाइनल में अर्जेंटीना और फ्रांस के मुकाबले को ध्यान में रखते हुए भर में लगभग 14,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था। नाराज फैंस ने पुलिस पर झंडे, बोतलें और आतिशबाजी की। इसके बाद दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। फाइनल मैच में अर्जेंटीना ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले हाफ में 2–0 की बढञत बना ली। हालांकि, दूसरे हाफ में फ्रांस ने दमदार वापसी की और दो मिनट के अंदर दो गोल कर स्कोर 2–2 से बराबर कर दिया। इसके बाद एक्सट्रा टाइम में मेसी ने गोल कर अर्जेंटीना को 3–2 की बढ़त दिलाई, लेकिन एम्बाप्पे ने पेनल्टी में तीसरा गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और स्कोर 3–3 से बराबर कर दिया। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में मैच का नतीजा निकला, जहां अर्जेंटीना ने 4–2 के अंतर से जीत हासिल की। यह अर्जेंटीना का तीसरा खिताब है।

न्यूज ब्रीफ

गाबा की पिच टेस्ट क्रिकेट के स्तर के अनुरूप नहीं थी : मार्नस लाबुशेन

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मारनस लेबुस्चगने ने स्वीकार किया है कि तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में मेजबान टीम द्वारा दक्षिण अफ्रीका को हराने के बावजूद गाबा की पिच टेस्ट क्रिकेट में एक मैच के लिए मानक तक नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिनों में खत्म हो गया था, जब 34 विकेट गिर गए थे, जिसमें मेजबान टीम ने हरी पिच पर छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या पिच मैच के लिए फिट थी। उन्होंने कहा, नहीं। मुझे लगता है कि हर कोई समझता है कि यह वह पिच नहीं है जो हम चाहते थे, यह आदर्श बात नहीं है। उन्होंने कहा, हमें विकेट की गति और उछाल पसंद हैं। लेकिन अगर टेस्ट मैच दो दिनों में खत्म हो जाता है तो यह अच्छी बात नहीं है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हमने पिछले दो वर्षों में ऐसे दो मैच ही खेले हैं। अपने राज्य की टीम क्वींसलैंड का घरेलू मैदान होने के कारण गाबा में प्रमुख रूप से खेलने वाले लाबुशेन ने कहा कि दोनों टीमों के गेंदबाजी आक्रमण की गुणवत्ता के साथ, ब्रिस्बेन में पहले टेस्ट के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली पिच बनाई जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, यह एक शील्ड मैच की तरह महसूस हुआ। हमने यहां कुछ शील्ड मैच खेले हैं जो उसी तरह समाप्त हुए हैं। हमने इस तरह के कुछ विकेट (गाबा में) देखे हैं, लेकिन जाहिर है कि आपके पास 150 (किमी/घंटा)से अधिक की गति वाले दोनों टीमों में चार या पांच गेंदबाज ने अंतर डाले हैं। उन्होंने कहा, यह उन विकेटों में से एक था। दुर्भाग्य से प्रशंसक और मैच के लिए, हम एक अच्छी प्रतियोगिता पसंद करेंगे। यह निश्चित रूप से कठिन था जब हम खेल रहे थे। उन्होंने आगे कहा, टेस्ट क्रिकेट एक धर्य वाला गेम है। क्या बल्लेबाज गेंदबाज को पछाड़ सकता है यह एक रणनीतिक खेल है और जाहिर है कि जब आप इस तरह के विकेट पर खेलते हैं तो यह मैच को इतना करीब बना देता है, जो आप समझ नहीं सकते।

सिडनी टेस्ट के बाद लंबे प्रारूप से संन्यास लेने पर विचार करें वार्नरः ओडोनेल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी साइमन ओडोनेल का मानना है कि अनुभवी सलामी

बल्लेबाज डेविड वार्नर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वार्नर ने जनवरी 2020 के बाद से एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया है और घरेलू सीजन में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह पारियों में 5, 48, 21, 28, 0 और 3 रन बनाए हैं। पिछले दो साल में उनका टेस्ट औसत सिर्फ 27 का है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास पर विचार कर रहे होंगे और संभवतः (रिटायर) हो जाना चाहिए। हम पिछली कुछ पारियों में डेविड वार्नर के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, हम पिछले दो वर्षों में डेविड वार्नर के बारे में बात कर रहे हैं। वह पहले जैसा खिलाड़ी नहीं रहे हैं। ओडोनेल ने एसईएन ब्रेकफास्ट पर कहा, यह मुझे इंगित करता है कि अगर डेविड ने फिर से फॉर्म पाया, तो यह लंबे समय तक नहीं रहने वाला है।

आईपीएल नीलामी को लेकर बोले संजय मांजरेकर, मुंबई इंडियंस के लिए जम्पा या रशीद सही रहेंगे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा या इंग्लैंड के

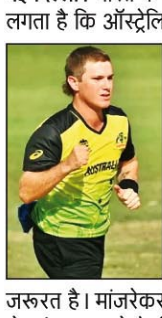

आदिल रशीद में से कोई एक शुक्रवार को कोच्चि में होने वाली आगामी आईपीएल 2023 खिलाड़ियों की नीलामी में पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए एकदम सही जोड़ी होगी। आईपीएल 2022 में निराशाजनक निचले स्थान पर रहने वाली मुंबई को स्पिनरों की जरूरत है। मांजरेकर के अनुसार, जम्पा और रशीद की सेवाएं प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की उम्मीद है। जम्पा और रशीद दोनों प्रमुख लेग स्पिनर हैं, जिन पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड रन–फ्लो को रोकने और बीच के ओवरों में विकेट लेने के लिए बहुत अधिक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि जब आप उनके गेंदबाजी आक्रमण को देखते हैं, तो पिछली बार उन्हें नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन अब उनके पास जोफ्रा आर्चर और बुमराह फिट हैं, उनके पास जेसन बेहरेनडॉर्फ हैं, तो यह एक गुणवत्ता आक्रमण है जो उनके पास है। इसलिए यह कोई समस्या नहीं है।

36 साल बाद अर्जेंटीना वर्ल्ड चैंपियन

फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराया ; मेसी के 2 गोल, काम न आई एम्बाप्पे की हैट्रिक

लुसैल।
लियोनल मेसी का वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना पूरा हो गया। अर्जेंटीना ने खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4–2 से हरा दिया। तय 90 मिनट तक दोनों टीमें 2–2 की बराबरी पर रही थी। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3–3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई।

अर्जेंटीना ने 36 साल बाद वर्ल्ड कप जीता है। इससे पहले उसे 1986 में खिताबी कामयाबी मिली थी। अर्जेंटीना का यह ओवरऑल तीसरा खिताब है। टीम 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। वहीं, फ्रांस का लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना अधूरा रहा गया। टीम 2018 में चैंपियन बनी थी। फ्रांस दूसरी बार वर्ल्ड कप के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हारा है। इससे पहले उसे 2006 में इटली के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में हार मिली थी।

पेनल्टी शूटआउट का रोमांच

- 1–0 : फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पे ने लेफ्ट कॉर्नर में गोल दागा।
- 1–1 : अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने लेफ्ट साइड पर गोल दागा।
- 1–1 : फ्रांस के किंग्स्ले कॉमान का शॉट अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टीनेज ने रोक लिया।
- 2–1 : अर्जेंटीना के पाउलो डीबाला ने गोल दागा।
- 2–1 : फ्रांस के औरेलियन चौमेनी पेनल्टी मिस कर गए।
- 3–1 : अर्जेंटीना के लीएंड्रो पेरेडेस ने गोल दागा।
- 3–2 : फ्रांस के रांडल कोलो मुआनी ने गोल दागा।

एम्बाप्पे ने जीता गोल्डन बूट – फाइनल में 3 गोल के साथ एम्बाप्पे के इस वर्ल्ड कप में 8 गोल हो गए। उन्हें टूर्नामेंट का गोल्डन बूट अवॉर्ड मिला। उनके बाद अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने टूर्नामेंट में 7 गोल दागे। मेसी ने टूर्नामेंट में 3 असिस्ट भी किए। अपनी टीम को जिताने वाले मेसी को इस प्रदर्शन के लिए गोल्डन बॉल अवॉर्ड दिया गया। यह अवॉर्ड प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट को दिया जाता है। अर्जेंटीना के ही गोलकीपर एमिलियो मार्टीनेज को गोल्डन ग्लव्स अवॉर्ड मिला। वहीं, एंजो फर्नांडेज को यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला।

90 मिनट में 2–2 था स्कोर – 90 मिनट तक स्कोर लाइन 2–2 से बराबर थी। इसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। एक्स्ट्रा टाइम में दोनों टीमों ने 1–1 गोल दागे। 90 मिनट में दोनों टीमों से 4 गोल आए थे। अर्जेंटीना के लिए फर्स्ट हाफ के 23वें मिनट में लियोनल मेसी और 36वें मिनट में एंजल डी मारिया ने गोल दागे। वहीं, फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पे ने 97 सेकेंड में 2 गोल दागकर स्कोर लाइन 2–2 से बराबर कर दी। एम्बाप्पे ने 80 मिनट में पेनल्टी से और 81वें मिनट में फील्ड गोल दागा।

एक्स्ट्रा टाइम में गया मुकाबला – एक्स्ट्रा टाइम के फर्स्ट हाफ में कोई गोल नहीं आया। फिर सेकेंड हाफ के 108वें मिनट में अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने गोल दागकर स्कोर लाइन 3–2 कर दी। अर्जेंटीना बढ़त बना चुका था। तभी 118वें मिनट में कीलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी से गोल दाग कर स्कोर लाइन 3–3 से बराबर कर दी। यह एम्बाप्पे का फाइनल में तीसरा गोल था। इसके साथ ही उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी की।

पेनल्टी से आया पहला गोल – मैच के 21वें मिनट में अर्जेंटीना के एंजल डी मारिया फ्रांस के पेनल्टी बॉक्स की ओर बॉल लेकर दौड़े। वह लेफ्ट विंग से दौड़ लगाकर बॉक्स के अंदर पहुंचे। लेकिन, फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले ने उन पर फाउल कर दिया। फाउल के बाद रेफरी ने अर्जेंटीना को पेनल्टी दे दी। लियोनल मेसी ने 23वें मिनट में पेनल्टी पर शॉट मारा। बॉल नेट के बॉटम राइट कॉर्नर में गई और अर्जेंटीना 1–0 से आगे हो गया।। इस गोल के साथ ही मेसी के टूर्नामेंट में 6 गोल हो गए।

एंजल डी मारिया ने डबल की बढ़त – शुरुआती बढ़त के बाद भी अर्जेंटीना ने फ्रांस पर अटैक करना जारी रखा। 35वें मिनट में अर्जेंटीना के लियोनल मेसी राइट विंग से बॉल लेकर दौड़े। उन्होंने फ्रांस के पेनल्टी बॉक्स में साथी प्लेयर मैक एलिस्टर को पास दिया। मैक एलिस्टर ने उसी वक्त एंजल डी मारिया को बॉल दी। 36वें मिनट में फ्रांस के गोलकीपर ह्यूगो लॉरिस डी मारिया की तरफ दौड़े। लेकिन, डी मारिया ने गोल की तरफ शॉट मार दिया। बॉल सीधा नेट में गई और स्कोर अर्जेंटीना के फेवर में 2–0 हो गया।

80वें मिनट में फ्रांस का पहला गोल – 79वें मिनट में फ्रांस के कोलो मुआनी अर्जेंटीना के पेनल्टी बॉक्स में बॉल लेकर पहुंचे। अर्जेंटीना के ओटामेंडी ने उन पर फाउल किया। जिसके चलते रेफरी ने फ्रांस को पेनल्टी शूट करने का मौका दे दिया। कीलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी ली और बॉटम लेफ्ट कॉर्नर में शॉट मारा।

मार्क चैपमैन ने मार्टिन गुप्तिल की जगह एनजेडसी का पहला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया

ऑकलैंड।
बल्लेबाज मार्क चैपमैन को सोमवार को उनका पहला न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) केंद्रीय अनुबंध दिया गया, जिससे नवंबर में अनुभवी सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्तिल के जाने से खाली हुई जगह भर गई। चैपमैन ने 2018 में डेब्यू करने के बाद से न्यूजीलैंड के लिए 22 टी20 और पांच वनडे खेले हैं, जिसमें क्रमशः 381 रन और 111 रन बनाए हैं। वह पिछले दो आईसीसी टी20 विश्व कप अभियानों में न्यूजीलैंड टीम के सदस्य भी रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने हांगकांग के लिए 21 मैच खेले थे। उन्होंने अपनी घरेलू टीम ऑकलैंड के लिए भी 128 मैच खेले हैं। चैपमैन अपनी स्पिन गेंदबाजी के साथ एक विकल्प प्रदान करते हैं और न्यूजीलैंड क्रिकेट सर्किट में एक उच्च श्रेणी का क्षेत्ररक्षक भी हैं। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, हमें खुशी है कि मार्क को कुछ समय बाद केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल किया गया है। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह बहुत प्रतिभा वाले खिलाड़ी हैं और हम देखते हैं कि वह भविष्य में न्यूजीलैंड टीम के एक बेहतर खिलाड़ी होंगे। रविवार को, चैपमैन को न्यूजीलैंड के भारत दौरे में शामिल किया गया था, जिसमें तीन वनडे और कई टी20 शामिल थे, जो 18 जनवरी से 1 फरवरी तक चलने वाला है, जिसमें टीम अपने खिलाड़ियों और सहायक कर्मचारियों के कार्यभार का प्रबंधन करना जारी रखेंगे। इससे पहले नवंबर में, गुप्तिल को वनडे और टी20 टीमों में अपना स्थान खो देने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट केंद्रीय अनुबंध से मुक्त कर दिया गया था। वह ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, लेकिन युवा फिन एलन के साथ डेवोन कॉनवे के साथ बल्लेबाजी की शुरूआत करने के कारण उन्हें एक भी मैच में मौका नहीं मिला। सेमीफाइनल में टीम के टूर्नामेंट से बाहर हो जाने के बाद, गुप्तिल को भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए पूरी तरह से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह बिग बैश लीग (बीबीएल) के चल रहे सीजन के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल हो गए। गुप्तिल बीबीएल में खेलने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे खिलाड़ी हैं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को अगस्त में पहले विदेशी खिलाड़ी ड्राफ्ट के माध्यम से मेलबर्न स्टार्स द्वारा तैयार किया गया था।

आईपीएल नीलामी : इरफान पठान बोले, सनराइजर्स हैदराबाद मयंक अग्रवाल को लेना चाहेगी

नई दिल्ली।
भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सनराइजर्स हैदराबाद शुक्रवार को कोच्चि में होने वाली आगामी आईपीएल 2023 की नीलामी में सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को लेना चाहेगी। मयंक को आईपीएल 2022 के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान के रूप में नामित किया गया था और फ्रेंचाइजी द्वारा 12 करोड़ रुपये में बरकरार रखा गया था। अग्रवाल 2018 में पंजाब टीम में शामिल हुए और केएल राहुल के साथ एक मजबूत ओपनिंग जोड़ी बनाई, जो 2021 तक टीम के कप्तान थे।

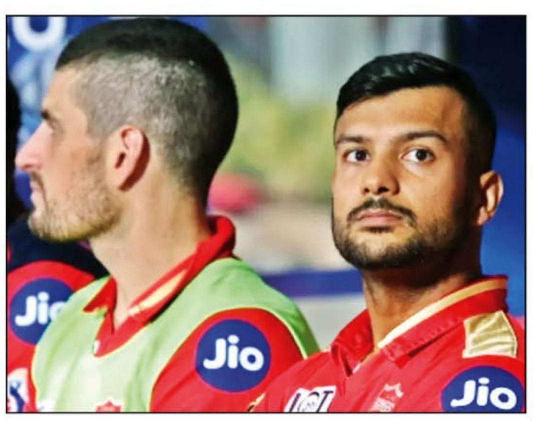

लेकिन कप्तान के रूप में आईपीएल 2022 में दाएं हाथ के बल्लेबाज का बल्ला खामोश रहा। अग्रवाल ने 13 मैचों में 16.33 की औसत से सिर्फ 196 रन बनाए। नेतृत्व के मोर्चे पर, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया क्योंकि पंजाब दस टीमों की अंक तालिका में छठे स्थान पर रहा।

नवंबर में, मयंक की जगह पंजाब किंग्स के कप्तान के रूप में शिखर धवन को कप्तान बनाया गया था। हैदराबाद के साथ केन विलियमसन और निकोलस पूरन को भी जाने दिया, उन्हें एक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज की भी जरूरत है जो टीम की कप्तानी भी कर सके। उन्होंने कहा, एसआरएच मयंक अग्रवाल को लेना चाहेगा क्योंकि उन्हें एक तरह के सलामी बल्लेबाज की भी जरूरत है। उनके पास अभी केन विलियमसन नहीं है जो एक अनुभवी खिलाड़ी के रूप में कई वर्षों तक उनका नेतृत्व करते रहे और जो पारी की शुरूआत भी करते थे।

पठान ने कहा, मयंक अग्रवाल उस तरह के व्यक्ति हैं जिन्होंने एक टीम का नेतृत्व किया है, जो काफी स्वतंत्र रूप से खेलते हैं। वे शायद उन्हें एक लीडर के रूप में लेने के बारे में सोच रहे होंगे। तो देखते हैं कि क्या होने वाला है। नीलामी में जाने के लिए, हैदराबाद के पास आईपीएल की सभी दस टीमों में सबसे अधिक 42.25 करोड़ रुपये हैं। उनके बाद पंजाब है, जिसके पास 32.2 करोड़ रुपये के साथ दूसरा सबसे अधिक पैसा है। पठान को यह भी लगता है कि हैदराबाद और पंजाब के बीच ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जाम्पा के लिए बोली की जंग होगी। हैदराबाद और पंजाब दोनों ही आईपीएल 2022 के प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही थीं। हैदराबाद 12 अंकों के साथ आठवें और पंजाब 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आईएलटी20 जैसे टूर्नामेंट खेलने से अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने में मदद मिलेगी: मोहम्मद नबी

नई दिल्ली।
2023 में क्रिकेट की दुनिया 13 जनवरी से 12 फरवरी तक दुबई, शारजाह और अबु धाबी में 34 मैचों वाली छह टीमों के बीच आयोजित होने वाली आईएलटी20 नामक एक नई फ्रेंचाइजी लीग का स्वागत करेगी। दुनिया भर के कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर लीग का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। लीग में अफगानिस्तान का पूरी तरह से प्रतिनिधित्व किया जाएगा, जिसमें दस क्रिकेटर टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे, जिसमें अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नबी भी शामिल हैं, जो शारजाह वारियर्स में हैं।

शारजाह वारियर्स में, नबी अपने साथी अफगानिस्तान साथी नूर अहमद, रहमानुल्लाह गुरबाज और नवीन–उल–हक से जुड़े हुए हैं। हजरतुल्लाह जजई और मुजीब उर रहमान दुबई कैपिटल्स के लिए खेलेंगे, जबकि कैस अहमद गल्फ जायंट्स के लिए खेलेंगे।

नजीबुल्लाह जदरान, जहीर खान, और फजलहक फारूकी एमआई

अमीरात के लिए प्रतिनिधित्व करेंगे। यह दिखाता है कि हमारे पास अफगानिस्तान में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यही कारण है कि हर कोई टी20 लीग के लिए अफगानी खिलाड़ियों को चुन रहा है। ये खिलाड़ी टूर्नामेंट से अनुभव प्राप्त कर रहे हैं और राष्ट्रीय टीम के लिए अधिक प्रेरणा और अनुभव देंगे।

नबी ने टूर्नामेंट के शुरुआती सीजन से पहले वे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भी खेलेंगे। उन्हें वह अनुभव मिलेगा और इससे उनके क्रिकेट जीवन में भी काफी मदद मिलेगी। शारजाह टीम में कप्तान मोईन अली, डेविड मलान और एविन लुईस के साथ–साथ क्रिस वोक्स, टॉम कोहलर–कैडमोर, बिलाल खान, जेजे स्मिट, क्रिस बेंजामिन, डैनी ब्रिग्स और मार्क डेयल का जबरदस्त रूप है। उनके पास कार्तिक मयप्पन, अलीशान शराफू, जुनैद सिद्दीकी और जवाद उल्लाह के रूप में स्थानीय प्रतिभाएं भी हैं। नबी को उम्मीद है कि टूर्नामेंट में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहेगा, जहां परिस्थितियां स्पिनरों के पक्ष में हो सकती हैं। युवा और अनुभवी प्रतिभा से अच्छे स्कोर की उम्मीद है। अच्छा गेंदबाजी आक्रमण भी है। उन्होंने कहा, हमारे पास अच्छी गुणवत्ता वाला स्पिन गेंदबाजी आक्रमण है। शारजाह वॉरियर्स एक शानदार टीम है और उम्मीद है कि हम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अफगानिस्तान में बढ़ती अशांति के कारण नबी 2021 से संयुक्त अरब अमीरात के अजमान में रह रहे हैं, और इस साल जनवरी में अपने बेटे हसन खान के साथ शारजाह में एक स्थानीय टी20 टूर्नामेंट में खेले थे। शारजाह आईएलटी20 के लिए तीन स्थानों में से एक होने जा रहा है।

बिशप, वसीम, वकार, भज्जी और अजहर आईएलटी20 कमेंट्री पैनल का होंगे हिस्सा

दुबई।
आंद्रे रसेल, क्रिस लिन, क्रिस जॉर्डन, दासुन शनाका, ड्वेन ब्रावो, ट्रेंट बोल्ट, मोईन अली, रोवमैन पॉवेल और वानिंदु हसरंगा जैसे खिलाड़ियों के साथ, डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 ने सोमवार को एक स्टार-स्टडेड कमेंट्री पैनल का नाम घोषित किया। यूएई के तीन स्थानों अबु धाबी, दुबई और शारजाह में महीने भर टूर्नामेंट चलेगा।

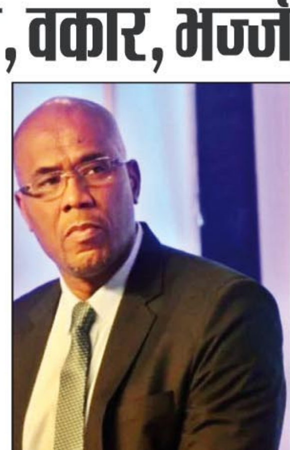

इयान बिशप, साइमन डॉल और डेविड लॉयड, डेविड गॉवर, वसीम अकरम, मोहम्मद अजहरुद्दीन, हरभजन सिंह, वकार यूनुस और नियाल ओब्रायन सहित पूर्व क्रिकेटरों में शामिल होंगे।

पैनल में भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ सबसे लोकप्रिय और विशेषज्ञ रसेल अर्नोल्ड, रोहन गावस्कर, लक्ष्मण शिवरामकृष्णन, सबा करीम, निखिल चोपड़ा, विवेक राजदान, डब्ल्यूवी रमन, एस श्रीराम और विद्युत शिवरामकृष्णन भी मौजूद होंगे।

पूर्व भारतीय कप्तान अंजुम चोपड़ा, और हाई–प्रोफाइल स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर नताली जर्मनोस और पैनल में दो सम्मानित महिला कमेंटेटर होंगी, जबकि प्रस्तुतकर्ताओं में संजना गणेशन, लॉरा मैकगोल्ड्रिक, एलेक्स जॉर्डन, सस्तिका राजेंद्रन सागरिका छेत्री और समीना अनवर जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। कमेंट्री अंग्रेजी, हिंदी और तमिल भाषाओं में उपलब्ध होगी।

आईएलटी20 में कमेंट्री करने के बारे में बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, यूएई ने पिछले कुछ वर्षों में एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में जबरदस्त विकास किया है। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 की शुरूआत के साथ राष्ट्र के पास एक और उपलब्धि होगी। मुझे यकीन है कि दमदार खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे और उन पर कमेंट्री करना शानदार अनुभव होगा। इस बीच, वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने कहा, मैं डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पहले सीजन में कमेंट्री करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। कुछ सबसे प्रमुख टी20 सितारे तीन प्रतिष्ठित यूएई स्थलों पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। संयुक्त अरब अमीरात ने पहले से ही कुछ सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंटों की मेजबानी की है और देश को एक और शानदार प्रतियोगिता के साथ माना जाएगा जो उनका अपना होगा।

वसीम अकरम ने कमेंट्री पैनल का हिस्सा होने के बारे में भी बात की, एक नई टी20 लीग हमेशा उत्साह पैदा करती है और मैं इसका हिस्सा बनने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। हमारे पास कमेंटेटर के रूप में घर में सबसे अच्छी बात होगी और खेल को बढ़ावा मिलेगा।

एलपीएल : कैंडी फाल्कन्स ने दांबुला ऑरा पर आसान जीत दर्ज की

कोलंबो। श्रीलंका प्रीमियर लीग 2022 के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए दूसरे मैच में कैंडी फाल्कन्स ने दांबुला ऑरा को 39 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैंडी फाल्कन्स ने 7 विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए डंबुला ऑरा के लिए जॉर्डन कॉक्स और शेवोन डेनियल ने पारी की शुरूआत की। टीम को अच्छी शुरूआत नहीं मिली, वे 7.2 ओवर में 5/41 के साथ संघर्ष कर रहे थे। सिकंदर रजा 33 गेंदों में 45 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोरर थे, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। दिलुम सुदीरा ने पारी के अंत में 21 रनों का योगदान दिया। कैंडी फाल्कन्स के लिए ओशेन थॉमस गेंदबाजों में से एक थे। उन्होंने अपने 4 ओवरों में 3/15 विकेट लिए।

ऑफिस में स्टाइलिश नजर आने के लिए कुछ बातों का रखें ध्यान

आपका ड्रेसिंग सेंस आपकी पर्सनैलिटी का आइना होता है इसलिए इसे चुनते वक्त कुछ बातों का खासतौर से ध्यान रखना जरूरी है। एक स्ट्रॉन्ग और कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी लाइफ में आगे बढ़ने के रास्ते को आसान बना सकती है और आपका लुक इसमें काफी मायने रखता है। तो आज ऑफिस वेयर्स से जुड़ी कुछ जरूरी बातें जानेंगे।

1. कैजुअल वेयर्स करें अवॉयड

ऑफिस में कैजुअल लुक आपके कैजुअल बिहेवियर को भी दर्शाता है वहीं प्रोफेशनल लुक आपके सीरियनेस को। तो इस बात पर गौर करें। तो किसी एक दिन ऐसा लुक कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं, लेकिन हफ्ते के पांच दिनों अगर आप कैजुअल वेयर्स में ऑफिस जा रहे हैं तो ये सही नहीं।

2. साइज और कंफर्ट का रखें ध्यान

परफेक्ट फिटिंग और कंफर्ट के बीच सही बैलेंस होना बेहद जरूरी है। अच्छी फिटिंग वाले कपड़े आपको प्रेजेंटेबल बनाते हैं वहीं बहुत तंग कपड़े अनकंफर्टेबल रखते हैं। तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़े चुनें जिन्हें पहनकर आप आराम से बैठ और काम कर सकें। बॉडी टाइप के अनुसार कपड़े पहनने से आप कंफर्टेबल और कॉन्फिडेंट दोनों रहते हैं। कभी भी देखादेखी किसी ट्रेंड को फॉलो न करें क्योंकि जरूरी नहीं वो आप पर सूट करें और आप उसमें कंफर्टेबल रहें।

3. कपड़ों से झलकें आपका आत्मविश्वास

कॉन्फिडेंट व्यक्ति लोगों को हमेशा ही अट्रैक्ट करता है तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़ें चुनें, जिन्हें पहनकर आप कॉन्फिडेंट फील करती हों, फिर चाहे वो जींस-शर्ट हो, सूट या फिर साड़ी। अगर कलर या फैब्रिक में भी किसी तरह की खास च्वॉइस है तो उसे प्रियोरिटी दें क्योंकि कहीं न कहीं कॉन्फिडेंस का असर आपके काम पर भी पड़ता है।

4. फुटवेयर पर भी करें फोकस

ज्यादातर महिलाओं का फोकस कपड़ों पर ही रहता है। फुटवेयर्स चुनने में वो ब्रांड और क्वॉलिटी पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देती जो बहुत ही गलत आदत है। कपड़ों का कंफर्टेबल होना जितना जरूरी है उतना ही फुटवेयर्स का भी। एक स्टडी के मुताबिक, ज्यादातर लोग सबसे पहले आपके फुटवेयर्स को नोटिस करते हैं न कि कपड़ों को, तो इस बात का ध्यान रखें। अच्छी क्वॉलिटी का कोई एक ऐसा फुटवेयर खरीद लें जो ज्यादातर कपड़ों के साथ आसानी से मैच किया जा सके।

प्रदूषण से हो रही है आंखों में जलन, तुरंत अपनाएं घरेलू उपचार

आसमान में धुंध छाई है। हवा की क्वॉलिटी लगातार गिरती जा रही है। ऐसे में सबसे ज्यादा दिक्कत सांस के मरीजों को हो रही है। वहीं आंखों में जलन की समस्या भी देखी जा रही है। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण की वजह से यह दिक्कत सबसे ज्यादा है। वहीं पूरे देश के कई शहरों का एक्यूआई यानी एयर क्वॉलिटी इंडेक्स बढ़ा हुआ है। यह जहरीली हवा हमारी हेल्थ के लिए काफी नुकसानदायक है। सबसे अच्छा तरीका है कि आप इस समय घर से बाहर कम से कम ही निकलें। हालांकि कामकाजी लोगों के लिए यह जरा मुश्किल है। आप यहां कुछ उपाय देख सकते हैं जो प्रदूषण के साइड इफेक्ट्स से आपको राहत देंगे।

साइड इफेक्ट्स से आपको मिलेगा राहत

स्क्रीन से बना लें दूरी

सबसे पहले आंखों की बात करें तो अगर आपको आंखों में कड़वाहट और जलन हो रही है, आंसू आ रहे हैं तो यह स्मॉग का असर हो सकता है। इससे आंखों में ड्राइनेस बढ़ जाती है जो चुभन और आंसू आने की वजह होती है। आपकी आंखें पल्यूशन की वजह से इरिटेटेड हैं तो ऐसे में सबसे पहले मोबाइल और लैपटॉप से दूरी बना लें। स्क्रीन पर 9-10 घंटे चिपके रहने से भी आंखों की ड्राइनेस बढ़ती है। आप डॉक्टर की सलाह पर कोई ल्यूब्रिकेंट टियर ड्रॉप ले सकते हैं।

पानी से करें टॉक्सिन्स बाहर

प्रदूषण या किसी भी तरह के इन्फेक्शन को शरीर से कम करने के लिए जरूरी है कि हाइड्रेट रहें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं इससे शरीर में पहुंचे टॉक्सिन्स बाहर निकलेंगे। आप हाइड्रेटेड हैं तो ड्राई आई की समस्या भी कम होगी।

ठंडे पानी से धोएं आंखें

अगर आंखों में जलन हो रही है तो ठंडे पानी से आंखों को धोएं। बाहर से आकर खासतौर पर आंखें धोना न भूलें। आंखों में कोई दिक्कत होती है तो हाथ बार-बार वहीं जाता है। आप बिना हाथ धोए आंखों को न छुएं वर्ना एलर्जी या कोई संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है।

डायट हेल्दी रखें

नींबू पानी, मोरिंगा पाउडर, ग्रीन टी, गुनगुने पेय आपके शरीर में जाकर प्रदूषण से लड़ने में मदद करेंगे। हरी सब्जियां, फल और नट्स डायट में शामिल करें। ऐसी चीजें खाएं जो ऐंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर हों।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)